राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना, एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 बीएलओ की दिकतों और आत्महत्या जैसी घटनाओं पर गंभीर.....

यूपी में हड़ताल-तालाबंदी पर रोक..... 12

वर्ष : 16 ■ अंक : 208 ■ नई दिल्ली, मंगलवार, 02 दिसंबर, 2025 ■ विक्रम संवत् 2082 ■ पेज : 12 ■ मूल्य ₹ : 03.00 www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 22.0°C

न्यूनतम तापमान 20.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,25,225
चांदी	1,58,000
सेंसेक्स	82,500
निफ्टी	25,285

लोकसभा से मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर दूसरा संशोधन विधेयक, 2025 पारित

■ **लोकसभा की कार्यवाही 02 दिसंबर तक के लिए स्थगित**

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने सोमवार को मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक-2025 को पास कर दिया है। यह विधेयक अध्यादेश की जगह लेगा। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही 02 दिसंबर तक के लिए स्थगित हो गई, जो मंगलवार सुबह 11:00 बजे फिर से शुरू होगी। इससे पहले संसद की शीतकालीन सत्र के पहले दिन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में सेंट्रल एक्साइज (अमेंडमेंट) बिल, 2025, नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 और मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधयेक-2025 को पेश किया। मणिपुर वस्तुत एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधयेक-2025, मणिपुर गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (दूसरा संशोधन) अध्यांदेश की जगह लेगा, जिसे 7 अक्टूबर, 2025 को जारी किया गया था। वित्त मंत्री ने इससे पहले लोकसभा में हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 पेश किया। यह विधयेक

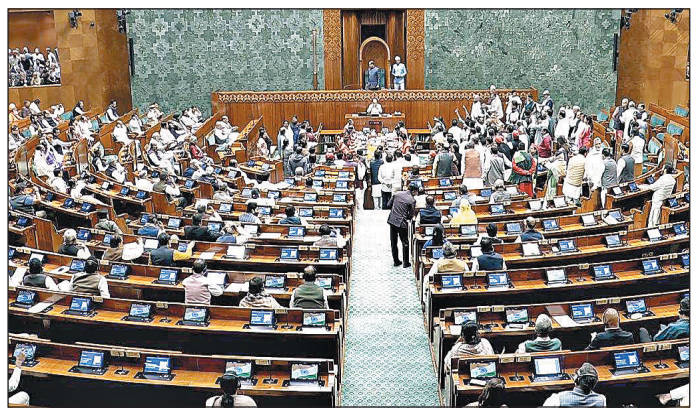

नेशनल सिक्योरिटी और पब्लिक हेल्थ पर होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए रिसोर्स बढ़ाने और इन मकसदों के लिए उन मशीनों या दूसरे प्रोसेस पर सेस लगाने के लिए है, जिनसे कुछ सामान बनाया या प्रोड्यूस किया जाता है और उससे जुड़े या उससे जुड़े मामलों के लिए है। इसके अलावा सीतारमण ने संसद के निचले सदन लोकसभा में सेंट्रल एक्साइज (अमेंडमेंट) बिल, 2025 पेश किया। ये विधयेक सेंट्रल एक्साइज एक्ट, 1944 में और बदलाव करेगा। इस तरह लोकसभा में पेश किए गए तीन विधेयकों में से ह्यमणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025ह्ल पारित हो गया है। केंद्र और राज्यों की वस्तुर एवं सेवा कर (जीएसटी) की सर्वोच्चब संस्थार 56वीं जीएसटी काउंसिल ने 5, 12, 18 और 28 फीसदी के टैक्सट स्लैब को मिलाकर 2, 5 और 18 फीसदी में लगभग 375 वस्तु8ओं पर जीएसटी रेट को सही करने का फैसला किया था। इसके अलावा अल्ट्रा-लग्ज2री चीजों पर 40 फीसदी रेट का प्रस्ताव दिया गया है। नए जीएसटी टैक्स रेट 22 सितंबर, 2025 को लागू किए गए हैं। इन चीजों और सेवाओं पर जीएसटी रेट में बदलाव को लागू करने के लिए राज्य के जीएसटी कानूनों में बदलाव करना जरूरी था।

संसद को पराजय-विजय का मंच न बनाएं राष्ट्रनिर्माण पर दें जोर : प्रधानमंत्री मोदी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के प्रारंभ से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे चुनावी परिणामों की निराशा या अहंकार को परे रखकर सदन को कामकाज और राष्ट्रहित की चर्चा का केन्द्र बनाएं। संसद के हंस द्वार पर मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सत्र शांतिपूर्ण, सार्थक और देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विश्व आज भारत के लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था के समन्वित विकास को गंभीरता से देख रहा है। भारत ने सिद्ध किया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था केवल वादों का मंच नहीं, बल्कि ठोस परिणाम देने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में देश जिस तीव्रता से आगे बढ़ रहा है, वह नई ऊर्जा और विश्वास पैदा करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष के हालिया रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा कि संसद को व्यक्तिगत हमलों, नारेबाजी और

राजनीतिक प्रदर्शन का अखाड़ा नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की गरिमा तभी बनी रहेगी जब नीतिगत मुद्दों पर तथ्यपरक चर्चा हो और जनहित को सर्वोपरि रखा जाए। प्रधानमंत्री ने कहा, यह सत्र पराजय की हताशा या विजय के अहंकार का मैदान नहीं बनना चाहिए, बल्कि राष्ट्रनीति और जनसरोकारों पर गंभीर विमर्श का अवसर बनना चाहिए।

विपक्ष को रणनीति बदलने की सलाह

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लगातार पराजय के कारण कुछ दल सदन में नकारात्मकता भर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह विपक्ष को सलाह देने के लिए भी तैयार हैं कि वे अपनी भूमिका कैसे अधिक प्रभावी बना सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि नकारात्मक राजनीति की सीमाएँ हैं और अंततः राष्ट्रनिर्माण के लिए सकारात्मक सोच आवश्यक है।

कुछ दलों ने संसद को राज्य-स्तरीय राजनीति का मंच बना दिया है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हाल के वर्षों में कुछ दलों ने संसद का उपयोग चुनावी तैयारियों और चुनावी हार की निराशा व्यक्त करने के मंच के रूप में किया है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रहे नेता जनता के बीच जाने के बजाय सदन के भीतर अपनी नाराजगी प्रकट कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए ठीक नहीं है।

नए सांसदों को अवसर दिलाने की अपील

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने पहली बार चुने गए सांसदों, युवा प्रतिनिधियों और छोटे दलों के सदस्यों के लिए चिंता प्रकट की। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी क्षमता दिखाने, अपने क्षेत्रों की समस्याएँ उठाने और राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि सदन को नए दृष्टिकोण और अनुभव से लाभान्वित होने देना ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति है।

बिहार चुनाव के बहाने विपक्ष पर हमला

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान ने लोकतंत्र को नई शक्ति दी है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र में नए विश्वास का संचार करती है। उन्होंने विपक्ष पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कुछ दल चुनावी पराजय को अब तक स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं और उनकी बयानबाजी में हताशा स्पष्ट दिखाई देती है।

संसद राष्ट्र के भविष्य की दिशा तय करने का मंच है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संसद को यह विचार करना चाहिए कि देश के हित में क्या किया जाना है और किस दिशा में आगे बढ़ना है। उन्होंने विपक्ष से अपेक्षा व्यक्त की कि वे मजबूत मुद्दे उठाकर अपनी जिम्मेदारी निभाएँ और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दें। प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य का समापन इस आशा के साथ किया कि शीतकालीन सत्र रचनात्मक चर्चा, गंभीर विमर्श और जनहितकारी कार्यों के लिए जाना जाएगा तथा सभी दल मिलकर विकसित भारत के संकल्प को मजबूती देंगे।

भारत फुटवियर क्षेत्र में बन रहा दुनिया की बड़ी ताकत: राष्ट्रपति

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत फुटवियर क्षेत्र में दुनिया की बड़ी ताकत बन रहा है। श्रीमती मुर्मू ने यह बात यहां फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) के दीक्षांत समारोह में कही। उन्होंने कहा कि भारत फुटवियर क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है और विश्व अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। श्रीमति मुर्मू ने कहा कि सरकार ने फुटवियर सेक्टर को 'चैंपियन सेक्टर' का दर्जा दिया है ताकि इस क्षेत्र में निवेश और विकास बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत फुटवियर विनिर्माण और खपत में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का फुटवियर निर्यात 2.5 अरब डॉलर से अधिक रहा, जबकि आयात लगभग 68 करोड़ डॉलर था। यानी भारत का निर्यात आयात से करीब चार गुना है। उन्होंने कहा कि निर्यात बढ़ाने के लिए फुटवियर व्यवसाय में और विस्तार की जरूरत है, जिससे युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के अवसर बढ़ेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने एफडीडीआई और यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थम्प्टन (यूके) के बीच हुए नए समझौते का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारतझ्रब्रिटेन मुक्त व्यापार के तहत सहयोग को आगे बढ़ाएगा। श्रीमति मुर्मू ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि फुटवियर डिजाइन सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि समाज की बेहतरी से जुड़ा काम है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे ऐसे डिजाइन तैयार करें जो लोगों की सेहत, आराम और जरूरतों को ध्यान में रखें। साथ ही रोजगार सृजन, आर्थिक विकास, भारत के निर्यात को मजबूत करने और वैश्विक बाजार में देश की छवि को ऊंचा उठाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि युवा डिजाइनर 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

डीआरआई ने सात माह में 3,000 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त किए

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) और कस्टम विभाग ने अप्रैल से अक्तूबर 2025 के बीच 3,029 किलो मादक पदार्थ जब्त किए हैं, जिनकी कीमत लगभग 3,365 करोड़ रुपये है। यह जानकारी सोमवार को लोकसभा में दी गई। सरकार द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, इसी अवधि में 461 मामलों में 260 किलो सोना भी जब्त किया गया, जिसकी कीमत 254 करोड़ रुपये से अधिक है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में 2022-23 से लेकर 2025-26 (अक्तूबर 2025 तक) के बीच एयरपोर्ट और पोर्ट पर हुई सोना और मादक पदार्थों की जब्ती का विवरण साझा किया। मंत्री चौधरी ने कहा कि कस्टम और डीआरआई लगातार निगरानी रखते हैं और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर सोना और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करते हैं।

बिजली की खपत नवंबर में घटकर 123.4 अरब यूनिट

नई दिल्ली। देश में बिजली की खपत नवंबर में मामूली 0.31 प्रतिशत घटकर 123.4 अरब यूनिट रह गई। यह एक साल पहले इसी महीने में 123.79 अरब यूनिट थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल अक्तूबर में बिजली की खपत सालाना आधार पर 5.8 प्रतिशत घटकर 131.07 अरब यूनिट रह गई थी। विशेषज्ञों ने कहा कि अक्तूबर में देश के विभिन्न भागों में बेमौसम बारिश हुई जिससे शीतलन उपकरणों की आवश्यकता कम हो गई और नवंबर में सर्दी शुरू होने के साथ ही इनका इस्तेमाल लगभग बंद हो गया।

वक्फ संपत्ति पंजीकरण करने की समय सीमा नहीं बढ़ी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'उम्मीद' पोर्टल पर ह्यवक्फ बाय यूजरह्ल सहित सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से संपर्क करें। पीठ ने कहा कि हमारा ध्यान धारा 3बी के प्रावधान की ओर आकर्षित किया गया है। चूंकि आवेदकों के पास न्यायाधिकरण के समक्ष उपाय उपलब्ध है इसलिए हम सभी आवेदनों का निपटारा करते हुए उन्हें छह महीने की अवधि की अंतिम तिथि तक न्यायाधिकरण का रुख करने की स्वतंत्रता देते हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के अलावा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी और कई अन्य ने सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया है।

मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली ही मजबूत सुरक्षा प्रणाली होती है: एस जयशंकर

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बायोलॉजिकल वेपन्स कन्वेंशन (बीडब्लूसी) के 50 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया की फार्मेसी के तौर पर जाना जाता है। लोगों की स्वास्थ्य और सुरक्षा अलग-अलग दुनिया लग सकती हैं। असल में, वे एक-दूसरे को मजबूत करते हैं। मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली ही मजबूत सुरक्षा प्रणाली होती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, ह्लहम बीडब्ल्यूसी की आधी सदी पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। जैसा कि डीआरडीओ के चेयरमैन ने कहा यह पहली ग्लोबल ट्रीटी है, जिसने मास डिस्ट्रक्शन के हथियारों की एक पूरी क्लास को गैर-कानूनी बना दिया। बीडब्ल्यूसी ने, अब से एक सदी पहले हुए जिनेवा प्रोटोकॉल पर आधारित, एक साफ नैतिक और कानूनी लाइन खींची कि बीमारी को कभी भी हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। जीव विज्ञान को शांति के लिए काम करना चाहिए, नुकसान को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। भले ही विज्ञान आगे बढ़ रहा है, बीडब्ल्यूसी लाइफ साइंसेज के क्षेत्र में खोज और गलत इस्तेमाल के बीच एक लाइन बना हुआ है, लेकिन हमें खुद से और दुनिया से एक मुश्किल सवाल पूछना चाहिए कि क्या यह नियम अगले 50 सालों तक मजबूत रहेगा? इसका जवाब इस बात पर निर्भर करता है कि हम अभी क्या फैसले लेते हैं। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा का माहौल और भी अनिश्चित हो गया है। विज्ञान और तकनीक में तेजी से हुए विकास की वजह से एडवांस्ड जैवतकनीकी उपकरण की उपलब्धता और वहनीयता बढ़ी है और सीक्वेंसिंग और सिंथेसिस की लागत में काफी कमी आई है। हाल की बीमारियों ने नीति बनाने वालों और अभ्यास करने वालों, दोनों के लिए सीखने का एक बड़ा मौका दिया है। इसमें इन बीमारियों में कोविड-19 महामारी भी शामिल है, जिसने हम सभी को प्रभावित किया है। इन नीतियों ने बीडब्ल्यूसी को लागू करने के मामले में सोचने के लिए नए सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि यह साफ है कि कोई जीव वैज्ञानिक खतरा चाहे प्राकृतिक हो, अचानक हो, या जानबूझकर हो, वह तेजी से बढ़ता है; वह सीमा को चुनौती देता है।

नगालैंड की परंपराएं भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करती हैं : शाह

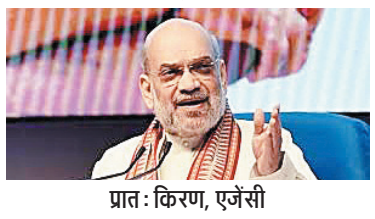

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नगालैंड के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि पूर्वोत्तर राज्य की जीवंत परंपराएं और वहां के लोगों की जुझारू भावना राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करती है। नगालैंड का गठन एक दिसंबर, 1963 को भारत के 16वें राज्य के रूप में किया गया था। तब से एक दिसंबर को प्रतिवर्ष नगालैंड राज्य स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। गृह मंत्री शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्यनगालैंड की बहनों और भाइयों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। राज्य की जीवंत परंपराएं और इसके लोगों की जुझारू भावना हमारे राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूती प्रदान करती है। कामना है कि नगालैंड शांति, प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़े।

मुद्दों की बात नहीं कर मोदी ने की 'ड्रामेबाजी की डिलीवरी' : खरगे

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि शीतकालीन सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री ने संसद के समक्ष मुख्य मुद्दों की बात करने के बजाय फिर से ड्रामेबाजी की है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अब ध्यान भटकाने का नाटक खत्म कर जनता के असली मुद्दों पर संसद में चर्चा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह संसद को चुनावी हार के बाद हताशा निकालने का मंच बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सत्र राजनीतिक रंगमंच न बने, बल्कि रचनात्मक और परिणामोन्मुखी

बहस का माध्यम बने। प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, शीतकालीन सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के समक्ष मुख्य मुद्दों की बात करने के बजाय फिर से ड्रामेबाजी की डिलीवरी की है। असलियत यह है कि संसदीय मयार्दा और संसदीय प्रणाली को पिछले 11 साल से सरकार ने लगातार कुचला है, उसकी लंबी फेहरिस्त है। उन्होंने कहा, पिछले मानसून सत्र में ही कम से कम 12 विधेयक जल्दबाजी में पारित कर दिए गए, कुछ 15 मिनट से भी कम समय में और कुछ बिना किसी चर्चा के। पूरे देश ने पहले भी देखा है किस तरह किसान विरोधी काले कानून, जीएसटी, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता जैसे विधेयक संसद में आनन-फानन में पारित कराए गए। उनका कहना था कि इसी संसद में जब मणिपुर का मुद्दा उठा, तो प्रधानमंत्री तब तक चुप रहे, जब तक विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया। खरगे ने कहा, एसआईआर की प्रक्रिया में काम के बोझ के कारण बीएलओ लगातार जान गंवा रहे हैं। विपक्ष, वोट चोरी सहित अन्य मुद्दों को प्राथमिकता देना चाहता है और संसद में हम इसे लगातार उठाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा को अब ध्यान भटकाने का नाटक खत्म करना चाहिए और जनता के असली मुद्दों पर संसद में चर्चा करनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, सच्चाई यही है कि आम आदमी बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक असमानता और देश के बहुमूल्य संसाधनों की लूट से जूझ रहा है और सत्ता में बैठे लोग, सत्ता के अहंकार में ड्रामेबाजी का खेल, खेल रहे हैं।

अब सीबीआई करेगी पूरे देश में डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच, सुप्रीम कोर्ट ने दिए निर्देश

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में तेजी से बढ़ते डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों पर गंभीर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। कोर्ट ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट स्कैम की जांच अब सीबीआई करेगी। यह जांच अन्य किसी स्कैम से अलग और प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने सीबीआई को मामलों की विस्तृत जांच का निर्देश दिया। साथ ही एजेंसी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसीए) के तहत बैंकरों की भूमिका की जांच करने की पूरी आजादी भी दी है, खासकर उन मामलों में जहां डिजिटल अरेस्ट स्कैम को अंजाम देने के लिए बैंक अकाउंट खोले गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर स्वतः संज्ञान लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को भी

पक्षकार बनाया है। कोर्ट ने आरबीआई से पूछा कि देश में ऐसे बैंक खातों की पहचान कर अपराध की कमाई को फ्रीज करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग कब लागू की जाएगी? बेंच ने कहा कि यह तकनीक लाखों लोगों को ठगने वाले डिजिटल अरेस्ट गिरोहों पर रोक लगाने में अहम भूमिका निभा सकती है। कोर्ट ने साफ कहा कि आईटी इंटरमीडियरी रूल्स 2021 के तहत सभी अथॉरिटीज सीबीआई को पूरा सहयोग देंगी। जिन राज्यों ने अभी तक सीबीआई को मंजूरी नहीं दी है, उन्हें भी आईटी एक्ट 2021 से जुड़े मामलों की जांच के लिए अनुमति देने का निर्देश दिया गया है ताकि सीबीआई पूरे देश में बड़े स्तर पर कार्रवाई कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सीबीआई इंटरपोल की मदद भी ले सकती है। डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फर्जी या एक ही पहचान पर कई सिम कार्ड जारी करने के मामलों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने टेलीकॉम विभाग को निर्देश दिया है कि वह एक विस्तृत प्रस्ताव दाखिल करे। इसका उद्देश्य टेलीकॉम कंपनियों को सख्त दिशानिर्देश जारी करना है ताकि सिम कार्ड का दुरुपयोग रोका जा सके और अपराधियों पर लगाम कसी जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी राज्य सरकारें तुरंत साइबर क्राइम सेंटर स्थापित करें। अगर किसी राज्य को इस प्रक्रिया में कोई दिक्कत आती है

प्रधानमंत्री ने राधाकृष्णन का स्वागत कर कहा- सामान्य परिवार से उपराष्ट्रपति पद तक का सफर लोकतंत्र की असली ताकत

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राज्यसभा में नव-निर्वाचित सभापति और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए उन्हें भारतीय लोकतंत्र की सशक्त मिसाल बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सामान्य पृष्ठभूमि से राजनीतिक और सामाजिक जीवन के लंबे संघर्षों के बाद उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचना लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति और उसकी समान अवसर देने की क्षमता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में कहा कि सभापति के रूप में सी.पी. राधाकृष्णन का सदन का नेतृत्व करना सभी सदस्यों के लिए गौरव का अवसर है। उन्होंने कहा, आपके मार्गदर्शन में देश को प्रगति की राह पर ले जाने के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा, निर्णय और आपकी अमूल्य दिशा-ये सब हम सभी के लिए बहुत बड़ा अवसर है। सदन की ओर से और व्यक्तिगत रूप से मैं आपको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सदन के सभी सदस्य उच्च सदन की गरिमा और सभापति के पद की मयार्दा को सदैव बनाए रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने राधाकृष्णन के सामाजिक और राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि वे एक किसान परिवार और अत्यंत सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं। समाज सेवा उनके जीवन की मूल भावना रही है और राजनीति उसमें एक पहलू मात्र रही। उन्होंने कहा कि युवावस्था से लेकर आज तक सभापति का समाज के प्रति समर्पण उन सभी के लिए प्रेरणा है जो सेवा कार्यों से जुड़े हैं। मोदी ने कहा, सामान्य परिवार और समाज से आपकी यात्रा यहां तक पहुंची है। यह हम सभी को मार्गदर्शन देती है और भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत को प्रकट करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राधाकृष्णन ने कभी आसान रास्ता नहीं चुना।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES.
THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA

FLY WINGS SIMULATORS

Scan this QR to view the RHP

FLYWINGS SIMULATOR TRAINING CENTRE LIMITED

Corporate Identification Number: U80903HR2011PLC101229

Our Company was originally incorporated on June 16, 2011, as a Private Limited Company in the name and style of "Flywings Simulator Training Centre Private Limited" under the provisions of the Companies Act, 1956 with the Registrar of Companies, Maharashtra Mumbai. Subsequently, the registered office of the company was shifted from Mumbai to Haryana, and a fresh Certificate of Incorporation was issued on February 09, 2022. Further, pursuant to a special resolution of our Shareholders passed in the Extra Ordinary General Meeting held on March 04, 2024, our Company was converted from a Private Limited Company to Public Limited Company and the name of our Company was changed to "Flywings Simulator Training Centre Limited" and a fresh Certificate of Incorporation consequent to conversion was issued on May 28, 2024 by the Registrar of Companies, Central Processing Centre bearing Corporate Identification Number U80903HR2011PLC101229. For details in relation to the incorporation, Change in Registered Office and other details, please refer to the chapter titled ***"Our History and Certain Other Corporate Matters"*** beginning on page 181 of the Red Herring Prospectus.

Registered Office: Ground Floor, Killa No. 13, Begampur, Khatola, Sector 35, Sadar Bazar, Gurgaon, Haryana, India- 122001 | **Telephone:** +91 73033 31098 | **E-mail:** info@fwstc.in | **Website:** www.fwstc.in.

Contact Person: Mr. Sandeep Kumar, Company Secretary and Compliance officer

PROMOTERS OF OUR COMPANY ARE MS. RUPAL SANJAY MANDAVIA AND MR. MITUL NATVARLAL MANDAVIA

THE OFFER

DETAILS OF OFFER TO PUBLIC AND PROMOTERS/SELLING SHAREHOLDERS

Type	Fresh Issue Size	OFS Size	Total Issue Size
Fresh Issue & Offer for Sale	Upto 25,12,800* Equity Shares of face value of ₹ 10.00 each amounting up to ₹ [●] Lakhs	Upto 4,74,000* Equity Shares of face value of ₹ 10.00 each amounting up to ₹ [●] Lakhs	Upto 29,86,800* Equity Shares of face value of ₹ 10.00 each amounting up to ₹ [●] Lakhs

Subject to finalization of basis of allotment

DETAILS OF THE OFFER FOR SALE, SELLING SHAREHOLDERS AND THEIR AVERAGE COST OF ACQUISITION:

Name	Type	No. of Shares Offered	Average Cost of Acquistion
Ms. Rupal Sanjay Mandavia	Selling Shareholder	Upto 4,74,000 Equity Shares aggregating upto ₹ [●] Lakhs	1.51

As certified by M/s. Jay Gupta and Associates, Chartered Accountants, pursuant to their certificate dated August 01, 2025.

PRICE BAND: ₹ 181.00 TO ₹ 191.00 PER EQUITY SHARE OF FACE VALUE OF ₹ 10.00 EACH

THE FLOOR PRICE IS 18.1 TIMES THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES AND THE CAP PRICE IS 19.1 TIMES THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES.
THE PRICE TO EARNING RATIO BASED ON BASIS & DILUTED EPS FOR FY 2024-25 AT THE FLOOR PRICE IS 12.68 TIMES AND AT THE CAP PRICE IS 13.38 TIMES.
BIDS CAN BE MADE FOR A MINIMUM OF TWO LOTS OF 600 EQUITY SHARES EACH AND IN MULTIPLES OF 600 EQUITY SHARES THEREAFTER.

ISSUE PROGRAMME	
	ANCHOR BID OPENS AND CLOSES ON: THURSDAY, DECEMBER 04, 2025
	ISSUE OPENS ON: FRIDAY, DECEMBER 05, 2025
	ISSUE CLOSES ON: TUESDAY, DECEMBER 09, 2025

Our Company is engaged in providing infrastructure facilities for aviation training, with a core focus on safety and emergency procedure (SEP) training for cabin and cockpit crew. Headquartered in Gurgaon, we offer a comprehensive portfolio of training modules designed to align with industry standards and regulatory expectations for airline personnel.

Our business model is primarily Business-to-Business (B2B), catering to a distinguished clientele comprising A-rated domestic scheduled airlines, select Indian non-scheduled operators, and regional international carriers. In addition, we operate a limited Business-to-Customer (B2C) vertical under which we offer non-certification training programs aimed at enhancing operational and interpersonal skills relevant to the aviation and hospitality industries.

"THE ISSUE IS BEING MADE THROUGH BOOK BUILDING PROCESS, IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AS AMMENDED FROM TIME TO TIME (SEBI ICDR REGULATIONS) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON EMERGE PLATFORM OF NATIONAL STOCK EXCHANGE LIMITED (NSE). THE DESIGNATED STOCK EXCHANGE SHALL BE NSE."

ALLOCATION OF THE ISSUE

QIB PORTION	NOT MORE THAN 50.00% OF THE NET ISSUE
INDIVIDUAL INVESTOR PORTION	NOT LESS THAN 35.00% OF THE NET ISSUE
NON-INSTITUTIONAL PORTION	NOT LESS THAN 15.00% OF THE NET ISSUE
MARKET MAKER PORTION	UPTO 1,49,400 EQUITY SHARES OR 5.00% OF THE ISSUE

IN MAKING AN INVESTMENT DECISION, POTENTIAL INVESTORS MUST ONLY RELY ON THE INFORMATION INCLUDED IN THE RED HERRING PROSPECTUS AND THE TERMS OF THE ISSUE, INCLUDING THE RISKS INVOLVED AND NOT RELY ON ANY OTHER EXTERNAL SOURCES OF INFORMATION ABOUT THE OFFER AVAILABLE IN ANY MANNER.

The price band is justified based on the qualitative factors, quantitative factors and KPIs disclosed in the chapter title *"Basis for offer Price"* beginning on page 109 of the Red Herring Prospectus.

RISKS TO INVESTORS

1. **Risk to Investors: Summary description of key risk factors based on materiality:**

1. A criminal proceeding has been initiated against our Group Company in which one of our Promoters is a former Director; any adverse outcome may impact our Company's reputation and operations
2. We are heavily reliant on our training facilities and equipments for cabin and cockpit crew training. Any malfunction or breakdown of such equipments may materially affect our operations, financial performance, and future growth prospects.
3. We are heavily reliant on training agreements with multiple Airlines. Many of our client agreements may be terminated with or without cause by providing notice and without termination-related penalties.
4. Our Company has a negative cash flow in its investing activities in financial year ending on March 31, 2025, 2024 and 2023 and in its Financing Activities in for the three months period ended June 30, 2025 and the financial year ended on March 31, 2023. Sustained negative cash flow could impact our growth and business.
5. Our directors of the company had been disqualified from the appointment as a Director for non-compliance with the provisions of Section 164 of The Companies Act 2013.

2. **Details of suitable ratios of the company and its peer group for the latest full financial year:**

Particulars	CMP*	EPS (₹)	PE Ratio	RONW (%)	NAV (₹)	Face Value (₹)	Revenue from Operations (₹ in Lakh)
Flywings Simulator Training Centre Limited**	[●]	14.27	[●]	34.75	50.92	10.00	2,021.05

** CMP for our Company is considered as Issue Price*
***Our Company does not have any listed peers.*

3. **Weighted average return on net worth for the last 3 FYs, and return on net worth:**

As per Restated Financial Statements

Period	RONW (%)	Weight
March 31, 2023	(414.82)	1
March 31, 2024	86.32	2
March 31, 2025	34.75	3
Weighted Average	**(22.99)**	
June 30, 2025 (Not Annualised)	3.47	

Note: *The RONW has been computed by dividing net profit after tax (as restated), by Net worth (as restated) as at the end of the year/period*

4. **Disclosures as per clause (9)(K)(4) of Part A to Schedule VI:**

a) **Primary Acquisition:**

There has been no issuance of Equity Shares, during the 18 months preceding the date of this Draft Red Herring Prospectus, where such issuance is equal to or more than 5% of the fully diluted paid-up share capital of the Company (calculated based on the pre-issue capital before such transaction(s) and excluding employee stock options granted but not vested), in a single transaction or multiple transactions combined together over a span of 30 days.

b) **Secondary Acquisition:**

There have been no secondary sale/acquisitions of Equity Shares, where the promoter, members of the promoter group or shareholder(s) having the right to nominate director(s) in the board of directors of the Company are a party to the transaction (excluding gifts), during the 18 months preceding the date of this certificate, where either acquisition or sale is equal to or more than 5% of the fully diluted paid up share capital of the Company (calculated based on the pre-issue capital before such transaction/s and excluding employee stock options granted but not vested), in a single transaction or multiple transactions combined together over a span of rolling 30 days.

c) **Last five Primary or Secondary Transactions:**

Since there are no transactions to report to under (a) & (b) therefore, information based on last 5 primary or secondary transactions (secondary transactions where Promoter/ Promoter Group entities or Selling shareholder or shareholder(s) having the right to nominate director(s) in the Board of our Company, are a party to the transaction) not older than 3 (three) years prior to the date of this Draft Red Herring Prospectus irrespective of the size of transactions is as follow:

Date of transfer	Name of transferor	Name of transferee	No. of Equity shares	Price Per Equity Share (₹)	Nature of transaction	Total Consideration (₹ in lakhs)
April 10, 2024	Mr. Sanjay Natvarlal Mandavia	Ms. Rupal Sanjay Mandavia	900	-	Gift	-
July 19, 2024	Ms. Rupal Sanjay Mandavia	Mr. Manas Chadha	30,858	162.00	Transfer	49.99
October 16, 2024	Ms. Rupal Sanjay Mandavia	Transfer to LC Venture Debt Fund	61,728	162.00	Transfer	100.00
Total			**93,486**			**149.99**

Date of Allotment	No. of equity shares	Price per equity shares	Nature of Transaction	Total Consideration (₹ in lakhs)
April 22, 2024	2,388	18,018.00	Preferential allotment	430.27
May 22, 2024	2,62,680	-	Bonus Issue	-
Total	**2,65,068**	**-**	**-**	**430.27**

No. of equity shares	Total Consideration (₹ in lakhs)	WACC
3,58,554	580.26	161.83

d) **Weighted average cost of acquisition, floor price and cap price:**

Types of transactions	Weighted average cost of acquisition (₹ per Equity Shares)	Floor price (i.e. ₹ 181.00)	Cap price (i.e. ₹ 191.00)
Weighted average cost of acquisition of primary issuance as per paragraph (a) above	N.A.	N.A.	N.A.
Weighted average cost of acquisition for secondary transaction as per paragraph (b) above	N.A.	N.A.	N.A.
Weighted average cost of acquisition for last five primary or secondary transaction as per paragraph (c) above	161.83	1.12 times	1.18 times

ADDITIONAL INFORMATION FOR INVESTORS

1. **Details of proposed /undertaken pre-issue placements from the DRHP filing date** - Our Company has not undertaken any Pre-IPO Placements from the DRHP filing date.
2. **Transaction of shares aggregating up to 1% or more of the paid-up equity share capital of the company by promoter(s) and promoter group(s) from the DRHP filing date** - Our promoter(s) and promoter group(s) have not undertaken any transaction of shares aggregating up to 1% or more of the paid-up equity share capital of the company from the DRHP filing date.
3. **Pre Issue Shareholding of Promoter / Promoter Group and Additional Top 10 Shareholders of the Company:**

Sr. No.	Shareholders	Pre-Issue shareholding as at the date of Advertisement[1]		Post-Issue shareholding as at Allotment[3]			
				At the lower end of the price band (₹ 181.00)		At the upper end of the price band (₹ 191.00)	
		No. of equity shares[2]	Share Holding (in %)[2]	No. of equity shares[2]	Share Holding (in %)[2]	No. of equity shares[2]	Share Holding (in %)[2]
Promoters							
1.	Ms. Rupal Sanjay Mandavia (Promoter and Selling Shareholder)	6,567,414	85.69	[●]	[●]	[●]	[●]
2.	Mr. Mitul Natvarlal Mandavia	NA	NA	[●]	[●]	[●]	[●]
Promoter Group							
3.	NA	NA	NA	[●]	[●]	[●]	[●]
Additional shareholders							
4.	Mr. Wasim Javid Dalal	1,85,037	2.41	[●]	[●]	[●]	[●]
5.	M/s. Viney Equity Market Llp	1,38,528	1.81	[●]	[●]	[●]	[●]
6.	Ms. Maryam Maqbool Dhoki	75,702	0.99	[●]	[●]	[●]	[●]
7.	Mr. Kapil Mahesh Kothari	75,702	0.99	[●]	[●]	[●]	[●]
8.	M/s. Bazz Commotrade Private Limited	63,270	0.83	[●]	[●]	[●]	[●]
9.	M/s. LC Venture Debt Fund	61,728	0.81	[●]	[●]	[●]	[●]
10.	Mr. Jyotivardhan Jaipuria	61,605	0.80	[●]	[●]	[●]	[●]
11.	Ms. Nandini Agarwal	50,394	0.66	[●]	[●]	[●]	[●]
12.	Ms. Mala	50,394	0.66	[●]	[●]	[●]	[●]
13.	M/s. Expertpro Realty Private Limited	40,182	0.52	[●]	[●]	[●]	[●]

(Continued next page...)

प्रदूषण के कई कारण, सिर्फ किसानों को नहीं ठहराया जा सकता है जिम्मेदार : सुप्रीम कोर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के लिए किसानों को जिम्मेदार ठहराने की प्रवृति पर सवाल उठाते हुए कहा कि राजधानी की जहरीली हवा के कई कारण हैं। शीर्ष अदालत ने कहा है कि कोरोना महामारी के दौरान भी पराली जलाई जा रही थी, तब भी हमारा आसमान नीला था, जितना पहले कभी नहीं था, ऐसे दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण के लिए किसानों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण को कम करने से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि पराली जलाने को लेकर चल रही बातें किसी के लिए भी राजनीतिक मुद्दा या अहं का विषय नहीं होना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि ह्यपहले यह देखना जरूरी है कि वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक पराली जलाने के अलावा सबसे अधिक किसकी वजह से प्रदूषण हो रही है? हम पराली जलाने पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते है। उन लोगों (किसानों) पर दोष मढ़ना बहुत आसान होता है, जिनका कोर्ट में शायद ही कोई प्रतिनिधित्व होता है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भी पराली जलाई गई थी, लेकिन लोगों को फिर भी साफ नीला आसमान दिख रहा था, अब क्यों नहीं दिख रहा है? पराली जलाने का मुद्दा बेवजह राजनीतिक मुद्दा या ईगो का मुद्दा विषय नहीं बनना चाहिए। अगर कोई किसान पराली जला रहा है, तो वह भी एक एसेट के लिए है, यह एक कमोडिटी है... ह्ल इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने ही कहा कि बहुत जल्द, हम एक सप्ताह के भीतर पराली जलाने के अलावा प्रदूषण के लिए दूसरी वजहों को रोकने के लिए प्रभावी तरीकों पर एक रिपोर्ट चाहते हैं। पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से वायु प्रदूषण के दूसरे कारकों के बारे में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। पीठ ने उनसे ये भी बताने के लिए कह है कि पराली जलाने के अलावा और कौन से कारण है जो वायु प्रदूषण को बढ़ाने में योगदान देते हैं। प्रदूषण से निपटने के कार्य योजना की समीक्षा करें और पता लगाए यह कारगर साबित हुआ या नहीं-सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से प्रदूषण को कम करने के लिए बनाए गए अपने कार्य योजना की समीक्षा करने को कहा है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार और दिल्ली एनसीआर में शामिल राज्यों वायु प्रदूषण को कम करने के लिए बनाए गए अपने कार्य योजना की समीक्षा करने को कहा है, ताकि यह देखा जा सके कि इससे कोई असरदार बदलाव आया है या नहीं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि ह्यआप अपने एक्शन योजना पर फिर से विचार क्यों नहीं करते ताकि आप खुद देख सकें कि इससे कोई असरदार बदलाव लाया है या नहीं? और अगर आया है तो क्या वे जरूरत से कम हैं? उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि यह देखना जरूरी है कि आपका कोई कार्ययोजना असरदार, बेअसर या कम असरदार साबित हुआ है या नहीं। इस बारे में आपकी हिचकिचाहट या भरोसे के बावजूद कि आप असरदार बदलाव ला पाएंगे या नहीं, क्या कार्य योजना पर फिर से विचार करना सही नहीं है? आपने अब तक जो कदम उठाए हैं, उनका मूल्यांकन करें। इस पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने शीर्ष अदालत को बताया कि पंजाब, हरियाणा और सीपीसीबी सहित सभी प्राधिकरणों की कार्रवाई रिपोर्ट दायर की जाएगी। उन्होंने पीठ से कहा कि सभी राज्यों के लिए लक्ष्य ह्यशून्य जलानाह्ल यानी पराली जलाने को पूरी तरह से खत्म करना था, जो हासिल नहीं हुआ है। हालांकि उन्होंने पीठ से कहा कि पराली जलाना केवल एक मौसमी कारक है। इस पर जस्टिस बागची ने निर्माण गतिविधि भी प्रदूषण का एक अन्य प्रमुख कारण बताते हुए सवाल किया कि ह्यनिर्माण प्रतिबंध को जमीन पर कितनी प्रभावी रूप से लागू किया गया है ह्ल इस पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जरनल भाटी ने पीठ से कहा कि सरकार के हलफनामे में वाहनों, निर्माण, धूल और पराली जलाने से होने वाले योगदान पर श्रेणीवार आंकड़े दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसके साथ ही, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के सदस्यों की विशेषज्ञता और पृष्ठभूमि के बारे में विस्तार से जानकारी देने को कहा है। मामले की सुनवाई अब 10 दिसंबर को होगी।

जंतर-मंतर पर दिव्यांगजनों की गूंज: पेंशन वृद्धि, रोजगार और अधिकारों को लेकर 25 सूत्रीय मांगपत्र के साथ विशाल प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी के जंतर-मंतर पर रविवार, 1 दिसंबर 2025 को देशभर से आए हजारों दिव्यांगजन एकजुट होकर अपने अधिकारों और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर सड़क पर उतर आए। एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसेबिलिटीज तथा विभिन्न दिव्यांग अधिकार संगठनों के नेतृत्व में हुए इस विशाल प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य लंबित 25 सूत्रीय मांगों पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना था। प्रदर्शनकारियों ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के पूर्ण क्रियान्वयन और कल्याणकारी योजनाओं में व्यापक सुधार की माँग करते हुए नारे लगाए-समान अधिकार, सम्मानजनक जीवन।

पेंशन वृद्धि को लेकर तीखा असंतोष

दिव्यांग प्रतिनिधियों ने अपने मांगपत्र में आर्थिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ह्यइंदिरा गाँधी राष्ट्रीय विकलांगता पेंशनह्ल में व्यापक वृद्धि की माँग रखी। वर्तमान में मात्र 300 रुपये प्रतिमाह मिलने वाली पेंशन को अपमानजनक बताते हुए इसे न्यूनतम 6,000 रुपये प्रतिमाह निर्धारित करने की माँग की गई। साथ ही राज्यों द्वारा दी जाने वाली अतिरिक्त सहायता राशि को एकीकृत कर पेंशन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सम्मानजनक बनाने पर जोर दिया गया।

प्रशासनिक सुधार और एकीकृत पहचान दस्तावेज की माँग

प्रदर्शनकारी संगठनों ने प्रशासनिक अव्यवस्थाओं पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने माँग की कि यूडीआईडी (अद्वितीय दिव्यांग पहचान दस्तावेज) को ही एकमात्र मान्य प्रमाण माना जाए और इसी के आधार पर अंत्योदय राशन कार्ड, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग प्रमाणपत्र, आयुष्मान स्वास्थ्य सुरक्षा तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ स्वतः प्रदान किया जाए। इसके अतिरिक्त केंद्र और राज्यों में पूर्ण अधिकारयुक्त दिव्यांगता आयोग गठित कर जिला स्तर तक शिकायत निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने की माँग उठाई गई।

शिक्षा और रोजगार में अवसरों की बहाली पर जोर

रोजगार के मोर्चे पर दिव्यांग प्रतिनिधियों ने सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए 2017 से पहले की 3 प्रतिशत तथा उसके बाद की 4 प्रतिशत आरक्षित रिक्तियों की गणना कर विशेष भर्ती अभियान चलाने की माँग की। शिक्षा के क्षेत्र में 18 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करने, उच्च शिक्षण संस्थानों में पाँच प्रतिशत सीटों पर मुक्त प्रवेश और शुल्क में आधी छूट प्रदान करने की माँग भी प्रमुख रही।

राजनीतिक प्रतिनिधित्व और आवासीय सुरक्षा की माँग

दिव्यांगजनों ने लोकतांत्रिक ढाँचे में अपनी भागीदारी को सुदृढ़ बनाने के लिए लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभाओं और स्थानीय निकायों में चार प्रतिशत आरक्षण की माँग को दोहराया। साथ ही प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजनाओं में पाँच प्रतिशत अनिवार्य आरक्षण सुनिश्चित करने तथा भूमिहीन दिव्यांगजन परिवारों को न्यूनतम पाँच डिसमिल भूमि आवंटित करने का प्रस्ताव भी रखा गया।

सुगम्यता और सार्वजनिक सुरक्षा पर जोर

सार्वजनिक स्थानों को सुगम बनाने के लिए दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम की धारा 40 से 46 तक का कठोर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की माँग भी जोरदार रही।

इंडियन पिकलबॉल लीग का मुख्यमंमत्री ने किया उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सोमवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित इंडियन पिकलबॉल लीग (आईपीबीएल) के भव्य उद्घाटन समारोह में शामिल हुईं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि यह अनूठी पहल देश में नए खेलों को बढ़ावा देने, युवाओं में खेल संस्कृति का विस्तार करने और खिलाड़ियों को बड़े मंच से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यइंडियन पिकलबॉल लीगह्ल न सिर्फ एक प्रतियोगिता है, बल्कि यह भारत के उभरते खेल इकोसिस्टम को और अधिक गतिशील एवं सशक्त बनाएगी। यह लीग युवाओं के लिए बेहतर अवसर है। ऐसे आयोजनों से नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पहचान, प्रोत्साहन और प्रगति का मार्ग मिलेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने खेलों को भारत की नई राष्ट्रीय संस्कृति और युवा ऊर्जा का प्रतीक बना दिया है। उनके सतत मार्गदर्शन से भारतीय स्पोर्ट्स इकोसिस्टम पहले से कहीं अधिक मजबूत और जीवंत हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत हमेशा से खेलों का देश रहा है और नए खेलों को अपनाने की परंपरा हमारी संस्कृति का हिस्सा है। इस लीग को हमारी सरकार दिल्ली के स्कूलों, खेल आयोजनों और युवा कार्यक्रमों में भी जोड़ेंगे, ताकि यह खेल सभी के लिए एक रोमांचक और लोकप्रिय खेल बन सके। मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। क्या है पिकलबॉल पिकलबॉल एक पैडल खेल है जिसमें टेनिस, बैडमिंटन और पिंग-पोंग के तत्वों का मिश्रण होता है। इसे बैडमिंटन के आकार के कोर्ट पर एक प्लास्टिक की गेंद और ठोस पैडल (रैकेट के समान) के साथ खेला जाता है।

विद्या शक्ति मिशन के तहत दिल्ली सरकार मेधावी छात्रों को दे रही निःशुल्क कोचिंग

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले मेधावी छात्रों के सपनों को नई उड़ान देने के लिए महमाना पंडित मदन मोहन मालवीय विद्या शक्ति मिशन की शुरूआत की है। इस महत्वाकांक्षी पहल के अंतर्गत, 2,200 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पूरी तरह से निःशुल्क पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। 21 करोड़ की लागत वाली यह योजना न केवल छात्रों को शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाएगी, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और भावनात्मक मजबूती भी विकसित करेगी। प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं पर ध्यान शिक्षा निदेशालय के अनुसार, इस मिशन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को इंजीनियरिंग (संयुक्त प्रवेश परीक्षा), चिकित्सा (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा), विधि (संयुक्त विधि प्रवेश परीक्षा), चार्टर्ड अकाउंटेंसी और स्नातक स्तरीय संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इसे दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में एक परिवर्तनकारी कदम बताया, जो हर प्रतिभाशाली छात्र को समान अवसर प्रदान करेगा। प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा प्रशिक्षण और छात्राओं हेतु आरक्षण इस योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए सरकार ने आकाश, नारायण अकादमी और केडी कैंपस जैसे देश के अग्रणी कोचिंग संस्थानों के साथ अनुबंध किया है। ये संस्थान विद्यालय समय के बाद और सप्ताहांत में विशेष कक्षाएं आयोजित करेंगे। छात्रों को नियमित कक्षाओं के साथ-साथ अध्ययन सामग्री, अभ्यास परीक्षाएं और अन्य आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस योजना में लैंगिक समानता सुनिश्चित करते हुए कुल सीटों में से 50 प्रतिशत सीटें विशेष रूप से छात्राओं के लिए आरक्षित की गई हैं।

(Continued from previous page...)

Notes:

1) *There are no Promoter Group shareholders as on the date of Red Herring Prospectus.*
2) *Includes all options that have been exercised until date of prospectus and any transfers of equity shares by existing shareholders after the date of the pre-issue and price band advertisement until date of prospectus.*
3) *Based on the Offer Price of ₹ [●] and subject to finalisation of Basis of Allotment*

BASIS OF OFFER PRICE

The ***"Basis for Offer Price"*** on page 109 of the offer document has been updated with the above price band. You may scan the QR code given on the first page of this Advertisement for the chapter titled ***"Basis for Offer Price"*** on page109 of the Red Herring Prospectus.

INDICATIVE TIMELINES FOR THE ISSUE

Sequence of Activities	Listing within T+3 days (T is Issue Closing Date)
Application Submission by Investors	Electronic Applications (Online ASBA through 3-in-1 accounts) – **Upto 5 pm on T Day.** Electronic Applications (Bank ASBA through Online channels like Internet Banking, Mobile Banking and Syndicate UPI ASBA etc.) – **Upto 4 pm on T Day.** Electronic Applications (Syndicate Non-Individual, Non-Individual Applications) **– Upto 3 pm on T Day.** Physical Applications (Bank ASBA) – **Upto 1 pm on T Day.** Physical Applications (Syndicate Non-Individual, Non- Individual Applications of QIBs and NIIs) – **Upto 12 pm on T Day** and Syndicate members shall transfer such applications to banks **before 1 pm on T Day**
Bid Modification	From Issue opening date up to **5 pm on T Day**
Validation of bid details with depositories	From Issue opening date up to **5 pm on T Day**
Reconciliation of UPI mandate transactions (Based on the guidelines issued by NPCI from time to time): Among Stock Exchanges – Sponsor Banks – NPCI and NPCI – PSPs/TPAPs** – Issuer Banks. Reporting formats of bid information, UPI analysis report and compliance timelines.	On Daily basis Merchant Bankers to submit to SEBI, sought as and when.
UPI Mandate acceptance time	**Upto 5 pm T Day**
Issue Closure	**T day – 4 pm** for QIB and NII categories **T day – 5 pm** for Individual Investor and other reserved categories
Third party check on UPI applications	On a daily basis and to be completed before **9:30 AM on T+1 day.**
Third party check on Non-UPI applications	On a daily basis and to be completed before **1 pm on T+1 day.**
Submission of final certificates: **- For UPI from Sponsor Bank** **- For Bank ASBA, from all SCSBs** **- For syndicate ASBA**	 UPI ASBA – **Before 9:30 pm on T Day.** All SCSBs for Direct ASBA – **Before 07:30 pm on T Day** Syndicate ASBA - **Before 1 pm on T Day**
Finalization of rejections and completion of basis	Before **6 pm on T+1 day.**
Approval of basis by Stock Exchange	Before **9 pm on T+1 day.**
Issuance of fund transfer instructions in separate files for debit and unblock. For Bank ASBA and Online ASBA – To all SCSBs **For UPI ASBA – To Sponsor Bank**	Initiation not later than **9:30 am on T+2 day.** Completion before **2 pm on T+2 day for fund transfer.** Completion before **4 pm on T+2 day for unblocking.**
Corporate action execution for credit of shares	Initiation before **2 pm on T+2 day** Completion before **6 pm on T+2 day**
Filing of listing application with Stock Exchanges and issuance of trading notice	**Before 7:30 pm on T+2 day**
Publish allotment advertisement	On website of Issuer, Merchant Banker and RTI - **Before 9 pm on T+2 day.** In newspapers – **On T+3 day** but not later than **T+4 day**
Trading starts	**T+3 day**

**Pursuant to NSE Circular no. 07/2025 dated June 18, 2025, bidding for all categories shall close at 4:00 PM & UPI mandate end time and date shall be at 5:00pm IST on Bid/Offer Closing Date i.e. December 09, 2025.*

CONTENTS OF THE MEMORANDUM OF ASSOCIATION OF THE COMPANY AS REGARDS ITS OBJECTS: For information on the main objects of the company, please see the section ***"Our History and Certain Corporate Matters"*** on page 181 of the Red Herring Prospectus. The Memorandum of Association of the company is a material document for inspection in relation to the issue. For further details, please see the section titled ***"Material Contracts and Documents for Inspection"*** on page 353 of the Red Herring Prospectus.

LIABILITY OF THE MEMBERS OF THE COMPANY: Limited by shares.

AMOUNT OF SHARE CAPITAL OF THE COMPANY AND CAPITAL STRUCTURE: The authorized share capital of the Company is ₹ 12,00,00,000, divided into 1,20,00,000 Equity Shares of ₹ 10/ each. The issued, subscribed and paid-up share capital of the Company before the Issue is ₹ 7,66,43,280 divided into 76,64,328 Equity Shares of ₹ 10/ each. For details of the Capital Structure, see ***"Capital Structure"*** on the page 88 of the Red Herring Prospectus.

NAMES OF THE SIGNATORIES TO THE MEMORANDUM OF ASSOCIATION OF THE COMPANY AND THE NUMBER OF EQUITY SHARES SUBSCRIBED BY THEM :

ORIGINAL SIGNATORIES			CURRENT PROMOTERS		
Name of Promoters	Face Value (₹)	No. of Shares	Name of Promoters	Face Value (₹)	No. of Shares
Mrs. Rupal Sanjay Mandavia	10.00	5000	Mrs. Rupal Sanjay Mandavia	10.00	65,67,414
Mr. Jyotsana Ramesh Chandra Chaudhary	10.00	5000	Mr. Mitul Natvarlal Mandavia	10.00	Nil

LISTING: The Equity Shares issued through the Red Herring Prospectus are proposed to be listed on the Emerge Platform of NSE ("NSE SME"). Our Company has received an "In-principle" approval from the NSE for the listing of the Equity Shares pursuant to letter dated October 23, 2025. For the purposes of the Issue, the Designated Stock Exchange shall be NSE. A signed copy of the Red Herring Prospectus has been submitted for registration to the ROC on November 29, 2025 and Prospectus shall be filed with the RoC in accordance with Section 26(4) of the Companies Act, 2013.

DISCLAIMER CLAUSE OF SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA ("SEBI"): "SEBI only gives its observations on the draft offer document, and this does not constitute approval of either the issue or the specified securities stated in the offer document.

DISCLAIMER CLAUSE OF NSE (THE DESIGNATED STOCK EXCHANGE): It is to be distinctly understood that the permission given by NSE should not in any way be deemed or construed that the Offer Document has been cleared or approved by NSE, nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the Offer Document. The investors are advised to refer to the Offer Document for the full text of the ***"Disclaimer Clause of NSE"*** beginning on page 262 of the Red Herring Prospectus.

GENERAL RISK: Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this Issue unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this offering. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue, including the risks involved. The Equity Shares offered in the Issue have neither been recommended nor approved by Securities and Exchange Board of India nor does Securities and Exchange Board of India guarantee the accuracy or adequacy of this Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the section titled ***"Risk Factors"*** on page 39 of the Red Herring Prospectus.

BOOK RUNNING LEAD MANAGERS TO THE ISSUE		REGISTRAR TO THE ISSUE
SOBHAGYA CAPITAL OPTIONS PVT. LTD. A SEBI Registered Merchant Banking Company **SOBHAGYA CAPITAL OPTIONS PRIVATE LIMITED** **Address:** C-7&7A, Hosiery Complex, Phase-II Extension, Noida-201305, Uttar Pradesh **Contact Person:** Ms. Menka Jha / Mr. Rishabh Singhvi **Contact No.:** 99203 91+ 79029 **E-mail:** cs@sobhagyacap.com **Website:** www.sobhagyacapital.com **SEBI Registration No.:** MB/INM000008571 **CIN:** U74899DL1994PTC060089	GRETEX **GRETEX CORPORATE SERVICES LIMITED** **Address:** A-401, Floor 4th, Plot FP-616, (PT), Naman Midtown, Senapati Bapat Marg, Near Indiabulls, Dadar (W), Delisle Road, Mumbai-400013, Maharashtra, India **Contact Person:** Mr. Pradip Agarwal **Contact No.:** +91 93319 26937 **Email:** info@gretexgroup.com **Website:** www.gretexcorporate.com **SEBI Registration No:** INM000012177 **CIN:** L74999MH2008PLC288128	**BIGSHARE SERVICES PRIVATE LIMITED** **Address:** S6-2, 6th Pinnacle Business Park, Mahakali Caves Road, next to Ahura Centre, Andheri East, Mumbai- 400093, Maharashtra, India. **Contact Person:** Mr. Babu Rapheal C. **Contact No.:** +91 22 6263 8200 **Email:** ipo@bigshareonline.com **Website:** www.bigshareonline.com **SEBI Registration No.:** INR000001385 **CIN:** U99999MH1994PTC076534

COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER

FLY WINGS SIMULATORS

Mr. Sandeep Kumar
Address: Ground Floor, Killa No. 13, Begampur Khatola, Sector 35, Gurgaon, Sadar Bazar Haryana, India, 122001.
Tel: +91 73033 31098 | **Email:** cs@fwstc.in | **Website:** www.fwstc.in

Investors can contact the Company Secretary and Compliance Officer or the Registrar to the Issue in case of any pre-issue or post issue related grievances, grievances including non-receipt of letters of allotment, non-credit of allotted equity shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders or non-receipt of funds by electronic mode, etc. For all issue related queries and for redressal of complaints, investors may also write to the BRLMs.

Availability of Red Herring Prospectus: Investors are advised to refer to the Red Herring Prospectus and the Risk Factors contained therein, before applying in the issue. Full copy of the Red Herring Prospectus will be available at the website of SEBI at www.sebi.gov.in; the website of Stock Exchange at www.nseindia.com, the website of BRLMS at www.sobhagyacapital.com and www.gretexcorporate.com and website of Company at www.fwstc.in.

Availability of Bid-Cum-Application forms: Bid-Cum-Application forms can be obtained from the Company: Flywings Simulator Training Centre Limited, Book Running Lead Managers: Sobhagya Capital Options Private Limited and Gretex Corporate Services Limited. Application Forms can also be obtained from the Stock Exchange and list of SCSBs available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in and website of Stock Exchange at www.nseindia.com.

Application Supported by Blocked Amount (ASBA): All investors in this issue have to compulsorily apply through ASBA. The investors are required to fill the ASBA form and submit the same to their banks. The SCSB will block the amount in the account as per the authority contained in ASBA form. On allotment, amount will be unblocked, and account will be debited only to the extent required to be paid for allotment of shares. Hence, there will be no need of refund.

SYNDICATE MEMBER: Gretex Share Broking Limited

SUB- SYNDICATE MEMBERS: Not Applicable

BANKERS TO THE ISSUE / SPONSOR BANK: Indusind Bank Limited

UPI: UPI Bidders can also bid through UPI mechanism.

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the RHP.

For FLYWINGS SIMULATOR TRAINING CENTRE LIMITED
Sd/-
MS. RUPAL SANJAY MANDAVIA
Designation: Managing Director and CFO
DIN: 02275347

Date: December 01, 2025
Place: Gurgaon

FLYWINGS SIMULATOR TRAINING CENTRE LIMITED is proposing, subject to market conditions and other considerations, public issue of its Equity Shares and has filed the Red Herring Prospectus with the Registrar of Companies, Delhi on November 29, 2025. The Red Herring Prospectus is available on the website of the Book Running Lead Managers at www.sobhagyacapital.com and www.gretexcorporate.com and the website of the NSE i.e., www.nseindia.com, and website of the Company at www.fwstc.in.

Investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk. For details, investors should refer to and rely on the Red Herring Prospectus, including the section titled *"Risk Factors"* of the Red Herring Prospectus, which has been filed with ROC. The Equity Shares have not been and will not be registered under the US Securities Act ("the Securities Act") or any state securities laws in United States and may not be issued or sold within the United States or to, or for the account or benefit of, "U.S, persons" (as defined in Regulations under the securities Act), except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act of 1933.

AdBaaz

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 02 दिसंबर, 2025

संजय सिंह ने एसआईआर के नाम पर हो रहे घोटाले और बीएलओ की मौतों के मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा के लिए दिया नोटिस

काम का बोझ, मानसिक तनाव व निलंबन के डर से मात्र 19 दिनों में एसआईआर कर रहे 16 बीएलओ की मौत हो चुकी है

- एसआईआर में मौजूदा मतदाताओं से नए दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, जिसे जुटा पाना एक आम आदमी के लिए बहुत मुश्किल है

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने देश भर में एसआईआर के नाम पर हो रहे घोटाले और लगातार हो रही बीएलओ की मौतों के मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा की मांग को लेकर सोमवार को नोटिस दिया है। उन्होंने कहा है कि काम का बोझ, मानसिक तनाव व निलंबन के डर से मात्र 19 दिनों में एसआईआर कर रहे 16 बीएलओ की मौत हो चुकी है। एसआईआर में मौजूदा मतदाताओं से नए दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, जिसे जुटा पाना एक आम आदमी के लिए बहुत मुश्किल है। इन कमियों को बिना सुधारे 12 राज्यों में एसआईआर कराने की जल्दबाजी ने बड़े पैमाने पर लोगों का मताधिकार छिनने का खतरा बढ़ा दिया है। उन्होंने राज्यसभा से अपील की है कि एसआईआर पर तत्काल रोक लगाकर मतदाता सूची बहाल की जाए और चुनाव आयोग की जवाबदेही तय की जाए। संजय सिंह ने राज्यसभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमों के नियम 267 (नियमों के निलंबन हेतु प्रस्ताव की सूचना) के अंतर्गत यह नोटिस दिया है। इसमें मनमाने तरीके से मतदाताओं के वोट काटने, बीएलओ की मौतें, मताधिकार से वंचित करने के खतरे और अनुच्छेद 14, 21 और 326 पर गंभीर संकट के संबंध में सदन में चर्चा की मांग की गई है। उन्होंने नोटिस में कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने चुनावी निष्पक्षता पर एक देशव्यापी संकट खड़ा कर दिया है। यह प्रक्रिया, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को अपडेट और शुद्ध करना था, इसके उलट बड़े पैमाने पर मनमाने ढंग से नाम काटने, प्रक्रिया के घोर उल्लंघन और व्यापक मानवीय पीड़ा का कारण बन गई है। इसने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। संजय सिंह ने कहा है कि एसआईआर की वजह से बिहार में अभूतपूर्व और अनुचित तरीके से नाम हटाए गए हैं, जहां बिना किसी उचित सत्यापन के 65 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए। कई विधानसभा क्षेत्रों में हटाए गए नामों की संख्या पिछले जीत के अंतर से भी अधिक है। यह प्रवासियों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों को लक्षित करके उन्हें मताधिकार से वंचित करने की आशंका को जन्म देता है। अपील करने के किसी सार्थक तंत्र का न होना और नाम हटाने की अपारदर्शी प्रक्रिया, उचित प्रक्रिया और पारदर्शिता की पूर्ण विफलता को दर्शाती है। संजय सिंह ने बताया कि एसआईआर ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) पर असहनीय दबाव पैदा कर दिया है, जिससे एक मानवीय संकट खड़ा हो गया है। महज 19 दिनों के भीतर (नवंबर 2025 के अंत तक), कम से कम 16 बीएलओ की मौत हो चुकी है, जिसमें आत्महत्याएं भी शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, इसका कारण अमानवीय काम का बोझ, मानसिक तनाव, रातों की नींद हराम होना, फील्ड में असुरक्षित हालात और काम के प्रदर्शन (रैंकिंग) को लेकर दंडात्मक कार्रवाई का डर है। बार-बार ऐप का फेल होना, अवास्तविक लक्ष्य और निलंबन की धमकियों ने जमीनी स्तर के कर्मचारियों को खतरनाक कामकाजी माहौल में धकेल दिया है। संजय सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा लागू की गई समय-सीमा मनमानी और अव्यावहारिक है। एसआईआर के दूसरे चरण में सत्यापन का काम 4 दिसंबर 2025 तक पूरा करना है, यानी घर-घर जाकर जांच, फॉर्म प्रोसेसिंग और डिजिटाइजेशन के लिए मुश्किल से एक महीने का समय दिया गया है। जबकि 2003 में चुनाव आयोग ने मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम छह से आठ महीनों (लगभग 243 दिन) में किया था, जिससे सत्यापन, सुधार और जांच के लिए पर्याप्त समय मिला था। इसके ठीक विपरीत, 2025 का एसआईआर घर-घर सत्यापन, दस्तावेजों की जांच और अंतिम सूची के प्रकाशन सहित पूरी प्रक्रिया को महज 97 दिनों में समेट रहा है। संजय सिंह ने कहा कि 2003 के दिशानिर्देश मौजूदा मतदाता सूची और वोटर आईडी कार्ड को प्राथमिक सबूत मानते थे और यह मानकर चलते थे कि पंजीकृत मतदाता वैध हैं। 2025 का एसआईआर इस सिद्धांत को पलटते हुए मौजूदा मतदाताओं से भी नए दस्तावेज मांग रहा है, जिसे जुटाना एक आम नागरिक के लिए मुश्किल है। संजय सिंह ने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी एसआईआर द्वारा थोपे गए दस्तावेजों के बोझ पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

दिल्ली-एनसीआर में हल्की हवा से मिली मामूली राहत फिर भी एक्यूआई खतरनाक स्तर पर

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हल्की हवा चलने से मामूली राहत मिली है, लेकिन हालात अब भी बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई बहुत खराब से गंभीर श्रेणी के बीच बना हुआ है। इससे सांस से जुड़ी समस्याओं वाले लोगों के साथ-साथ स्वस्थ व्यक्तियों को भी परेशानी का खतरा बढ़ गया है। ग्रेटर नोएडा में दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार एक्यूआई 292 रहा, जो खराब श्रेणी में आता है। यहां नॉलेज पार्क-क्क्क में 261 और नॉलेज पार्क-श में 323 का स्तर रिकॉर्ड किया गया। स्वास्थ्य प्रभाव सूचना में स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि ऐसी हवा लंबे समय तक सांस लेने में असुविधा और श्वसन संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकती है। गाजियाबाद में भी स्थिति बेहतर नहीं दिखी। इंदिरापुरम में 284, संजय नगर में 273, वसुंधरा में 276 और लोनी में एक्यूआई 360 दर्ज हुआ, जिसे ह्यगंभीरह्व श्रेणी में माना जाता है। वहीं नोएडा में भी प्रदूषण का स्तर काफी खतरनाक रहा। सेक्टर-125 में 355, सेक्टर-1 में 320 और सेक्टर-116 में 332 का एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली के प्रमुख मॉनिटरिंग स्टेशनों से प्राप्त आंकड़े स्थिति को और गंभीर बनाते हैं। पूसा, आरके पुरम, रोहिणी, शादीपुर और वजीरपुर जैसे क्षेत्रों में एक्यूआई 320 के आसपास से 345 तक रिकॉर्ड किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक हानिकारक माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस स्तर के प्रदूषण में बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा या हृदय रोग से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उधर मौसम विभाग के अनुसार तापमान में भी बदलाव देखने को मिलेगा। दिसंबर के पहले सप्ताह के पूर्वानुमान के मुताबिक न्यूनतम तापमान लगभग 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास स्थिर रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से घटकर 22 डिग्री सेल्सियस तक आने की संभावना है। ऐसे में फिलहाल रातों की अपेक्षा दिन के तापमान में गिरावट होगी और दिन में भी लोगों को ठंड का अधिक एहसास हो सकता है। हवा की रफ्तार बढ़ने के कारण प्रदूषण में हल्की कमी हो सकती है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार अगले कुछ दिनों तक एक्यूआई में बड़े सुधार की संभावना कम ही है। ऐसे में चिकित्सकों ने लोगों को आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है, जिसमें मास्क पहनकर बाहर निकलना, सुबह की वॉक या आउटडोर एक्सरसाइज से परहेज करना, घर की खिड़कियों में एयर फिल्टर का प्रयोग और पानी अधिक मात्रा में पीना शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

चोरी की गाड़ियों का चेसिस बदलकर बेचने वाले दो धरे

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली जिला पुलिस की एएटीएस टीम ने चोरी की गाड़ी का चेसिस बदलकर राजस्थान और हरियाणा में बेचने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों अनीस अहमद और सुनील की निशानदेही पर पुलिस ने दो गाड़ी बरामद की है। आरोपी सुनील उर्फ बंटी गाड़ी चोरी कर अनीस अहमद को देता था। इसके बाद गाड़ी का चेसिस बदलकर आगे बेच दिया जाता था। अनीस अहमद ढिचाऊं कला गांव में अपना वर्कशॉप चलाता है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एएटीएस टीम के एसआई गजेंद्र माथुर को सूचना मिली थी कि चोरी की गाड़ी बेचने के लिए गुरुग्राम सेक्टर-26 में बातचीत होने वाली है। इस सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर मुकेश कुमार मीणा की टीम ने 29 नवंबर को सुनील उर्फ बंटी को दबोच लिया। पूछताछ में सुनील ने बताया कि उसने गत दिनों विकासपुरी और बेगमपुर से दो वाहन चोरी कर अनीस को दिए थे। इन गाड़ियों के चेसिस न्यू फ्रेंड्स ऑटोमोबाइल्स, दिचाऊं रोड, शिव एन्क्लेव स्थित अनीस की वर्कशॉप में बदले जाते हैं और इसके बाद उसे राजस्थान और हरियाणा में बेच दिया जाता है। पुलिस ने वर्कशॉप पर छापा मारकर अनीस को गिरफ्तार कर लिया।

क्रिकेट मैच पर सट्टा लगा रहे दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने ऑस्ट्रेलियन वूमेंस क्रिकेट लीग मैच पर सट्टा लगा रहे दो दोस्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कई लोगों का पैसा मैच पर लगा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों गौरव उर्फ मोनू और हिमांशु के पास से दो एलईडी, छह मोबाइल, एक लैपटॉप और एक रिकॉर्डर जब्त किया है। इनकी गिरफ्तारी बुढेला गांव स्थित जनता फ्लैट्स से की गई।

दिल्ली नगर निगम के 188 कर्मचारी सेवानिवृत्त, सम्मान समारोह में दी गई शुभकामनाएँ

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के 188 कर्मचारी रविवार को सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर सिविक सेंटर मुख्यालय स्थित सभागार में एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) शीट और अवकाश नकदीकरण के चेक प्रदान किए गए। इसी प्रकार, निगम के सभी जोनों में भी अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन कर कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों के दीघार्यु, स्वास्थ्य और सुखद भविष्य की कामना की गई। सम्मान स्वरूप उन्हें पौधे भेंट किए गए, जिन्हें अच्छे जीवन और हरियाली का प्रतीक बताया गया। निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने कर्मचारियों की सेवाओं को सराहा और उनके योगदान को दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली के लिए महत्वपूर्ण बताया। अधिकारियों ने कहा कि निगम के विकास में इन कर्मचारियों की भूमिका प्रेरणादायक रही है, और उनकी निष्ठा तथा परिश्रम को सदैव याद रखा जाएगा। समारोह में निगम के अनेक वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे और उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

शाहदरा : डीएवी स्कूल गांधी नगर में आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाई गई गीता जयंती

- छात्रों ने गीता श्लोकों के वाचन से बांधा समा

प्रात : किरण/मनोज जैन

शाहदरा। गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र स्थित डीएवी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय क्रमांक – गांधी नगर, दिल्ली-31 में 1 दिसंबर 2025 को गीता जयंती का पावन पर्व श्रद्धा, उत्साह और पूर्ण गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान श्रीकृष्ण के पवित्र उपदेश मन्मना भव मद्भक्तो के सामूहिक उच्चारण से हुई, जिसने पूरे विद्यालय परिसर को आध्यात्मिक वातावरण से भर दिया। गीता जयंती वही पावन तिथि है जब भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र में अर्जुन को धर्म, कर्तव्य और जीवन के सत्य का ज्ञान प्रदान किया था। कार्यक्रम के दौरान हिंदी प्रवक्ता श्री आशुतोष जी ने गीता जयंती के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह उत्सव मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष एकादशी को मनाया जाता है और जीवन में नैतिकता, निष्ठा तथा आत्मज्ञान को अपनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भगवद् गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मनुष्य को सही दिशा दिखाने वाली कालजयी शिक्षाओं का भंडार है। बच्चों को निष्काम कर्म, भक्ति और धर्म के मार्ग का सार समझाते हुए उन्होंने गीता के जीवनोपयोगी संदेशों का विस्तार किया। विद्यालय के 11वीं कक्षा कॉमर्स के छात्र आयुष और आर्यन ने श्रीमद् भगवद् गीता के चयनित श्लोकों का सस्वर वाचन कर सभी का मन मोह लिया। उनकी स्पष्ट, भावपूर्ण और आध्यात्मिक प्रस्तुति ने कार्यक्रम को और भी अधिक प्रभावशाली बना दिया। छात्रों की आवाजों से सभागार में भक्ति और शांति का अद्भुत माहौल बना, जिसे शिक्षकों व अन्य छात्रों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य श्री लखीराम ने अपने संबोधन में कहा कि भगवद् गीता मनुष्य को सत्य, अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का मार्ग दिखाती है। उन्होंने बताया कि गीता के 700 श्लोक जीवन के हर पहलू का मार्गदर्शन करते हैं और व्यक्ति को अहंकार से मुक्त होकर समाजहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। आचार्य सतीश शर्मा ने ह्यमुक्त संघों अहंवादीह्व शब्द की व्याख्या करते हुए समझाया कि गीता मनुष्य को अहंकार से मुक्त होकर कर्मयोग की राह अपनाने को प्रेरित करती है। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन आचार्य आशुतोष ने किया। गीता जयंती के अवसर पर विद्यालय परिसर दिनभर आध्यात्मिक ऊर्जा और ज्ञानमय वातावरण से भरा रहा। सभी छात्रों एवं शिक्षकों ने गीता के उपदेशों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया और कार्यक्रम अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पुलिस ने इंटरस्टेट साइबर फ्रॉड सिंडिकेट का किया भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को एक इंटरस्टेट साइबर फ्रॉड सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया और नौकरी ढूंढने वालों को विदेश में नौकरी का लालच देकर ठगने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तारी के साथ क्राइम से जुड़े मोबाइल फोन, लैपटॉप और कैश भी बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान गुजरात निवासी केतन दीपक कुमार, पश्चिम बंगाल के संजीब मंडल और गुरुग्राम निवासी बैंक अधिकारी रवि कुमार मिश्रा के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से छह मोबाइल फोन, दो लैपटॉप और 50 हजार रुपए नकद भी बरामद किए हैं। यह मामला एके सहाय की शिकायत के बाद शुरू हुआ, जिनकी कोविड-19 महामारी के दौरान नौकरी चली गई थी और वे विदेश में काम ढूंढ रहे थे। उन्हें ह्यफ्लाईअब्रॉड 6ह्व नाम के एक ग्रुप से एक व्हाट्सएप मैसेज मिला, जिसमें एक व्यक्ति ने खुद को कंपनी का सलाहकार और ग्रुप एडमिन आदेस श्रीवास्तव बताकर न्यूजीलैंड में शेफ या कुक की नौकरी का ऑफर दिया था। इसके बाद भरोसा दिलाने के लिए आरोपी ने नकली वीजा, नौकरी नियुक्ति पत्र सहित कई दस्तावेज देकर 1.80 लाख रुपए कर जमा करा लिए थे, जिसके बाद आरोपी गायब हो गए। पुलिस ने बताया कि कंपनी और दस्तावेज की जांच करने पर नियुक्ति पत्र और टिकट समेत सभी दस्तावेज नकली पाए गए। शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू हुई। इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक की देखरेख और एसीपी विजय पाल तोमर के ओवरऑल गाइडेंस में एसआई अमित कुमार, हेड कांस्टेबल संजय, सोनू कुमार और सचिन की एक स्पेशल टीम बनाई गई। टीम ने जांच में पाया कि ठगी गई रकम पहले यश बैंक के एक अकाउंट में जमा की गई और बाद में इसको छिपाने के लिए दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर कर दी गई। जांच में अकाउंट होल्डर्स का पता गुरुग्राम और लोकेशन गुजरात के आनंद जिले में मिली। पुलिस ने पहले आरोपी दीपक कुमार को 9 नवंबर को ऋषिकेश, उत्तराखंड से गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ के बाद 13 नवंबर को कोलकाता से दूसरे आरोपी संजीब मंडल को गिरफ्तार किया गया। साथ ही तीसरे आरोपी को गुरुग्राम में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, तीनों ने मिलकर पीड़ितों को फर्जी नौकरी के ऑफर का लालच दिया था।

बारह वार्डों के लिए 10 स्थानों पर कल होगी मतगणना

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। निगम के 12 वार्डों में हुए मतदान के नतीजे बुधवार को आएंगे। इन 12 वार्डों के लिए दिल्ली के 10 स्थानों पर सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतगणना प्रक्रिया को पारदर्शिता से पूरा कराने के लिए व्यापक तैयारियां कर ली हैं। अधिकारियों के मुताबिक, 580 बूथों पर 30 नवंबर को हुए मतदान के बाद देर शाम सभी ईवीएम को स्ट्रांग रूम में रख दिया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने ईवीएम की सुरक्षा और निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ-साथ बड़ी संख्या में पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों को तैनात किया है। सुरक्षाबल 24 घंटे ईवीएम की निगरानी में तैनात हैं। स्ट्रांग रूम के भीतर और बाहर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को कंट्रोल रूम से लिंक किया गया है। निर्वाचन आयोग के मुख्यालय से अधिकारी भी इनकी निगरानी कर रहे हैं। स्ट्रांग रूम और इसके परिसर में किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के प्रवेश पर रोक है और सभी आवागमन की सूची बनाई जा रही है।

प्रदूषण-सड़क पर गड्ढा करने से पहले नियमों का करना होगा पालन

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अब सड़क पर खुदाई से पहले दस नियमों का ध्यान रखना होगा। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने रोड कटिंग के लिए दस सूत्रीय मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की है। इसमें सड़क की खुदाई से होने वाले धूल नियंत्रण के उपायों को शामिल किया गया है। दिल्ली में प्रदूषण के मुख्य कारकों में धूल को शामिल किया जाता है। खासतौर पर सड़कों पर उड़ने वाली धूल लोगों की सेहत से खिलवाड़ करती है। सड़क किनारे जमा होने वाली यह धूल वाहनों के पहिए के साथ लिपटकर उड़ती है। वाहनों से होने वाले उत्सर्जन के चलते इसके साथ रासायनिक कण जुड़ जाते हैं और प्रदूषक कणों का निर्माण होता है। इसीलिए सड़कों पर उड़ने वाली धूल की रोकथाम के लिए तमाम प्रयास किए जाते हैं। इस क्रम में डीपीसीसी ने सड़क पर होने वाली खुदाई के लिए दस सूत्रीय एसओपी जारी की है। इसमें कहा गया है कि 18 मीटर से ज्यादा चौड़ाई वाली सड़कों पर खुदाई के लिए दो मीटर ऊंची धूल नियंत्रण दीवार लगानी होगी, ताकि धूल को फैलने से रोका जा सके। इसके साथ ही मिट्टी या निर्माण सामग्री को ढक कर रखा जाना चाहिए। इसके खुले हुए हिस्से को पानी से गीला होना चाहिए। वाहनों से निर्माण एवं ध्वस्तीकरण सामग्री को लाते-ले जाते समय उसे पूरी तरह से ढका जाना चाहिए। फुटपाथ और सड़कों पर धूल नियंत्रण के अन्य उपायों को लागू किया जाना चाहिए।

पाकिस्तानी गैंगस्टर से छह माह पहले जुड़े थे संदिग्ध आतंकी

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। देश के तीन राज्यों में ग्रेनेड हमले की साजिश का भंडाफोड़ करने वाली दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस के हत्थे चढ़े पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित तीनों संदिग्ध छह महीने पहले ही पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में आए थे। वही इनका हैंडलर और साजिश का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। वह एक ऐसा आतंकी मॉड्यूल तैयार कर रहा था, जिसमें युवाओं को बरगला कर भारत में हमले कराए जा सकें। पुलिस को पकड़े गए तीनों संदिग्धों के दो और साथियों की तलाश है। पुलिस के मुताबिक, तीनों संदिग्धों से मिले डिवाइस की जांच में यह पता चला कि ये पिछले छह महीने से भट्टी के संपर्क में थे। इनके बीच हुई बातचीत के चैट भी मिले हैं। इसी के आधार पर पुलिस जांच को आगे बढ़ा रही है। खास बात यह है कि इस मॉड्यूल में गैंगस्टर नेटवर्क से जुड़े लोगों को अपने झांसे में लेने का प्रयास किया जाता था, ताकि आसानी से वारदातों को अंजाम दिलाया जा सके। इसके अलावा विरोधी गुट के गैंगस्टर को निपटाने में भी आसानी हो सके। एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्स से देता था निर्देश मामले की जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके गुर्गे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का सहारा लेकर भारतीय युवाओं को झांसे में लेकर अपने मॉड्यूल से जोड़ते थे। इसके बाद रुपयों का लालच देकर छोटे-मोटे आपराधिक काम कराते थे। जब इनपर भारतीय युवाओं को यह विश्वास हो जाता था कि ये काम के बदले में उनकी आर्थिक मदद करेंगे, तो वे मॉड्यूल का हिस्सा बनकर काम करने लगते थे। इसके लिए भट्टी एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्स के जरिए उन्हें निर्देश देता था। स्लीपर सेल नेटवर्क से मुहैया कराते थे रकम जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ है कि भट्टी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के स्लीपर सेल नेटवर्क के जरिये अपने मॉड्यूल से जुड़ रहे युवाओं को रकम मुहैया कराता था। पुलिस अब आईएसआई से जुड़े हवाला के स्लीपर सेल के नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। मॉड्यूल से पंजाब के कुछ गैंगस्टर भी जुड़े उधर, अब तक की जांच के आधार पर यह बात भी सामने आई है कि भट्टी मॉड्यूल से पंजाब में सक्रिय कुछ गैंगस्टर भी जुड़े हैं। ये भट्टी के निर्देश पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करते हैं। अब तक की पूछताछ में पंजाब के जिन गैंगस्टरों के भट्टी गैंग से जुड़े होने का खुलासा हुआ है, उनकी जानकारी पंजाब पुलिस से साझा की गई है। वहीं दिल्ली, यूपी और पंजाब में कुछ जगहों पर मॉड्यूल से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

हवा की रफ्तार कम होते ही बढ़ने लगा प्रदूषण

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। हवा की रफ्तार कम होने के साथ ही दिल्ली का प्रदूषण एक बार फिर से अति खराब श्रेणी में पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 दर्ज किया गया। अगले तीन-चार दिनों में दिल्ली के लोगों को प्रदूषित हवा से राहत मिलने के आसार नहीं है। राजधानी में इस बार मानसून के समय सामान्य से ज्यादा अच्छी बारिश हुई थी। इसके चलते जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर में वायु गुणवत्ता भी खासी साफ-सुथरी रही थी, लेकिन 14 अक्तूबर के बाद से लोगों को प्रदूषित हवा में सांस लेना पड़ रहा है। बीते दो दिनों में हवा की रफ्तार बढ़ने से प्रदूषण के स्तर में हल्का सुधार हुआ था और वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में आ गई थी, लेकिन एक दिन बाद ही दिल्ली की हवा अति खराब श्रेणी में पहुंच गई है। सीपीसीबी के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 304 अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को अति खराब श्रेणी में रखा जाता है। रविवार को यह सूचकांक 279 के अंक पर रहा था। मानकों से ढाई गुना ज्यादा प्रदूषण हवा में पीएम 10 का स्तर 100 से और पीएम 2.5 का स्तर 60 से ज्यादा होने पर उसे स्वास्थ्यकारी नहीं माना जाता है। सीपीसीबी के मुताबिक, सोमवार को दिन में दो बजे दिल्ली-एनसीआर की हवा में पीएम 10 का स्तर 259 और पीएम 2.5 का स्तर 140 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। यानी दिल्ली-एनसीआर की हवा में प्रदूषक कणों का स्तर मानकों से ढाई गुना ज्यादा है।

नौकरी के नाम पर ठगी करने वाला बैंक कर्मी अपने साथियों के साथ गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली में साइबर थाना पुलिस ने निजी बैंक के असिस्टेंट मैनेजर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये युवाओं को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। आरोपियों केतन दीपक कुमार, संजीब मंडल और रवि कुमार मिश्रा के पास से दो लैपटॉप, छह मोबाइल और 50 हजार रुपये नकदी बरामद हुई है। केतन दीपक कुमार बीटेक ड्रॉपआउट है और उसने कंप्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा किया है। संजीब मंडल दून बिजनेस स्कूल से एमबीए स्नातक है और रवि कुमार बीएससी स्नातक है। रवि एक निजी बैंक में असिस्टेंट मैनेजर है। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि पीड़ित एके सहाय ने अपने साथ हुई ठगी की शिकायत साइबर थाना पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि कोरोना के दौरान उनकी नौकरी चली गई थी। इसके बाद वह विदेश में नौकरी ढूंढ रहे थे। एक दिन उनके पास फ्लाईबोर्ड 6 नाम के ग्रुप से व्हाट्सऐप मैसेज मिला। मैसेज पर एडुटेक कंसल्टेंट और ग्रुप एडमिन आदीस श्रीवास्तव ने पीड़ित से विदेश में नौकरी दिलाने का वादा किया। आरोपियों ने पीड़ित को न्यूजीलैंड में शेफ की नौकरी के बारे में बताया और उसकी सैलरी 2.80 लाख बताई गई। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित को विश्वास में लेने के लिए फर्जी वीजा प्रतियां और फर्म पंजीकरण पत्र साझा किए। पीड़ित ने आरोपियों को 1.80 लाख रुपये दे दिए। इसके बाद आरोपियों ने उसका फोन उठाना बंद कर दिया। तीन राज्यों में बैठकर करते थे ठगी पुलिस टीम ने व्हाट्सऐप नंबरों और रुपये के लेन-देन का विश्लेषण किया तो पाया कि आरोपी अलग-अलग राज्यों में बैठे हुए थे। टेक्निकल ट्रेल से पता चला कि आरोपियों ने पहले रुपये यस बैंक के एक म्यूल अकाउंट में जमा किए फिर इसके बाद दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर कर लिया।

डीडीए के पुस्तकालय में छात्र कर रहे आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के आरंभ पुस्तकालय में कई छात्र आवेदन कर रहे हैं। इसमें छात्रों को निशुल्क वाई-फाई सुविधा, सुरक्षित लॉकर, एनसीईआरटी की किताबें उपलब्ध हैं। डीडीए अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष अब तक ओल्ड राजेंद्र नगर, दक्षिणी दिल्ली के अधचिनी गांव, द्वारका सेक्टर-16बी, रोहिणी सेक्टर-11 के जी ब्लॉक में आरंभ पुस्तकालय शुरू किए गए हैं। डीडीए सामुदायिक केंद्रों को पुस्तकालय में परिवर्तित किया गया है। यह पुस्तकालय 24 घंटे उपलब्ध है। प्रत्येक पुस्तकालय में 60 छात्रों के एक बार में बैठने की सुविधा प्रदान की गई है।

बुजुर्ग से रुपये लूटने पर तीन लोग गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी में एक बुजुर्ग से 3.5 लाख रुपये लूटने के आरोप में एक गिरोह के तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस गिरोह के सदस्य ग्राहक बनकर बैंक में अपने शिकार की पहचान कर लेते थे। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तरी) हरेश्वर स्वामी ने बताया कि 27 नवंबर को जब यह बुजुर्ग एक बैंक की बुराड़ी शाखा से 3.5 लाख रुपये निकालकर जा रहे थे तब दो मोटरसाइकिल पर सवार पांच लोग उनके पीछे लग गये तथा बवाना-नरेला इलाके में एक सुनसान जगह पर उन्हें रोककर उनके पैसे लूट लिए। इस घटना के सिलसिले में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला तथा मोबाइल रिकॉर्ड और निगरानी के आधार पर जांच की। पुलिस ने बताया कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनकी पहचान पूर्व गोकलपुरी के करण (21), मंडोली एक्सटेंशन के सचिन (22) और उत्तर प्रदेश के चांदीनगर के आकाश (24) के तौर पर हुई है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान तीनों ने कथित तौर पर बताया कि लूट की योजना दो फरार साथियों -मास्टरमाइंड लवली और मोहन उर्फ गांधी -के साथ मिलकर बनाई गई थी। लवली और गांधी अब भी फरार हैं। जांचकर्ताओं को जांच के दौरान पता चला कि गिरोह के सदस्य बैंक के अंदर ग्राहक बनकर संभावित शिकार की पहचान करते थे। पुलिस ने कहा कि दो लोग बैंक के अंदर बुजुर्ग के पीछे लगे रहे ताकि यह पक्का हो सके कि उनके पास बड़ी रकम नकद है, फिर गिरोह ने उनका पीछा किया और एक सुनसान जगह पर उनपर हमला किया। पुलिस ने गिरफ्तार किये गये लोगों से 58000 रुपये बरामद किये हैं। उसे करण और सचिन के घरों से क्रमशः 6,000 रुपये और 22,000 रुपये मिले तथा एक स्थानीय साहूकार के पास से 30,000 रुपये बरामद किए। करण ने कर्ज चुकाने के नाम पर यह रकम साहूकार को दी थी। जुर्म में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है। आरोपी ने कथित रूप से पुलिस को बताया कि चोरी की रकम सभी पांच सदस्यों में बांट ली गई थी, जिसमें से 58,000 रुपये मोहन को और 57,000 रुपये लवली को दिए गए थे। पुलिस ने कहा कि फरार संदिग्धों का पता लगाने की नकदी बरामद करने और दूसरी मोटरसाइकिल का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

पुलिस अधिकारी-कर्मचारी कभी भी देख सकते हैं अपनी सेवा पुस्तिका

● भोपाल, प्रात : किरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश के एक लाख से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारी की सेवा पुस्तिकाओं की स्कैनिंग कर एचआरएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड की जा रही है, जिससे कि पुलिस अधिकारी कर्मचारी अपनी सेवा पुस्तिका को आवश्यकतानुसार कभी भी देख सकते हैं। इसमें शासकीय सेवा से संबंधित सभी प्रकार की कार्य विधि आनलाइन उपलब्ध हो जाएगी, जिससे उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना की इस पहल का प्रदेश के सभी कर्मचारियों-अधिकारियों में हर्ष है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी कर्मचारियों-अधिकारियों की सेवा पुस्तिका को वर्तमान समय तक के लिए अपटूडेट कर स्कैनिंग कर ली गई है। इस एचआरएमएस पोर्टल के प्रथम पृष्ठ पर यूनिट आईडी होगी जिसमें इस नौ अंकों की कोषालय का कोड है, उसे स्पष्ट रूप से अनिवार्यता के रूप में लिखा गया है। लैमिनेटेड सीट पर मार्कर पेन से यूनिक आईडी अंकित की गई है, जिससे कि स्पष्ट रूप से दिखाई दे। इसके अलावा सेवा पुस्तिका के सभी पेजों की पृष्ठ संख्या भी इसमें दर्ज की गई है जिससे कि किसी भी अधिकारी-कर्मचारी की किसी भी प्रकार की जानकारी क्रमबद्ध तरीके से उसे देखा जा सके।

पीडीएफ फाइल में किया गया है सेव

प्रथम पृष्ठ पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के व्यक्तिगत जानकारी को दर्ज किया गया है। इसी प्रकार इन्हें जिस प्रकार से इनाम और सजा जिन-जिन पेजों पर अंकित की गई है उन्हें भी रिवार्ड या पनिशमेंट के रूप में दर्ज किया गया है। सेवा पुस्तिका के पीछे लगे हुए विभिन्न दस्तावेजों को भी स्कैनिंग कर उसमें अंकित किया गया है। कर्मचारी-अधिकारी के दस्तावेजों को सर्वप्रथम उसकी यूनिक आइडी नौ अंकों की एवं कर्मचारियों के नाम से ड्राइव बनाकर इसका एक फोल्डर बनाया गया है जिसमें उसकी सेवा पुस्तिका को स्कैनिंग कर पीडीएफ फाइल में सेव किया गया है।

यह रहेगा इंडेक्स

ऑनलाइन सेवा पुस्तिका में जिस प्रकार से इंडेक्स सर्विस बुक का बनाया गया है उसमें सबसे पहले व्यक्तिगत जानकारी, फिर प्रथम पद स्थापना, ट्रांसफर एवं पोस्टिंग, प्रतिनियुक्ति यदि हुई है तो उसकी जानकारी, शिक्षा, अन्य योग्यता, प्रशिक्षण, अभिविन्यास विवरण, पारिवारिक विवरण, कर्मचारी का नामांकन, बैंकिंग, पदोन्नति, क्रमोन्नत, वेतन निर्धारण विवरण, पुरस्कार एवं दंड, विभागीय जांच, ऋण एवं ब्याज, वसूलिया, विविध अन्य, सर्विस बुक आडिटए, सीआर, फोटो एवं सूचना अंक पेज रहेगा।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र में पेश होंगे दो महत्वपूर्ण विधेयक

1497 प्रश्नों से सरकार की घेराबंदी

● भोपाल, प्रात : किरण संवाददाता।

मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया है। 5 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में कुल चार बैठकें होंगी। सत्र के दौरान विधायकों ने कुल 1497 प्रश्न पूछे हैं। इनमें 907 सवाल ऑनलाइन और 590 सवाल ऑफलाइन भेजे गए हैं। सभी विभागों ने अपने जवाब विधानसभा को भेज दिए हैं। वहीं सरकार इस सत्र में दो बड़े कानून नगरपालिका अधिनियम में बदलाव और दुकान-संस्थान (शॉप एंड एस्टाब्लिशमेंट) संशोधन विधेयक 2025 में बदलाव का प्रस्ताव ला रही है। इन दोनों प्रस्तावों को कैबिनेट मंजूरी दे चुकी है। विधानसभा से मंजूरी मिलते ही ये कानून बन जाएंगे और पूरे प्रदेश में लागू होंगे।

कामगारों-दुकानदारों को मिलेगा साप्ताहिक अवकाश

नपाध्यक्षों का काम ठीक नहीं तो जनता ही हटा सकेगी

सरकार नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्ष के चुनाव में बड़ा बदलाव करने जा रही है। अब तक पार्षद अध्यक्ष चुनते थे, लेकिन संशोधन के बाद अध्यक्ष को जनता सीधे चुनेगी। इसके साथ ही, राइट टू रिकॉल की व्यवस्था भी लागू होगी। यानी जनता यदि अध्यक्ष के काम से नाखुश हों तो वोट देकर उन्हें हटा भी सकेगी। यह व्यवस्था निकाय कार्यप्रणाली को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाएगी। मध्यप्रदेश सरकार ने व्यापार और दुकानों से जुड़े महत्वपूर्ण बदलावों को मंजूरी दी है। पिछले हफ्ते हुई कैबिनेट की बैठक में दुकान एवं स्थापना (द्वितीय संशोधन) विधेयक 2025 को स्वीकृति दी गई थी। अब रजिस्ट्रेशन की पूरी प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल होगी। साथ ही, दुकान एवं प्रतिष्ठान अधिनियम में संशोधन के तहत दुकानदारों और कामगारों को सप्ताह में एक दिन अनिवार्य अवकाश देना जरूरी होगा।

दुकान के लिए लाइसेंस फीस 5 हजार रु.

सरकार दुकान एवं प्रतिष्ठान एक्ट में भी महत्वपूर्ण बदलाव ला रही है। दुकानदार व कामगारों के लिए सप्ताह में एक अनिवार्य अवकाश देना होगा। दुकान खोलने के गुमास्ता लाइसेंस लेने की प्रक्रिया सख्त होगी। लाइसेंस फीस बढ़ेगी। अभी फीस 100 से 500 रु. है। इसे 5,000 रु. किया जा रहा है। बड़ी दुकान, होटल (जो इनकम टैक्स दायरे में आते हैं) से ज्यादा फीस लेंगे। प्रदेश के सभी दुकानदारों और कामगारों को सप्ताह में एक दिन अनिवार्य अवकाश देना होगा। यह नियम सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर लागू होगा। दुकान खोलने और संचालन के लिए लाइसेंस की प्रक्रिया भी सरल बनाई जाएगी। सरकार का तर्क है कि यह व्यवस्था कामगारों के स्वास्थ्य, बेहतर कार्य वातावरण और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।

रजिस्ट्रेशन अब केवल ऑनलाइन पोर्टल से

सरकार ने दुकान एवं स्थापना अधिनियम 1958 को आधुनिक जरूरतों के अनुरूप डिजिटल रूप में बदल दिया है। अब सभी दुकानों, प्रतिष्ठानों, होटलों, रेस्टोरेंटों और व्यवसायिक इकाइयों का रजिस्ट्रेशन केवल ऑनलाइन पोर्टल से होगा। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सेल्फ-सर्टिफिकेशन आधारित होगी। कागजी प्रमाणपत्र के स्थान पर डिजिटल रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। दुकान/प्रतिष्ठान शुरू होने के 30 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा। डिजिटल सर्टिफिकेट को प्रतिष्ठान में प्रमुख स्थान पर डिस्प्ले करना जरूरी होगा। 20 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में बिना श्रम आयुक्त की अनुमति के निरीक्षण नहीं हो सकेगा।

मप्र में 2020 से खाली है विधानसभा उपाध्यक्ष का पद

मप्र विधानसभा का एक और सत्र बगैर उपाध्यक्ष के शुरू

● भोपाल, प्रात : किरण संवाददाता।

मप्र विधानसभा में 2020 से उपाध्यक्ष का पद खाली है। यह पद विपक्ष को देने की परंपरा रही है, लेकिन 2020 में हुए दलबदल के बाद से यह पद खाली है। 16वीं विधानसभा के तहत आज से शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है। इसके साथ ही यह चर्चा भी शुरू हो गई है कि मप्र विधानसभा का एक और सत्र बगैर उपाध्यक्ष के आहूत होगा। पिछले साढ़े पांच साल से विधानसभा उपाध्यक्ष का पद रिक्त है। जबकि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 178 में प्रदेश विधान सभाओं में स्पीकर सहित डिप्टी स्पीकर के पद का उल्लेख है।

ऐसे टूटती गई परंपरा

दरअसल, मप्र में विधानसभा उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को देने की परंपरा रही है, लेकिन तत्कालीन कमलनाथ सरकार में यह परिपाटी टूट गई थी।15वीं विधानसभा के गठन के बाद अध्यक्ष के निर्वाचन के समय भाजपा ने परंपरा को तोड़ते हुए अपना उम्मीदवार मैदान में उतार दिया था। इसके बाद से ही उपाध्यक्ष को लेकर भी दोनों पार्टियों के बीच विवाद की स्थिति बन गई थी। इसके पहले अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव आपसी सहमति से निर्विरोध कर लिया जाता था। जहां अध्यक्ष का पद सत्ता पक्ष के पास रहता था, तो वहीं उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दे दिया जाता था। लेकिन 2018 में कांग्रेस ने जब अध्यक्ष पद के लिए एनपी प्रजापति का नाम सामने किया था, तो भाजपा ने जगदीश देवड़ा को मैदान में उतार दिया। हालांकि देवड़ा चुनाव हार गए थे। इसके बाद कांग्रेस ने उपाध्यक्ष का पद भी विपक्ष को नहीं दिया। कमलनाथ सरकार ने विधानसभा उपाध्यक्ष का पद अपने पास रखते हुए तत्कालीन विधायक हिना कांवरे को विधानसभा उपाध्यक्ष बनाया था।

दरअसल, मप्र में 2018 में कांग्रेस की सरकार बनने पर कमलनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद विपक्ष को पद नहीं दिया गया था। कांग्रेस विधायक हिना कांवरे को विधानसभा का उपाध्यक्ष बनाया गया था। 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद बनी शिवराज सरकार में भाजपा ने कांग्रेस को उपाध्यक्ष का पद नहीं दिया। इसके बाद से अब तक विधानसभा उपाध्यक्ष का पद खाली ही है। मप्र विधानसभा का एक और सत्र बगैर उपाध्यक्ष के आहूत होने जा रहा है। पिछले साढ़े पांच साल से विधानसभा उपाध्यक्ष का पद रिक्त है। इस दरमियान शिवराज सरकार का चौथा कार्यकाल पूरा हो गया और मोहन सरकार को सत्ता में आए दो साल होने को हैं, लेकिन विधानसभा उपाध्यक्ष के पद के लिए निर्वाचन नहीं हुआ है। बड़ा सवाल यह है कि नया विधानसभा उपाध्यक्ष क्यों नहीं बनाया जा रहा है? मप्र विधानसभा में अब तक 18 उपाध्यक्ष रहे हैं। विष्णु विनायक सरवटे मप्र विधानसभा के पहले उपाध्यक्ष थे। उनका कार्यकाल 24 दिसंबर, 1956 से 5 मार्च, 1957 तक था। भाजपा के पास 22 साल (वर्ष 2003 से) से विस उपाध्यक्ष का पद नहीं है। ईश्वरदास रोहाणी भाजपा के अंतिम विस उपाध्यक्ष थे। उनका कार्यकाल 1999 से 2003 तक था। उनके बाद हजारीलाल रघुवंशी, हरवंश सिंह, डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह और हिना कांवरे (सभी कांग्रेसी) विस उपाध्यक्ष रहे।

जनवरी में पहला सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड लॉन्च करेगी सरकार

● भोपाल, प्रात : किरण संवाददाता।

मप्र सरकार जनवरी में अपना पहला सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड लॉन्च करने जा रही है। सोशल इंपैक्ट बॉड योजना में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह योजना सामाजिक न्याय विभाग में लागू है। सामाजिक सेवा करने वाले सर्विस प्रोवाइडर्स को एक एजेंसी के माध्यम से लाभ दिया जाएगा और यह एजेंसी ऐसा काम करने वाली संस्थाओं के काम का मूल्यांकन करेगी। इस बॉन्ड के तहत शुरू होने वाली पहली परियोजना में राज्य के 600 ओबीसी युवाओं को जापान और जर्मनी में प्लेसमेंट दिलाया जाएगा। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया है, जिसे जल्द ही कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। मंजूरी मिलते ही प्रदेश सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड जारी करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। परियोजना के लिए युवाओं का चयन राज्य में स्क्रीनिंग के बाद होगा।

बीना विधानसभा सीट पर उपचुनाव की आहट

सांसद के एक बयान से गरमाई सियासत, निर्मला सप्रे जल्द देंगी इस्तीफा!

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। मध्य प्रदेश के सागर जिले की बीना विधानसभा सीट पर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। भाजपा की बैठक में सांसद लता वानखेड़े के एक बयान से सियासत गरमा गई। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर जीतीं विधायक निर्मला सप्रे ने लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान भाजपा का दामन थाम लिया था, लेकिन उन्होंने अभी तक कांग्रेस की सदस्यता से औपचारिक इस्तीफा नहीं दिया है।

इस दल-बदल के मामले में हाईकोर्ट की कार्रवाई के बीच शनिवार को सागर सांसद लता वानखेड़े के एक बयान ने उपचुनाव की संभावनाओं को और मजबूत कर दिया है। सांसद ने कार्यकर्ताओं से 'कमर कसने' की अपील की, जिससे विधायक सप्रे जल्द इस्तीफा दे सकती हैं, ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है।

आपको बता दें कि 2024 को राहतगढ़ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सभा में सप्रे ने भाजपा का दामन थाम लिया था। उन्होंने लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के लिए प्रचार भी किया। हालांकि, कांग्रेस सदस्यता न छोड़ने से उनकी विधायकी पर सवाल उठे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दल-बदल कानून के तहत हाईकोर्ट ने याचिका दायर की, जिसमें नोटिस जारी किये गए हैं जिसकी सुनवाई जल्द होनी है। वहीं विधायक कार्यालय में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर हुई बैठक में सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े पहुंचीं। मंच से संबोधित करते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि 'हमारे विधानसभा में चुनाव होने वाला है, कार्यकर्ता कमर कस लें। क्योंकि जब कोई एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाता है, तो चुनाव जरूर होता है।' यह बयान सीधे बीना उपचुनाव की ओर इशारा करता है।

छत्तीसगढ़

मैत्रीबाग में सफेद बाघिन 'जया' की संदिग्ध मौत से हड़कंप- डीएफओ की मौजूदगी में हुआ पोस्टमार्टम

जू परिसर में किया गया अंतिम संस्कार

दुर्ग, प्रातः किरण संवाददाता। भिलाई के मैत्रीबाग जू से एक दुखद घटना सामने आई है। जहां सफेद बाघों के कुनबे की महत्वपूर्ण सदस्य 10 वर्षीय सफेद बाघिन 'जया' अपने केज में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। सुबह की गश्त के दौरान जब जू प्रबंधन के कर्मचारियों ने जया को निष्क्रिय देखा, तो तत्काल इसकी सूचना वन विभाग और वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बाघिन की मौत की पुष्टि की।

बता दें कि आज दोपहर डीएफओ की मौजूदगी में विशेषज्ञ टीम द्वारा जया का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद नियमों के तहत उसी दिन मैत्रीबाग परिसर के भीतर उसका अंतिम संस्कार भी किया गया।

पेट में इंफेक्शन की आशंका, असली वजह पोस्टमार्टम के बाद स्पष्ट होगी

प्रारंभिक जांच में अनुमान लगाया जा रहा है कि जया की मौत पेट में हुए गंभीर इंफेक्शन की वजह से हो सकती है। हालांकि डीएफओ का कहना है कि अंतिम निष्कर्ष पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगा।

जानकारों के अनुसार सफेद बाघ सामान्य बाघों की तुलना में अधिक संवेदनशील होते हैं और मौसम परिवर्तन के दौरान उनकी खास देखभाल की आवश्यकता पड़ती है। पिछले दिनों बढ़ी ठंड को देखते हुए जू प्रशासन ने उनकी डाइट में बदलाव के साथ-साथ केज के आसपास अलाव जलाने जैसे उपाय भी किए थे। 1990 में शुरू हुई थी मैत्रीबाग में सफेद बाघ संरक्षण की कहानी मैत्रीबाग को देश के प्रमुख सफेद बाघ संरक्षण केन्द्रों में गिना जाता है। 1990 में ओडिशा के नंदनकानन जू से सफेद बाघों की पहली जोड़ी यहां लाई गई थी, जिसके बाद वर्षों में उनका कुनबा बढ़कर 19 तक पहुंच गया था। यहां से सफेद बाघों को गुजरात, उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्यप्रदेश और रायपुर तक भेजा गया है।

जया की मौत के बाद अब केवल 5 सफेद बाघ शेष

करीब डेढ़ साल पहले रायपुर जंगल सफारी से लाई गई बाघिन जया, मैत्रीबाग के सफेद बाघ कुनबे की महत्वपूर्ण सदस्य थी। उसकी अचानक मौत से जू परिसर में उदासी का माहौल है। जया के निधन के बाद अब मैत्रीबाग में सफेद बाघों की संख्या घटकर 5 रह गई है। वन विभाग अब इस मामले की विस्तृत जांच कर रहा है, ताकि मौत के वास्तविक कारण का पता लगाया जा सके और भविष्य में सफेद बाघों की सुरक्षा व स्वास्थ्य प्रबंधन को और मजबूत किया जा सके।

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से बदलेगी शहरों की सूरत और सीरत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शहरों में आइकॉनिक विकास कार्यों के लिए राज्य शासन ने इस साल मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना शुरू की है. पहले चरण में इसे राज्य के सभी 14 नगर निगमों में लागू किया गया है. इसके तहत शहरों में मजबूत अधोसंरचना के विकास के बड़े काम मंजूर किए जा रहे हैं. उप मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद योजना के अंतर्गत अब तक 13 नगर निगमों में 26 कार्यों के लिए 429 करोड़ 45 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं. इनमें मरीन ड्राइव विस्तार, ऑक्सीजोन-कम-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, अंतरराज्यीय बस टर्मिनल, रोड जंक्शन, हाइटेक बस स्टैंड, ऑडिटोरियम, तालाब सौंदर्यीकरण, उद्यान विकास, जलापूर्ति सुदृढ़ीकरण, कॉरीडोर निर्माण, गौरव पथ निर्माण, सड़क बाइपास एवं चौड़ीकरण जैसे वृहद कार्य शामिल हैं. चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के लिए 500 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है।

स्कूल के पास एक्सपायरी दवाइयां जलाने से छात्राओं की बिगड़ी तबीयत, 8 बच्चियां अस्पताल में भर्ती

पखांजुर, प्रातः किरण संवाददाता। कांकेर जिले के पखांजुर से एक बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां निजी स्कूल के पास एक्सपायरी दवाइयां जलाए जाने से जहरीला धुआं फैल गया और 8 बच्चियों की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सभी छात्राओं का उपचार जारी है। फिलहाल सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल पीवी-43 के पास आज दोपहर 2 बजे उपस्वास्थ्य केंद्र के आरएसओ द्वारा एक्सपायरी दवाइयों को जलाया गया। दवाइयों के जलने से उठे धुएं ने स्कूल परिसर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कई छात्राओं को सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन और घबराहट होने लगी।

बताया जा रहा है कि आरएसओ विवेक बड़ाई ने स्कूल के बिल्कुल पास ही एक्सपायरी दवाइयों में आग लगा दी। जलने से निकला जहरीला धुआं हवा के साथ सीधे स्कूल की ओर फैल गया। उस समय कक्षा में करीब 40 बच्चे मौजूद थे। धुआं फैलते ही कई छात्रों की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद 8 बच्चियों को सिविल अस्पताल पखांजुर में भर्ती किया गया। फिलहाल सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं और उनका उपचार जारी है।

डॉक्टर का बयान-सिविल हॉस्पिटल पखांजुर की डॉक्टर मनीषा मींज ने बताया कि बच्चों की हालत में लगातार सुधार हो रहा है। सभी बच्चों को कड़ी निगरानी में रखा गया है। सभी बच्चों को सभी प्राइमरी उपचार दिया गया है। साथ ही बच्चों की तबीयत में सुधार हो रहा है और जो भी प्राइमरी उपचार ज़रूरत था, हमारे द्वारा सभी स्टाफ द्वारा दिया गया है। सभी बच्चों की लगभग तबीयत में सुधार आ चुका है। कुछ अगर जाना चाहते हैं तो घर जा सकते हैं। फिलहाल सभी बच्चे ख़तरे से बाहर हैं। और बच्चों के परिजन के अनुसार पता चला है कि स्कूल के पास कहीं दवाई जलने से फैली ज़हरीली गैस की वजह से बच्चों की तबीयत बिगड़ी थी।

स्कूल प्राचार्य का बयान-सरस्वती शिशु मंदिर पीवी-43 की प्राचार्य बुलबुल दास ने कहा कि बच्चों को कुछ मेडिसिन जलाने की स्मेल से परेशानी हो रही थी। जैसे सांस लेने में तकलीफ़, आंखों में, चेहरे में, नाक में जलन हो रही थी। बगल में उपस्वास्थ्य केंद्र है। स्वास्थ्य केंद्र में कुछ दवाइयां चलाई जा रही थीं, जिसकी स्मेल से बच्चों की तबीयत बिगड़ी है। आज यहां आठ बच्चे भर्ती हुए थे। अभी बच्चों की स्थिति सुधर रही है। कोई ज्यादा गंभीर नहीं है। पहले की तुलना में तकलीफ़ कम हुई है।

दो बाइकों में जोरदार भिड़ंत, दो युवकों की मौके पर मौत, 2 गंभीर

रायगढ़, प्रातः किरण संवाददाता। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पूंजीपथरा थाना क्षेत्र के राबो-बिलासखार मार्ग पर आज सुबह केटीएम और स्प्लेंडर बाइक के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्प्लेंडर बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पूंजीपथरा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेजा। वहीं मृतकों के शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क पर तेज रफ्तार और ओवरटेकिंग के कारण दुर्घटना हुई। दुर्घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल रहा। वहीं पुलिस ने दोनों बाइकों को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुंगेली व्यापार मेला , मेले के 6वें दिन लोगों ने जमकर की खरीददारी

मुंगेली। व्यापार मेला के 6वें दिन लोगों का ध्यान खरीददारी और झूले में अधिक रहा। दोपहर से ही परिवार के साथ ग्रामीण क्षेत्र से लोग आते रहे। रात्रि कालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में पूनम विराट तिवारी की टीम ने देर रात तक लोगों को बांधे रखा। उनके लोकप्रिय गीत एवं टीम के द्वारा प्रस्तुत भाव नृत्य से लोग भाव विभोर होकर आनंदित रहे। मुंगेली क्षेत्र में पूनम विराट तिवारी उनकी टीम का पहली बार आगमन हुआ था।

प्रतिबंधित कहुआ लकड़ी का अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर ट्राली जब्त

आरंग, प्रातः किरण संवाददाता। वनमण्डलाधिकारी रायपुर लोकनाथ पटेल के मार्गदर्शन उप वन मंडलाधिकारी आनंद कुदरिया और परिक्षेत्राधिकारी नवा रायपुर अटल नगर चंद्रप्रकाश महोबिया के नेतृत्व में वन मंडल स्तरीय उड़न दस्ता सहायक प्रभारी और परिक्षेत्र सहायक आरंग संतोष सामंतराय द्वारा सोमवार को प्रतिबंधित कहुआ की लड़की का अवैध परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर ट्राली को जब्त कर कार्यवाही किया गया है। उड़न दस्ता की टीम ने ग्राम निसदा के पास ट्रैक्टर को पकड़ा है। ट्रैक्टर ग्राम फरफौद निवासी श्रवण धीवर का बताया जा रहा है। वन विभाग द्वारा ट्रैक्टर को जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

बता दें कि इससे पूर्व भी वन्य प्राणी के शिकार और अवैध तस्करी पर वन मंडल स्तरीय उड़नदस्ता द्वारा लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी संतोष सामंतराय ने बताया कि वन मंडल रायपुर में वन मंडलाधिकारी लोकनाथ पटेल के कुशल मार्गदर्शन में इस प्रकार की अवैध गतिविधियों पर लगातार नकेल कसी जा रही है। वन विभाग की कार्रवाई में आरंग वन परिक्षेत्र के वनरक्षक दिलीप परमार, दौलत साहू, सावन साहू, वन पाल चंदूलाल कसेर, सुरक्षा श्रमिक पूसऊ निषाद, चंद्रशेखर ध्रुव, वाहन चालक मुनीर खान मौजूद रहे।

सम्पादकीय

नए श्रम कानूनों से आर्थिक रफ्तार

हाल ही में 21 नवंबर को केंद्र सरकार ने देश में पांच साल के लंबे समय से प्रतीक्षित जिन नए श्रम कानूनों के तहत चार श्रम संहिता (लेबर कोड) को लागू कर दिया है, उनसे श्रमिकों के लिए राहत और उद्योग-कारोबार के लिए आर्थिक रफ्तार की नई संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। नए श्रम कानून के तहत चार श्रम संहिताएं- मजदूरी संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्तें संहिता 2020 शामिल हैं। नए श्रम कानून के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये श्रम कानून देश में स्वतंत्रता के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधार हैं। वस्तुतः नई चार श्रम संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी का भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और हमारे लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए लाभकारी अवसरों के लिए एक मजबूत नींव के रूप में काम करेंगी। साथ ही नए श्रम कानून भविष्य के लिए एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण करेंगे, जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को मजबूत करेगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ ने भारत के नए श्रम कानूनों की सराहना करते हुए कहा कि इनसे श्रमिकों को बड़े लाभ होंगे। साथ ही रोजगार प्रदाताओं और श्रमिकों के बीच सामाजिक सुरक्षा संवाद मजबूत होगा। निश्चित रूप से नई श्रम संहिताओं ने श्रम कानूनों को सरल, निष्पक्ष और नए दौर के कामकाजी वातावरण के अधिक अनुकूल बना दिया है। ये नए श्रम कानून श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा में सुधार करने, व्यवसायों के लिए नियमों का अनुपालन करना आसान बनाने और बढ़ती अर्थव्यवस्था में अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के मद्देनजर अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। नई श्रम संहिताओं के तहत श्रमिकों, उद्योगों और सरकार के हितों से संबंधित बहुआयामी लाभ उभरकर दिखाई दे रहे हैं। अब नियोक्ताओं को सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र जारी करना होगा तथा गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों सहित पूरे श्रमबल को सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान करना होगा। न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच प्रदान की जाना भी सुनिश्चित की गई है। अब तय अवधि के लिए ठेके पर काम करने वाले कामगारों को स्थायी श्रमिकों के बराबर सभी लाभ मिलेंगे और वे 5 साल के बजाय सिर्फ एक साल बाद ग्रेच्युटी पाने के हकदार होंगे। नए श्रम नियम महिलाओं को रात की पाली में काम करने और देश भर में कर्मचारियों के राज्य बीमा लाभों का विस्तार करने की अनुमति भी देते हैं, इन सबसे श्रम की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ेगी। यदि हम देश में श्रम कानूनों का इतिहास देखें तो पाते हैं कि भारत के कई श्रम कानून स्वतंत्रता से पहले और स्वतंत्रता के बाद के आरंभिक काल में उस समय बनाए गए थे, जब अर्थव्यवस्था और कार्य की दुनिया वर्तमान व्यवस्थाओं से पूरी तरह भिन्न थी। जैसे-जैसे 1991 के बाद वैश्वीकरण बढ़ता गया, वैसे-वैसे दुनिया के अधिकांश बड़े विकसित और विकासशील देशों ने पिछले कुछ दशकों में अपने श्रम नियमों को समय के साथ अनुकूल व सरल बनाया और उन्हें एकीकृत किया है। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि सिंगापुर, डेनमार्क, अमेरिका, न्यूजीलैंड तथा वियतनाम सहित कई देश लचीले श्रम कानूनों के कारण न केवल औद्योगिक विकास की डगर पर लाभान्वित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये देश उद्योग-कारोबार की रैंकिंग में भी आगे हैं। लेकिन भारत अब तक 29 केंद्रीय श्रम कानूनों में बिखरे, जटिल और कई मामलों में पुराने प्रावधानों के आधार पर काम कर रहा था, जिन्हें सरल करने की जरूरत बनी हुई थी। उच्चतम न्यायालय भी कई बार देश में अप्रासंगिक हो चुके ऐसे श्रम कानूनों की कमियां गिनाता रहा है, जो काम को कठिन और लंबी अवधि का बनाते हैं। देश और दुनिया के आर्थिक संगठन बार-बार यह कहते रहे हैं कि श्रम सुधारों से ही भारत में उद्योग-कारोबार का तेजी से विकास हो सकेगा। यह बात महत्वपूर्ण है कि नए श्रम कानून का एक बड़ा आधार दूसरे राष्ट्रीय श्रम आयोग की रिपोर्ट में प्रस्तुत की गई बहुआयामी सिफारिशें भी हैं। इस आयोग का गठन तत्कालीन श्रम मंत्री डा. सत्यनारायण जटिया के द्वारा अक्टूबर 1999 में किया गया था, जिसकी रिपोर्ट जून 2002 में प्राप्त हुई थी। श्रम कानूनों को मजदूर हितैषी बनाने में डा. जटिया का अहम योगदान रहा है।

सत्र के आर, सत्र के पार

तपोवन में क्या आगामी विधानसभा चुनाव की रंगभूमि रची जा रही है। सोशल मीडिया सदन के बाहर जिस सत्र की ताजपोशी करता रहा वहां क्या सत्ता और क्या विपक्ष। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया की व्यवस्था के प्रश्न परिसर के बाहर बिखर गए। कई मुंह वाले नेताओं को सिर्फ कुछ कर दिखाना है, इसलिए हमने देखा राजनीति के कितने दरवाजे हो सकते हैं। यहां जनता की वकालत नहीं, प्रदेश के पैमाने नहीं, यहां सरदारियां हैं, कुछ पगडिंा और तैयारियां हैं। बेचारे पेंशनर्स अपनी उम्र के खाके-पेंशन के फाके लिए, जोरावर स्टेडियम से बेदखल, पुलिस ग्राऊंड की विशालता में गूंज पैदा करते रहे। बहुत दूर नहीं हो सकता सरकार का दिल और इसीलिए काबिल बनने से पहले बेरोजगारों के सपने-अधिकारों के नथुने फूलते रहे। यह सब प्रदेश के लिए हो रहा है या हम बेहतर विकल्पों की तुलना में चुनाव-दर-चुनाव, आंदोलन से तर-ब-तर आजमाइश कर रहे हैं। पेंशनरों के आंदोलन से बड़ा संघर्ष क्या सत्ता बनाम विपक्ष है, जो विधानसभा परिसर की दीवारों के बाहर बर्र का छत्ता बना नजर आया। नजर आया कि विधायक होने का अब अर्थ क्या है। नजर आया कि विपक्ष नारे लगाएगा, तो सामने सत्ताधारी वंश भी उतर आएगा। सदन के बाहर तमाशा अच्छा है या भीतर किसी मंत्री का भाषण अच्छा है। कम से कम राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी के भाष्य संदर्भ, विपक्षी टुकडिों को आंदोलन उठाने की सहूलियत दे गए। कई बार लगता है कि राजनीतिक दूध में मक्खियां ही मक्खियां हैं, किस किस को निकालोगे, यहां हाथ गिरेबां तक नहीं पहुंचता। किसने क्या मांगा यह तेरी तकदीर, तू हिमाचल है तंगदिल शरीर। हर बार और हर सरकार में हिमाचल का संतुलन होता नहीं, इन बातों में खुशामद के सिवा कुछ होता नहीं। खैर दो दिन विराम के बाद, क्या चैन लौट आएगा या वर्तमान सरकार के खिलाफ भाजपा तीन साल का रोष दिखा पाएगी। इस बीच कांग्रेस पार्टी का जश्न नए प्रदेशाध्यक्ष की संगत में अपनी विसंगतियों की पापड़ बेलेगा या हृदय में बसे अपने-अपने राम की तलाशी में मजदूरी करेगा। जो भी हो तपोवन में शीतकालीन सत्र का कथानक हर बार एक नया नाटक पैदा करता है। बदले हैं कई विधायक और उनके सवालों का असर जोरदार होता है। जो विधायक बजीर रामसिंह पठानिया को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा दिलाने की मांग करते हैं, उनके इतिहास को सलाम। जो आवारा पशुओं की शिनाख्त करते हैं, उनके सुझावों को साधुवाद। कई बार आश्चर्य होता है कि पूरा विधानसभा सत्र यूं तो बड़ी-बड़ी बातें, बड़े-बड़े इरादे सुनता है, लेकिन प्रदेश की हैसियत में फर्क नहीं पड़ता। शुक्रगुजार है हिमाचल कि घायल कर देने वाली टिप्पणियों को कार्यवाही से हटा देने का माद्दा अभी शेष है, वरना सियासत ने लोकतांत्रिक परंपराओं की कसौटियां बदल डाली हैं। मंत्रियों ने कहा है कि अवैध खनन पर प्रहार होगा, हर अस्पताल के इलाज में अच्छा व्यवहार होगा। दक्ष डाक्टर आएंगे, नलके में पूरा पानी आएगा, गांव के बच्चे मिट्टी से नहीं-स्कूल के मैदान में खेलेंगे। बहुत सरोवर हैं सत्र की गहराई में, बशर्ते कोई डूब के देखे। विधानसभा सत्र के मध्यांतर में हम यह नहीं कह सकते कि पूरी कहानी कौन बेहतर लिखेगा, लेकिन अपने-अपने एहसास को जीते विधायकों की दिहाड़ी का मंतव्य भूखा किसान, दिहाड़ीदार और बेरोजगार जरूर पूछेगा। इस बीच पेपर लीक कानून के पंजे सख्त करने की अभिलाषा में सुक्खू सरकार सफल हो गई। हिमाचल के भविष्य की तपती रेत पर पेपर लीक करने वालों के खिलाफ अब रास्ता कठिन हो गया है, फिर भी सरकार ने चिट्टे पर प्रहार करने के लिए पहली दिसंबर को महाभियान के दूसरे चरण के प्रति प्रतिबद्धता का अलख जगाया है। बहरहाल, सरकार शीतकालीन सत्र के पार अपनी उपलब्धियों और संकल्पों की एक नई इबारत लिखने के लिए मंडी में तीन साल पूरे कर रही है। हिमाचल की आर्थिक चुनौतियों के बीच, विकास के बीज बोना या व्यवस्था परिवर्तन के सपने संजोना आसान नहीं, फिर भी विपक्ष जो सवाल शीतकालीन सत्र में छोड़ जाएगा, उन पर मंडी के संबोधन जरूर जवाब देंगे।

भारत का आर्थिक विकास - सहकारिता से समृद्धि की ओर

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं।

प्रहलाद सबनानी
(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुलकर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुनः आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। ह्लसहकार से समृद्धिह्व का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है। भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकिं भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स्वैच्छिक सदस्यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी; सदस्यों की आर्थिक भागीदारी; स्वायत्तता और स्वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचनाः कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार। सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है। भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरूआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब ह्लसहकार से समृद्धिह्व की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93, 000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35, 000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। संचालन और कार्यों की प्रकृति के आधार पर मुख्यतः छह प्रकार की सहकारी समितियां होती हैं। इनमें उपभोक्ता सहकारी समितियां, उत्पादक सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां, कृषक सहकारी समितियां, ऋण सहकारी समितियां और सहकारी आवास समितियां शामिल हैं। उक्त वर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। 29 जून, 2022 को भारत सरकार द्वारा 63, 000 क्रियाशील प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2, 516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

नशे का बढ़ता प्रचलन एवं घातक कारोबार - एक गंभीर अलार्म

सबसे पहले कानूनों को मजबूत करने और उनके कठोर क्रियान्वयन की आवश्यकता है। ड्रग तस्करी, नकली दवाइयों का निर्माण और अवैध वितरण के खिलाफ ऐसी दंडात्मक व्यवस्था होनी चाहिए कि अपराधी इसके परिणामों से भयभीत हों। मौजूदा समय में कई बार अपराधी मामूली सजा या जमानत पर छूट जाते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है और अवैध कारोबार और तेजी से फैलता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि कानून कठोर हों और उनका पालन बिना किसी समझौते के हो। दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र है-नशामुक्ति और पुनर्वास। नशे की गिरफ्त में आए लोग सिर्फ अपराधी नहीं, बल्कि पीड़ित भी हैं।

ललित गर्ग
(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

भारत में नशीले पदार्थों का बढ़ता प्रचलन एवं बढ़ता घातक कारोबार आज एक भयावह राष्ट्रीय संकट बन चुका है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। यह समस्या किसी एक राज्य या किसी सीमित क्षेत्र की नहीं रही, बल्कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित पूरे देश में यह अपने विकराल रूप में फैल चुकी है। विशेष रूप से किशोर और युवा पीढ़ी जिस तेजी से नशे की गिरफ्त में जा रही है, वह एक खतरनाक भविष्य की चेतावनी है। नशा आज केवल व्यक्तिगत बीमारी नहीं, बल्कि सामाजिक विनाश की प्रस्तावना बन चुका है। अंधेरी गलियों में भटकते युवा, परिवारों का टूटता संतुलन, अपराधों में वृद्धि और जीवन मूल्यों का क्षरण-ये सब नशे की महामारी के दुष्परिणाम हैं। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने के लिये अपराध की गलियों गुम होते जा रहे है, तरह-तरह के अपराध कर रहे हैं। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। निश्चित ही यह सम्मेलन इस घातक एवं गंभीर होती समस्या के समाधान में रोशनी बनेगा। नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। हाल के वर्षों में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि ड्रग व्यापार अब किसी सीमित भौगोलिक दायरे तक सीमित नहीं रहा। पंजाब, जिसकी आबादी देश की कुल आबादी का मात्र ढाई प्रतिशत है, वहां से देश में बरामद होने वाली हेरोइन का लगभग आधा हिस्सा पकड़ा गया है। यह अकेला तथ्य बताने के लिए पर्याप्त है कि नशीले पदार्थों का नेटवर्क कितना गहरा, विस्तृत और संगठित हो चुका है। हरियाणा की सीमावर्ती जिलों में पिछले पाँच वर्षों के दौरान राज्य के कुल ड्रग मामलों का लगभग नब्बे प्रतिशत भाग सामने आया है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि तस्करी का रास्ता राज्यों की सीमाओं से गुजर कर पूरे समाज में फैलता जा रहा है। इसी प्रकार राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण बताते हैं कि नशे की आदत अब केवल युवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि लाखों बच्चे और किशोर और विशेषतः महिलाएं-युवतियां विभिन्न नशीली वस्तुओं के संपर्क में आ चुकी हैं। यह स्थिति सिर्फ चिंता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अगली पीढ़ी के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी है। नशे की गिरफ्त में फंसकर बच्चे और युवा मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और शैक्षणिक जीवन में बुरी तरह पिछड़ रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं, आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है, और अपराधों का ग्राफ निरंतर बढ़ता जा रहा है। नशे की वजह से चोरी, लूट, हिंसा, हत्या और यौन अपराध तक बढ़ते जा रहे हैं। समस्या का यह दूसरा पहलू भी उतना ही भयावह है कि नशे का व्यापार अब सामान्य चोरी-छिपे किए जाने वाला धंधा नहीं रहा, बल्कि विशाल और संगठित तस्करी-तंत्र में बदल चुका है। ड्रोन के माध्यम से ड्रग तस्करी, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, नकली दवाओं का उत्पादन, कफ सिरप व अन्य औषधियों के दुरुपयोग का व्यापक कारोबार-ये सभी संकेत हैं कि नशा भारत के सामाजिक ढांचे को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। ड्रग माफिया, अपराधी गिरोह, भ्रष्ट तंत्र एवं पडोसी देश मिलकर एक ऐसी समानांतर व्यवस्था चला रहे हैं, जो कानून, नैतिकता और मानवीय जीवन के लिए बेहद खतरनाक है। चंडीगढ़ में आयोजित महत्वपूर्ण सम्मेलन में कई ऐसे तथ्य सामने आए जिन्होंने सभी को हिला दिया। यह स्पष्ट रूप से महसूस किया गया कि अब नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक राज्य की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्राथमिकता है। राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी इस बात पर सहमत दिखे कि यदि अब भी सख्त और संगठित कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि नशे का यह संकट भारत की सामाजिक संरचना, युवाशक्ति और राष्ट्रीय प्रगति को गहरी चोट पहुँचा रहा है। इस अनियंत्रित होते भयावह संकट को रोकने के लिए सरकार, पुलिस, न्याय तंत्र, समाज और परिवार-सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। सिर्फ कानून बनाकर और कभी-कभार छापामारी करके इस समस्या का समाधान संभव नहीं।

नये श्रम कानूनों में असंगठित श्रमिकों का हित संरक्षण

सच्चिदानंद शेकटकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने चार नए श्रम कानूनों को लागू कर दिया है। पूर्व में प्रचलित ढेर सारे श्रम कानून को अब चार श्रम कानून में परिवर्तित कर दिया गया है। लेकिन जो नए श्रम कानून लागू किए गए हैं उनको अभी व्यापक प्रचार प्रसार की आवश्यकता है। इन नए कानूनों को अभी जिस तरह से लोगों को समझ में आना चाहिए वह भी समझ में नहीं आ रहे हैं। वैसे अभी तक श्रमिक किसे माना जाना चाहिए इसकी सही तरीके से परिभाषा तय नहीं हुई है। जो नए श्रम कानून लागू होने जा रहे हैं उसमें देश के 40 करोड़ से अधिक असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के हितों का सबसे अधिक ध्यान रखा गया है। जो नई श्रम नीति है उसमें अब असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के वेतन में वृद्धि भी होने जा रही है। अब संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के वेतन में प्रतिदिन 9 रुपये की वृद्धि हो जाएगी। इसका आशय यह है कि अब प्रति माह असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को 3000 रुपए तक का वेतन मिल सकेगा। श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी से उनकी खपत भी बढ़ेगी और देश की अर्थव्यवस्था को भी बड़ा विस्तार मिलेगा। नए श्रम कानून से अब श्रम विभाग की छोटे व्यापारियों को परेशान करने की मनमानी से भी राहत मिलेगी। नए कानून के मुताबिक अब जिस भी संस्थान में 20 से कम श्रमिक काम कर रहे हैं वहां पर अब बिना श्रम आयुक्त की अनुमति के कोई भी निरीक्षक बलपूर्वक निरीक्षण करने नहीं जा सकेगा। आशय यह है कि श्रम विभाग की जो डंडा संस्कृति है

उससे नये नियमों में राहत दिलाई गई है। नीति आयोग के मुताबिक अब सभी प्रकार के श्रमिकों को नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य होगा। श्रमिकों के पास उन्हें नौकरी करने और वेतन पाने का लिखित सबूत भी मिलेगा। अभी सिर्फ अनुसूचित औद्योगिक इकाइयों में ही न्यूनतम वेतन का नियम लागू होता था अब यह सभी जगहों पर लागू होगा। नए श्रम कानूनों के लागू होने से अब उद्यमियों को विभिन्न प्रकार के श्रम कानून के पालन से मुक्ति मिलेगी। नई श्रम नीति में 300 से कम कर्मचारी वाली यूनिट को बिना सरकार के अनुमति के कभी भी बंद किया जा सकता है। अभी यह संख्या 100 है। यूनिट बंद करने के नियम में सख्ती से कई बार उद्यमी ऑर्डर मिलने पर भी नई यूनिट नहीं लगा रहे थे। वैसे श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने और ग्रेच्युटी के नियम में बदलाव से प्रतिष्ठानों की लागत भी बढ़ेगी। अभी ग्रेच्युटी पाने के लिए कम से कम 5 साल की नौकरी अनिवार्य है। परंतु नए श्रम कानून के लागू होने पर अब 1 साल काम करने पर ही श्रमिकों को ग्रेच्युटी का भुगतान करना पड़ेगा। अभी ग्रेच्युटी बेसिक वेतन के आधार पर दी जाती है जबकि नए नियम लागू होने पर कुल वेतन के आधार पर ग्रेच्युटी दी जाएगी। स्थाई और गैर स्थाई दोनों प्रकार के कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ सुनिश्चित करने से भी प्रतिष्ठानों की लागत बढ़ेगी। नई श्रम नीति के तहत केंद्र सरकार देशभर के श्रमिकों के लिए एक फ्लोर मजदूरी या वेतनमान तय करने जा रही है और कोई भी राज्य फ्लोर मजदूरी से कम वेतन अपने श्रमिकों को नहीं दे सकेगा। फ्लोर मजदूरी का नियम ऑफिस, दुकान या किसी निजी प्रतिष्ठान में काम करने वाले सभी प्रकार के श्रमिकों के लिए लागू होगा। अगले तीन महीने में फ्लोर मजदूरी तय हो जाएगी। अभी हर राज्य अलग-अलग न्यूनतम वेतन तय करता है। लेकिन अब जब केंद्र सरकार की ओर से फ्लोर मजदूरी तय होने के बाद सभी राज्यों में एक जैसी न्यूनतम मजदूरी श्रमिकों को मिल सकेगी।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

मकेर / थाना क्षेत्र के पश्चिम ठहरा ग्राम निवासी लक्ष्मण सिंह के पुत्र ब्रजेश सिंह जिनकी उम्र 36 वर्ष थी ।वह शाम में अपने घर से गांव की बरात जा रहे थे । बरात कटसा जा रही थी ।ब्रजेश सिंह अपने बाइक से बरात के लिए जा रहे थे कि पूरे छपरा ,पटेल चौक के समीप एक तेज रफ्तार से आ रही ट्रक ने कुचल दिया जहाँ उनकी तत्क्षण मौत हो गई । इस दर्दनाक हादसे से घर मे कोहराम मच गया जबकि बराती एवम गांव में मातम छा गयी ।इस घटना से घर मे दुःख का पहाड़ टूट गई ,बच्चे अनाथ हो गए ,पत्नी रो रो कर बदहवास हो जा रही हैं ।

खुशहाल जिंदगी एक क्षण में दुख में बदली

परसा।दरियापुर थाना क्षेत्र के बिसाही गांव में उस समय चीख पुकार से महौल गूंज उठा जब बिसाही निवासी स्व विंदा राय का पुत्र भीष्म राय का शव घर पहुंचा ।देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट गई ।परिजनों में चीख पुकार का माहौल बन गया ।शव को देख पत्नी ममता देवी,माता कौशल्या कुंअर,पुत्र युवराज कुमार,पुत्री साक्षी कुमारी,शिवानी कुमारी, बृक्षीय कुमारी,भाईप्रधान राय समेत परिजनों का रो रोल कर बुरा हाल था ।पत्नी शव को देख चीत्कार मार अचेत हो जाती थी ।वृद्ध माता पुत्र की वियोग में विलाप करते अचेत हो जाती थी ।मृतक युवक तीन भाई में सबसे छोटा था ।वह परिवार की पालन पोषण के लिए चालक का काम करता था ।फिलहाल पांच माह पूर्व मजदूरी करने कोलकाता गया था ।वही से लौटने के दौरान रविवार को छपरा पुलिस लाइन के शामिल अपराधियों द्वारा गोली मार हत्या कर दिया था।

डोरीगंज में एक अज्ञात युवक का पेड़ से लटका मिला शव

डोरीगंज। डोरीगंज थाना क्षेत्र के बदलपुरा गांव के अंधरी गाछी में एक आम के पेड़ से लटका हुआ लगभग 30 वर्षीय एक युवक का शव मिला है। घटना की सुचना पर डोरीगंज थानाध्यक्ष दिलीप कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की उपस्थिति में शव को पेड़ से नीचे उतारा साथ ही उपस्थित आस पास के लोगों से पहचान करने की काफी कोशिश की गई लेकिन को मृत युवक का पहचान नहीं सका जिसके बाद पुलिस ने कागजी कार्रवाई पुरी कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु छपरा सदर अस्पताल भेज दिया और मौके से सबूत एकत्रित करने हेतु मुजफ्फरपुर से एस एफ एल की टीम घटना स्थल पर पहुंच कर पुरी गहनता से जांच कर रही है ।समाचार प्रेषण तक मृतक की पहचान नही हो पाई थी।

दिघवारा में जीवन बीमा के लिए रोजगार कैंपः बीमा सखी, इंश्योरेंस एडवाइजर पदों पर मौका

छपरा।सारण जिले के दिघवारा स्थित बिहार कौशल विकास केंद्र दिघवारा, (केवाईपी सेंटर) में 05 दिसंबर, 2025 को एक महत्वपूर्ण नियोजन कैम्प का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस कैम्प में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा दो महत्वपूर्ण पदों के लिए कुल 20 रिक्तियों पर चयन किया जाएगा। जिसमें बीमा सखी केवल महिलाओं के लिए।जबकि इंश्योरेंस एडवाइजर महिला और पुरुष दोनों के लिए होगा। प्रत्येक पद के लिए 10-10 रिक्तियां हैं। इस पद के लिए 10वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है।इस पद के लिए कोई भी व्यक्ति जिनकी उम्र 18 से 70 वर्ष के बीच है, इसके लिए पात्र होंगे। चयनित अभ्यर्थियों को 7000 स्टाइपेंड के साथ-साथ इंसेंटिव/कमीशन भी दिया जाएगा।जिनका कार्यक्षेत्र सारण जिला होगा।इस नियोजन कैम्प में भाग लेने की प्रक्रिया, रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए राष्ट्रीय कैरियर सेवा पोर्टल (nsc.gov.in) पर निबंधन (रजिस्ट्रेशन) कराना अनिवार्य है।

इसुआपुर में खाद की किल्लत, किसान परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। रवि फसल की बोआई शुरू होते ही प्रखंड में डीएपी खाद की किल्लत ने क्षेत्र के किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। किसानों का कहना है कि डीएपी का सरकारी मूल्य 1350 रुपये प्रति बोरा निर्धारित है। लेकिन खुदरा बाजार में उन्हें 1600 से 1700 रुपये तक की ऊंची कीमत पर खाद खरीदना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि बाजार दर पर नियंत्रण रखते हुए उन्हें उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराई जाए। क्योंकि रवि फसल की बोआई में डीएपी का सबसे अधिक उपयोग होता है। कृषक अवधेश सिंह, चेथू राम, नंदकिशोर सिंह, भोला गिरी समेत कई किसानों ने बताया कि समय पर खाद उपलब्ध नहीं होने से बोआई प्रभावित हो रही है। वहीं महंगे दाम पर खाद खरीदना उनकी मजबूरी बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि खेतों में पानी जमे रहने के कारण इस वर्ष बोआई का क्षेत्र भी घट रहा है।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनीश कुमार ने बताया कि प्रखंड के लिए 2520 किलोग्राम गेहूं बीज एवं 426 क्विंटल अन्य क्वालिटी का गेहूं बीज उपलब्ध कराया गया है। जिसे 1000 रुपये प्रति 40 किलो की दर से किसानों के बीच वितरण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 50 यूनिट मसूर, 25 यूनिट चना व 650 किलोग्राम मटर का वितरण भी पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि गेहूं बीज पर दी जाने वाली सब्सिडी सीधे किसानों के खाते में भेजी जा रही है। अभी तक 600 किसानों को जरूरत के अनुसार गेहूं का बीज दिया जा चुका है। वहीं 750 किसानों को गेहूं का बीज देना है। बीज लेने आए किसानों में गोविंदा पुर गांव के राज किशोर सिंह, रामचौरा गांव के ललिता देवी, बेला गांव के मंजू देवी, छपियां गांव के जितेंद्र कुमार, मुड़वां एराजी गांव के विक्रमा गिरी तथा बेला गांव के सुगांती देवी व अन्य किसानों ने बताया कि जरुरत के अनुसार हमलोग बीज ले रहे हैं। वहीं प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने बताया कि एक किसान को एक पॉकेट से लेकर पांच पॉकेट तक उसके जरूरत के अनुसार गेहूं का बीज दिया जा रहा है।

किसानों के अनुसार यूरिया 350 रुपये प्रति 45 किलो तथा पोटाश 1750 रुपये प्रति बोरा की दर से खरीदकर खेतों में डालना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि खाद की कालाबाजारी पर सख्ती से रोक लगाई जाए तथा आपूर्ति और मूल्य नियंत्रण सुनिश्चित कर समय पर रबी की बोआई संभव बनाई जाए।

दारौंदा में तीस दिनों में दो पुलिसकर्मियों की हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

दारौंदा। थाना क्षेत्र में महज एक महीने के भीतर दो पुलिसकर्मियों की मौत से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। एक ओर एएसआई की नृशंस हत्या, तो दूसरी ओर अग्निशमन दल के सिपाही की संदिग्ध मौत – इन दोनों घटनाओं ने पुलिस विभाग को झकझोर कर रख दिया है।29 अक्टूबर 2025 की रात दरौंदा थाना में पदस्थापित एएसआई अनिरुद्ध कुमार की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। वहीं, इस सदमे से विभाग उबरा भी नहीं था कि 29 नवंबर की रात करीब 9 बजे अग्निशमन दल के सिपाही बुंदेल कुमार का शव फंदे से लटकता हुआ मिला। परिजन इसे साजिश के तहत की गई हत्या बता रहे हैं, जबकि पुलिस हर पहलू से जांच में जुटी है।

एएसआई अनिरुद्ध कुमार हत्याकांड का खुलासाः एएसआई अनिरुद्ध कुमार की हत्या को लेकर दारौंदा थाना में मृतक की पत्नी कुमारी संजू द्वारा थाना कांड संख्या 517/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी ।प्राथमिकी में उन्होंने बताया कि 29 अक्टूबर की रात करीब 9:30 बजे उनके पति ने फोन कर बताया था कि राहुल, इमरान, माफिया, इमरान की पत्नी निहारिका और माफिया की पत्नी लक्ष्मी समेत 5-6 लोग उन्हें बुला रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई थी कि बुलाने का इरादा सही नहीं है। इसके बाद उनसे संपर्क टूट गया।

अगली सुबह 30 अक्टूबर को सूचना मिली कि दारौंदाझ महाराजगंज रोड के सिरसाव नवका टोला स्थित अरहर के खेत में धारदार हथियार से गला रेतकर उनके पति की हत्या कर दी गई है। शव को खेत में फेंक दिया गया था ताकि साक्ष्य मिटाया जा सके। पत्नी कुमारी संजू ने इसे पूर्व नियोजित षड्यंत्र करार दिया। इस मामले में पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कांड का उद्भेदन कर लिया है।

अग्निशमन दल के सिपाही की संदिग्ध मौत से बढ़ी चिंताः इसी थाना क्षेत्र में एक माह के भीतर दूसरी घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया। अग्निशमन दल के सिपाही बुंदेल कुमार का शव किराये के मकान में फंदे से झूलता हुआ मिला। स्वजन इसे आत्महत्या मानने को तैयार नहीं हैं और सीधे हत्या की आशंका जता रहे हैं।

पुलिस ने मृतक का मोबाइल, कपड़े व अन्य सामान जब्त कर लिया है। एफएसएल टीम जांच में जुटी हुई है और स्वजनों के बयान के आधार पर हत्या की प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गई है। दहशत में लोग, सवालों के घेरे में सुरक्षा व्यवस्थाः एक ही थाना क्षेत्र में दो पुलिसकर्मियों की मौत से लोगों में भय और आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब पुलिस ही सुरक्षित नहीं है, तो आम लोगों की सुरक्षा कैसे होगी? लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इन मामलों की निष्पक्ष और तेज जांच हो तथा दोषियों को सख्त सजा मिले, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। फिलहाल पुलिस दोनों मामलों को गंभीरता से लेकर जांच में जुटी है।

मुकरेड़ा अंडरपास में जलजमाव से हाहाकार

- ग्रामीणों का रेलवे प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन, रोज हो रही हैं दुर्घटनाएं

प्रात : किरण संवाददाता

रिविलगंज (छपरा)। छपराझबलिया रेलखंड के ब्रह्मपुर ढाला के पश्चिम स्थित मुकरेड़ा 54 नंबर रेलवे अंडरपास में लगातार जलजमाव और बढ़ती दुर्घटनाओं से आक्रोशित ग्रामीणों ने सोमवार को रेलवे प्रशासन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह अंडरपास छपराझसिवान और छपराझबलिया मुख्य मार्ग को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रास्ता है, जिससे प्रतिदिन सैकड़ों वाहन और हजारों राहगीर गुजरते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष भर अंडरपास में कमर तक पानी भरा रहता है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी होती है। अब तक कई राहगीर, महिलाएं और स्कूली बच्चे फिसलकर गिर चुके हैं, जिससे कई लोगों के हाथ-पैर टूट चुके हैं। वहीं कई लोगों के मोबाइल फोन भी पानी में गिरकर खराब हो गए हैं। लगातार हो रही इन दुर्घटनाओं से स्थानीय लोगों में गहरा रोष व्याप्त है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण यह गंभीर समस्या बनी हुई है। उन्होंने रेल प्रशासन से इस समस्या के तत्काल और स्थायी समाधान की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे सड़क जाम कर उग्र आंदोलन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह रेल प्रशासन की होगी। स्थानीय ग्रामीण पप्पू सिंह, उपमुखिया रोहित कुमार सिंह सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि इस मार्ग से रोजाना हजारों लोग गुजरते हैं। आसपास के दर्जनों गांवों के लोग और स्कूली बच्चे इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। ऐसे में कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है।

सांसद सिग्रीवाल ने संसद में अटल पेंशन की उठाई आवाज, वित्त मंत्री ने पांच साल का दिया ब्यौरा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान वित्त मंत्री से सवाल करते हुए पूछा अटल पेंशन योजना की मांगी जवाब।

बताते चले कि महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान तारांकित प्रश्न संख्या 12 के तहत भारत सरकार के माननीया वित्त मंत्री से सवाल करते हुए पूछा कि देश में अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के अबतक कुल कितने लाभार्थी है और विगत पांच वर्षो के दौरान बिहार में कितने नये नामांकन हुए है। साथ ही सांसद सीग्रीवाल ने माननीया वित्त मंत्री से यह भी सवाल पूछा कि विशेष कर बिहार में अटल पेंशन योजना में महिलाओं की भागीदारी में कोई उल्लेखनीय वृद्धि हुए है और यदि हां तो तत्संबंधी व्योरा क्या हैं। उपर्युक्त प्रश्नों का जवाब देते हुए माननीया वित्त मंत्री ने बताया कि अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का शुभारंभ दिनांक 9 मई 2015 को किया गया था एवं दिनांक 31 अक्टूबर 2025 की स्थिति के अनुसार अटल पेंशन योजना अंतर्गत देश भर में सकल नामांकन 8 करोड़ 34 लाख 13 हजार 738 है और बिहार में अटल पेंशन योजना के सकल नामांकन 73 लाख 44 हजार 480 है जिसमे महिलाओं का सकल नामांकन 42 लाख 7 हजार 233 है जो कि कुल सकल नामांकन का 57.28 % हैं ' विगत पांच वर्षो के दौरान बिहार में कितने नये नामांकन के संबंध में प्रश्न के जवाब में माननीया वित्त मंत्री ने बताया कि अनुबंध में इसका विवरण दिया गया हैं '

दारौंदा में विकास की कहानी लिखेगा झोर खीरों

प्रात : किरण संवाददाता

दारौंदा/ प्रखंड का झोर क्षेत्र, जिसे दारौंदा का मुख्य जल-संचय क्षेत्र माना जाता है, वर्षों से उपेक्षा का दंश झेल रहा है। जल जमाव के कारण हर साल सैकड़ों एकड़ में लगे फसलों को नुकसान होता है। इसके तलहट्टी में गाद और जल निकासी के रास्ते के अवरुद्ध होने की वजह से यहां के किसान बर्बाद हो चुके हैं। दारौंदा प्रखंड का झोर दस से अधिक पंचायतों के लिए समस्या बन चुका है मगर एक भागीरथी प्रयास झोर को जीवनदायनी में बदल सकता है।

जल जमाव से निजातः दारौंदा अंचल का थाना नं. 188 में करीब 88 बिगहे में झोर बेचिरागी गांव है मतलब बिना आबादी वाला गांव है। इसके आलावा सैकड़ों एकड़ जमीन इसके तल क्षेत्र में कास्तकारी भी है। जो अलग अलग मौजे (राजस्व गांव) में है। यह आसपास के लोगों के लिए ताल खिरो है। बढ़ती आबादी जल निकासी क्षेत्र में अवरोध ने इसके अस्तितत्व पर संकट खड़ा कर दिया है। दारौंदा में जल निकासी के लिए लंबे समय से लड़ाई लड़ रहे दारौंदा के बीरेंद्र ठाकुर बताते हैं कि दारौंदा में ताल खिरो या झोर पश्चिम से पूर्व क्षेत्र में बहाव है। इसके दोनों तरफ दारौंदा अंचल के कई गांव है जिनका बरसाती पानी झोर में आकर गिरता है पहले जिसके लिए अलग अलग बांध, पईन, नहर, नाला पुल पोखरा पोखरी था जिससे होते हुए पानी झोर तक पहुंच जाता था मगर अब ये सारे रास्ते अवरुद्ध हो गये हैं। झोर का तलहट्टी लंबे समय से सफाई नहीं होने से गाद से भर गया है जिससे जल संचय झोर में कम हो रहा है जिसका सबसे ज्यादा खामियाजा पांच से अधिक पंचायतों के लोगों को हो रहा है जिसमें हड़सर, सिरसांव, कोड़ाडी कला, जलालपुर, रमसापुर, कोथुआ सारंगपुर और रुकुंदीपुर के कई क्षेत्रों में सालों भर जल जमाव रहता है। साल दो साल में एक या दो फसल ही उपज पाता है। जल निकासी नहीं होने से दारौंदा प्रमुख मुख्यालय तक पानी में डूबा रहता है। प्रखंड मुख्यालय के चारों तरफ अभी भी जल जमाव है जो वैक्टर जनित रोगों को दावत दे रहा है। सिरसांव पंचायत, कोडारी पंचायत समेत कई पंचायतों के कई गांव अभी पानी में डूबे हुए हैं कई लोगों के घरों तक आज भी पानी निकासी नहीं होने की वजह से बाढ़ जैसे हालात हैं मगर यहां के लोगों की यह नियती बन चुकी है। यहां के लोग यह मान चुके हैं कि चार पांच महीने में पानी सूख जायेगा। झोर खिरो क्षेत्र के सिर्फ पईन नाला नहर पुल पुलिया की सफाई, झोर की तल क्षेत्र की सफाई मात्र हो जाने से यहां के लोगों की जिन्दगी बदल जायेगी। खेती और स्थानीय लोगों के जीवन स्तर पर भी बदलाव होगा। जो झोर आज समस्या है वह रोजी-रोटी का जरीया बन जायेगा।

पंयायतें लिख सकती है बदलाव की कहानी

झोर के आस पास की पंचायते चाहें तो झोर के माध्यम से विकास की कहानी गढ़ सकते हैं मगर दुरदर्शिता का आभाव समस्या की जड़ में है। बिहार के बेगूसराय की पायल पंडित की तरह यहां की लड़कियां भी जलपरी बन सकती है। तैराकी के क्षेत्र में दुनिया भर में सीवान का नाम रौशन कर सकती है ओलंपिक में छा सकती हैं अगर स्थानीय पंचायतें अपने निधी से यहां स्विमिंग क्लब और स्विमिंग क्षेत्र विकसित कर दें। यह धीरे धीरे विकसित होकर क्षेत्र के युवाओं को उच्च स्तरीय खेल प्रशिक्षण केंद्र के तौर पर विकसित हो सकता है।

बोटिंग क्लबः झोर में स्थानीय पंचायतें व जिला परिषद् क्षेत्र के जनप्रतिनिधी अपने निधी से बोटिंग की व्यवस्था कर दें तो स्थानीय स्तर पर पंचायतों को राजस्व की प्राप्ति भी होगी और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा भी मिलेगा। जिले भर से लोग यहां आयेंगे दारौंदा एक पिकनिग स्पार्ट की तर्ज पर विकसित हो जायेगा।

फिशरी (मत्स्य) पालन व प्रशिक्षण केंद्रः जिले के युवाओं को मत्स्य पालन केंद्र के तौर पर दारौंदा के झोर क्षेत्र को विकसित किया जा सकता है। जिले के मत्स्य पालन केंद्र की मदद व स्थानीय मत्स्य पालकों की मदद से इसे पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर विकसित किया जा सकता है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार व प्रशिक्षण मिलेगा।

मैरिन ड्राइव की तर्ज पर सड़केः झोर के दोनों तरफ सड़कों का निर्माण कर दारौंदा की सुरत बदली जा सकती है। इससे दारौंदा का विकास होगा। सड़कों पर लगने वाले दुकानों से संबंधित पंचायतों को राजस्व भी आयेगा। कई गांवों का कायाकल्प हो जायेगा। किसानों को इसका सीधा फायदा होगा। ऊजांय और चिंतामनपुर में बने संस्थानों को भी इसका लाभ मिलेगा। क्योंकि झोर के क्षेत्र में ही उजांय गांव में आईटीआई कॉलेज, प्लस टू स्कूल तो चिंतामनपुर में जिले का निजी क्षेत्र का पहला मेडिकल कॉलेज है। यहां के लोगों को झोर के विकास का फायदा मिलेगा। इनके आस पास के जो गांव बदहाल हैं जैसे लोपर, रमसापुर, पिपरा, सिरसांव मठिया, हड़सर, धनौती, कोथुआं, अभुई, डुमरी, चिंतामनपुर बैदापुर बिशुनपुरा जैसे गांव आबाद और विकसित गांवों की श्रेणी में आ जायेंगे।

हरिहरनाथ महोत्सव का भव्य आगाज

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला के अवसर पर प्रशासन सारण और कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय हरिहरनाथ महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव 01 दिसंबर से 02 दिसंबर 2025 तक चलेगा। महोत्सव का उद्घाटन सोमवार को शाम 06:00 बजे अपराह्न हरिहर नाथ मंदिर परिसर, सोनपुर में किया जाएगा। उद्घाटनकर्त्ता एवं मुख्य अतिथि बिहार सरकार के मंत्री कला संस्कृति एवं युवा विभाग अरुण शंकर प्रसाद होंगे। प्रशासन की पहल, संस्कृति का संगम यह आयोजन प्रसिद्ध सोनपुर मेला, जिसे हरिहर क्षेत्र मेला भी कहा जाता है, की सांस्कृतिक महत्ता को बढ़ावा देने की दिशा में जिला प्रशासन, सारण की एक महत्वपूर्ण पहल है। यह ऐतिहासिक मेला जो धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से बेहद खास माना जाता है, अब एक विशाल महोत्सव का रूप ले चुका है। प्रशासन इस आयोजन के माध्यम से लोक कला और परंपरा को जीवंत बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, जिसके लिए विभिन्न मंचों पर कलाकारों की शानदार प्रस्तुति की जाती है।यह महोत्सव श्रद्धालुओं को हरिहरनाथ मंदिर में दर्शन के साथ - जो कि गंगा और गंडक नदी के संगम तट पर स्थित है - साथ ही मनोरंजन और संस्कृति का अद्भुत संगम भी प्रदान करेगा।

विदाई समारोह आयोजित कर शिक्षक को किया गया सम्मानित

- मुख्य अतिथि ने कहा- श्री मिश्र शिक्षा का दीप जलाने के प्रति थे दृढ़ संकल्पित

प्रात : किरण संवाददाता

मांझी। मांझी प्रखण्ड के सोनबरसा मठिया प्राथमिक विद्यालय परिसर में सोमवार को शिक्षक मंगलेश्वर मिश्र के सेवानिवृत्त होने पर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रिटायर्ड शिक्षक मुरलीधर सिंह ने समारोह की अध्यक्षता व शिक्षक विजेन्द्र तिवारी ने संचालन किया। समारोह की शुरूआत विद्यालय की छात्राओं द्वारा विदाई गीत के साथ हुई। आयोजकों ने अतिथियों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया। मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षक मंगलेश्वर मिश्र का शैक्षणिक सेवाकाल बेहद ही प्रशंसनीय रहा वे विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर हमेशा दृढ़ संकल्पित रहे। उन्होंने कहा की श्री मिश्र छात्रों को शिक्षा और संस्कारों के प्रति शिक्षकों तथा अभिभावकों को हमेशा जागरूक करते रहते थे। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विभा रानी ने कहा कि सबको एक न एक दिन सेवानिवृत्त होना ही है शिक्षक का बेदाग सेवानिवृत्त होना बहुत बड़ी बात है। शिक्षक नागेन्द्र कुमार ने कहा कि उन्हें शिक्षक मंगलेश्वर मिश्र से बहुत कुछ सीखने को मिला।अपने सम्बोधन में सेवानिवृत्त शिक्षक मंगलेश्वर मिश्र विदाई समारोह में भावुक हो गये। उन्होंने कहा कि सबों के सहयोग से विद्यालय के लिए बेहतर कार्य किया। समारोह को उदय शंकर गुड्डू, सकलदीप सिंह,उमेश यादव,तारकेश्वर नंद तिवारी,संजय कुमार सिंह,सविता कुमारी,रीना कुमारी,संजीव कुमार तथा ब्रजेश कुमार आदि ने भी सम्बोधित किया।

बगहा पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 192.24 लीटर विदेशी शराब बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। मधनिषेध अभियान के तहत बगहा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पिपरासी थाना को मिली गुप्त सूचना के आधार पर शराब की सप्लाई करने वाले तस्करों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सूचना के अनुसार उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले से गंडक नदी के रास्ते भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब की खेप बगहा की ओर भेजी जा रही थी। पिपरासी थानाध्यक्ष ने तत्काल वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराते हुए टीम गठित की और रात में ही नदी किनारे थेरोटिकर मार्ग पर घेराबंदी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ और तलाशी में उसके कब्जे से 192.24 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई। मौके से कई कार्टन भी जब्त किए गए, जिनमें अलगझअलग ब्रांड की विदेशी शराब भरी थी। पुलिस ने तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है और पिपरासी थाना प्रभारी के द्वारा मामला दर्ज करते हुए आगे की विधि-सम्मत कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अगली किस्त नहीं देना अत्यंत ही गंभीर मामलाः डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। समाहरणालय सभागार में आयोजित सोमवारीय बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने विभिन्न विभागों की कार्यप्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत लाभुकों को समय पर किस्त भुगतान में हो रही लापरवाही पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की। जिला पदाधिकारी ने कहा कि निर्धारित कार्य पूरा कराने के बावजूद अगर लाभुकों को अगली किस्त प्रदान नहीं की जा रही है, तो यह अत्यंत गंभीर लापरवाही है। यह सरासर एक अनियमितता का संकेत है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे आवास सहायक एवं आवास पर्यवेक्षक, जो जानबूझकर किस्त भुगतान में देरी करते हैं, उनके वेतन की निकासी तत्काल प्रभाव से रोक दी जाय और उन सभी से शोकॉज भी किया जाय।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि दोषी प्रखंड विकास पदाधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिला पदाधिकारी ने कहा कि पंचायत सरकार भवनों के निर्माण कार्य में मानक पालन नहीं होने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। उन्होंने जिला पंचायती राज पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी निमार्णाधीन भवनों का नियमित निरीक्षण कराएं और जहाँ भी मानक से विचलन दिखे, वहाँ संबंधित अधिकारियों, अभियंताओं तथा संवेदकों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि निम्नस्तरीय निर्माण बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बालू घाटों पर अनियमितता और अवैध गतिविधियों को लेकर उन्होंने जिला खनिज पदाधिकारी को लगातार छापेमारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई अनिवार्य रूप से की जाए। पृच्छा के क्रम में संतोषजनक जवाब नहीं देने, कार्य में लापरवाही, कोताही बरतने को लेकर जिला खनिज पदाधिकारी को शोकॉज करने का निर्देश जिला पदाधिकारी द्वारा दिया गया।भूमि-अधिग्रहण से जुड़े मामलों पर उन्होंने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सड़क निर्माण हेतु अधिग्रहित भूमि का भुगतान रैयतों को समय पर हर हाल में मिले।

उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान करने हेतु विभिन्न प्रखंडों में कैंप आयोजित किए जाए ताकि रैयतों की शिकायतें स्थल पर ही दूर की जा सके। बच्चों की सुरक्षा, पोषण और संरक्षण से संबंधित परवरिश योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने डीपीओ, आईसीडीएस को निर्देश दिया कि जिले के सभी पात्र बच्चों को जल्द से जल्द लाभानिवत करना सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने परिवहन, धान अधिप्राप्ति, विद्युत, मद्य निषेध, शिक्षा, योजना, डीआरसीसी, कृषि, मत्स्य, श्रम, खेल, स्वास्थ्य, भवन निर्माण, पथ निर्माण, आरडब्ल्यूडी, एलएईओ, भविष्य निधि तथा अन्य सभी विभागों की प्रगति का विस्तार से समीक्षा किया। परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि विभागीय राजस्व प्राप्ति का निर्धारित लक्ष्य हर हाल में समय पर पूरा किया जाए।

राजगीर से लौट बच्चों से लदी स्कूली वैन मशरक में पलटी, दो घायल

प्रात : किरण संवाददाता

मशरक। राजगीर से गोपालगंज लौट रही स्कूली बच्चों से भरी वैन एन एच 227 ए मशरक के यदु मोड़ के पास सोमवार को अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे वैन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया । वही वैन में सवार एक स्कूली बच्चा और चालक घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बहुत बड़ा हादसा टल गया अन्यथा छोटे से वैन में 14 स्कूली बच्चे थे कोई बड़ा वाहन उस बजट गुजरता तो अनहोनी हो सकती थी। हादसे में घायल वाहन चालक गोपालगंज जिले के पथरा गांव निवासी अरमान अली पिता हबीबुसा है वहीं घायल छात्र अजय कुमार उम्र 13 वर्ष पिता राजेंद्र साह हैं। घायलों ने बताया कि सभी बच्चे ए पी जे अब्दुल कलाम विद्यालय पथरा गोपालगंज से राजगीर घूमने गए थे । मशरक होकर गोपालगंज वापस लौट रहे थे तभी मशरक के यदु मोड़ के पास अनियंत्रित तेज रफ्तार गाड़ी से बचने के दौरान यह हादसा हो गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस टीम ने सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरक पहुंचाया। पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में लाकर तहकीकात शुरू की।

जर्जर वैन से बच्चे लौटे गोपालगंज , पुलिस रही मूकदर्शकः दोपहर बाद मशरक अस्पताल से जब बच्चों को इलाज के बाद छोड़ा गया तो चालक ने थाना से वैन वापस लाकर उसी दुर्घटनाग्रस्त वैन से 14 बच्चों को बैठा गोपालगंज ले गया।

सेवानिवृत्त शिक्षिका को दी गई भावभीनी विदाई

तरैया (सारण)। प्रखंड के मध्य विद्यालय गवन्द्री में पदस्थापित शिक्षिका कुमारी शान्ति 30 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त हो गई। विद्यालय से उनके सेवानिवृत्त होने के पश्चात प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष महेश्वर सिंह के नेतृत्व में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सेवानिवृत्त शिक्षिका कुमारी शान्ति को भावभीनी विदाई दी गई। शिक्षक संघ के अध्यक्ष महेश्वर सिंह ने बताया कि शिक्षिका कुमारी शान्ति की नियुक्ति वर्ष 2006 में नियोजित शिक्षिका के रूप में हुई थी। 30 नवंबर 2025 को वह 60 वर्ष आयु पुरी कर सेवानिवृत्त हो गई। इस दौरान अन्य शिक्षकों व गण्यमान्य व्यक्तियों ने सेवानिवृत्त शिक्षिका को अंगवस्त्र व फूल मालाओं से सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

संक्षिप्त खबरें

बॉर्डर इलाके से गायब हो रही हैं बेटियां, मामला पहुंचा मानवाधिकार आयोग

मुजफ्फरपुर ।विगत छह माह के अंदर राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों से 100 से ज्यादा लड़कियों के गायब होने का मामला मानवाधिकार आयोग पहुंच गया है। मामले में मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस.के.झा ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग व बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग में दो अलग-अलग याचिका दायर की है। उन्होंने बताया कि अपने देश के अलावा नेपाल, चीन, ब्राजील, सऊदी अरब में करोड़ों में ह्यबेटियांह्न बेची जा रही है। मोतिहारी से सटे भारत-नेपाल बॉर्डर वाले क्षेत्रों में इस प्रकार की घटना को अंजाम देने वाले तस्कर काफी संख्या में सक्रिय हैं।अधिवक्ता श्री झा ने कहा कि जुलाई महीने में रक्सौल से 10, रामगढ़वा से 3, आदापुर से 4, अगस्त महीना में रक्सौल अनुमंडल के भेलाही, कौड़ीहार सहित विभिन्न स्थानों से 18, सितम्बर माह में पूरे अनुमंडल के विभिन्न स्थानों से एक विवाहिता सहित 17, अक्टूबर माह में 15 और नवंबर माह में 15 सहित कुल 83 लड़कियां गायब हुई हैं।नशा कारोबारियों द्वारा लड़कियों का इस्तेमाल नशीले पदार्थ की तस्करी में किया जाता है।इसके अलावा भारत के जम्मू-कश्मीर, पांडिचेरी, चीन, सऊदी अरब, दुबई समेत गल्फ कंट्री, अर्जेंटीना जैसे देशों में शादी कराकर बच्चा पैदा करने, ह्यजेनरेशन चेंजह्न कराने, बच्चे को दूध पिलाने तथा देह व्यापार जैसे कार्यों के लिए भी लड़कियों को फंसाकर विदेश भेज दिया जाता है। शादी तथा बॉडी पार्ट्स की खरीद-फरोख्त के लिए भी लड़कियों की बड़े पैमाने पर विदेशों में तस्करी किए जाने का खुलासा हुआ है।6 माह में सीमा क्षेत्र से 100 से अधिक लड़कियां गायब हो चुकी हैं।बॉर्डर पर सक्रिय अपने देश के अलावा नेपाल, चीन, ब्राजील, सऊदी अरब आदि देशों के मानव तस्करों के सिंडिकेट इन लड़कियों को ऊंचे मूल्य पर बेच कर लाखों-करोड़ों रुपए का मुनाफा कमाते हैं।पिछले दिनों इनमें से महज एक दर्जन लड़कियों को रेस्क्यू किया गया था,शेष अब भी लापता हैं।रेस्क्यू की गई लड़कियों में चार लड़कियाँ एक ही परिवार की थी। लगातार ऐसी घटनाओं के घटने से बॉर्डर क्षेत्र के परिजनों के बीच डर और खौफ का माहौल व्याप्त है।विदित हो कि मामले के सम्बन्ध में मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस.के.झा द्वारा राष्ट्रीय व राज्य मानवाधिकार आयोग में दो अलग-अलग याचिका दायर की गई है।मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा ने कहा कि यह मामला काफी संवेदनशील व मानवता को शर्मसार करने वाला है।साथ ही यह पुलिस की कार्यशैली और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवालिया निशान खड़ा करता है।श्री झा द्वारा आयोग से मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग भी की गई है।

ओम प्रकाश ठाकुर की याद में स्मृतिसभा का आयोजन

मुजफ्फरपुर ।सोमवार को मालीघाट में स्वर्गीय ओम प्रकाश ठाकुर की याद में स्मृतिसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कीअध्यक्षता सरला श्रीवास सामाजिक सांस्कृतिक शोध संस्थान के संरक्षक शैलेंद्र ठाकुर ने की। स्मृतिसभा में ओम प्रकाश ठाकुर के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया एवं दिवंगत आत्मा के शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण किया गया।शैलेंद्र ठाकुर ने बताया की परंपरागत कार्य करते हुए ओम प्रकाश ठाकुर ने गांव समाज में काफी लोकप्रियता हासिल की।परफेक्ट सोल्यूशन सोसाइटी के सचिव अनिल कुमार ठाकुर ने बताया की न्याय व हक के लिए हमेशा आवाज बुलंद करने वाले ओम प्रकाश ठाकुर असल में एक सामाजिक योद्धा थे।सरला श्रीवास सामाजिक सांस्कृतिक शोध संस्थान के संयोजक लोक कलाकार सुनील सरला ने बताया कि अपने जीवनकाल में ओम प्रकाश ठाकुर ने काफी ख्याति अर्जित की।उनका देहांत 19 नवंबर 2025 को हो गया।सरला श्रीवास सामाजिक सांस्कृतिक शोध संस्थान के मुख्य संरक्षक ओम प्रकाश ठाकुर के संरक्षण में यादों के जश्न के माध्यम से देश समाज के महापुरषों को पुरखा पुरनिया संवाद सह सम्मान कार्यक्रम के माध्यम से श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाता था। उनकी इच्छा थी की सामाजिक सांस्कृतिक आयोजन के लिए मालीघाट में सामुदायिक भवन का निर्माण हो।स्वर्गीय ओम प्रकाश ठाकुर के स्मृतिसभा में बसंत ठाकुर, लखन ठाकुर,सुधीर ठाकुर,निरंजन ठाकुर,रघुनाथ ठाकुर,गणेश ठाकुर,राजमंगल ठाकुर, रमेश ठाकुर, शिवनाथ ठाकुर, राजेश ठाकुर, मुकेश ठाकुर, राजीव ठाकुर, आनन्द कुमार ठाकुर, परशुराम ठाकुर, प्रभात कुमार ठाकुर,गोविन्द कुमार, सुमन कुमारी, लोक गायिका अनिता कुमारी आदि थे , मालती देवी, सुशीला देवी मुख्य रूप से मौजूद थे।

मधुबनी का 53वां जिला स्थापना दिवस सह मधुबनी महोत्सव धूमधाम से शुरू

➤ प्रभात फेरी, माल्यार्पण, विकास मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उत्सव को बनाया आकर्षक

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। मधुबनी जिला के 53वें स्थापना दिवस सह मधुबनी महोत्सव की शुरूआत मंगलवार को उत्साह और उमंग के साथ हुई। प्रातःकालीन प्रभात फेरी और महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के साथ दो दिवसीय कार्यक्रमों का आगाज किया गया। उप विकास आयुक्त सुमन प्रसाद के नेतृत्व में वॉटसन स्कूल मैदान से निकली प्रभात फेरी थाना चौक, स्टेशन होते हुए नगर भवन में जाकर समाप्त हुई। ह्लस्वच्छ मधुबनी, स्वस्थ मधुबनी, सुंदर मधुबनीह्व के नारे और ढोल-नगाड़ों की थाप से पूरा शहर सुबह-सुबह गुंजायमान हो उठा। बड़ी संख्या में बच्चे, अधिकारी और आमजन इस आयोजन में शामिल हुए। नागरिकों ने अपने घरों की छतों से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।प्रभात फेरी के उपरांत महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। बापू, कवि कोकिल विद्यापति तथा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर उप विकास आयुक्त, एसडीओ सदर, कोषागार पदाधिकारी, ड-ाढफ्ह सहित वरीय अधिकारियों और समाजसेवियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।मुख्य समारोह का शुभारंभ आयुक्त दरभंगा प्रमंडल कौशल किशोर, पुलिस अधीक्षक योगेन्द्र कुमार तथा वरीय अधिकारियों ने वॉटसन स्कूल परिसर में केक काटकर, फीता काटकर एवं गुब्बारा गुच्छ उड़ाकर किया। मुख्य समारोह के लिए विशाल पंडाल का निर्माण किया गया था, जिसमें 21 विभागों द्वारा कुल 28 स्टॉल लगाए गए। विकास मेला में विभिन्न विभागों ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित किया। आईसीडीएस स्टॉल पर आयुक्त द्वारा बच्चों का अन्नप्राशन एवं गोदभराई कार्यक्रम संपन्न कराया गया। वहीं आपदा प्रबंधन विभाग के स्टॉल पर एसडीआरएफ की टीम ने मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा से बचाव के उपायों की जानकारी दी तथा संबंधित पुस्तिकाओं, फोल्डरों और पम्पलेट्स का वितरण किया।सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों ने अपनी अद्भुत कला और प्रस्तुति से दर्शकों को प्रभावित किया। इसके अलावा विभिन्न विभागों–स्वास्थ्य, परिवहन, सामाजिक सुरक्षा, विद्युत, सहकारिता, कृषि, उद्यान, पंचायत, स्वच्छ बिहार अभियान आदि–के स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने। सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र द्वारा ह्लस्वच्छ मधुबनी, स्वस्थ मधुबनीह्व विषय पर बनाई गई सैंड आर्ट की आयुक्त ने विशेष प्रशंसा की। आयुक्त कौशल किशोर ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण कर विभागीय उपलब्धियों की जानकारी भी ली।अपने संबोधन में आयुक्त ने जिलावासियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मधुबनी कला, संस्कृति, संगीत और चित्रकला की समृद्ध परंपरा के लिए देश-विदेश में विख्यात है। उन्होंने बताया कि जिला निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। इंजीनियरिंग कॉलेज के निर्माण के बाद अब मेडिकल कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों का निर्माण तेजी से हो रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन और जनसहभागिता के सहयोग से मधुबनी निश्चित रूप से विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगा।

उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में लोग, स्कूली बच्चे, पुरुष-महिलाएं तथा सभी वरीय अधिकारी उपस्थित र-हे। समारोह के अगले चरण में दोपहर बाद बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।

मधुबनी स्थापना दिवस पर कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न, मधुबनी टीम 20-13 से विजेता

■ जिला खेल पदाधिकारी ने खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी व प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जिले के 53वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज वाटसन उच्च विद्यालय परिसर स्थित खेल भवन सह व्यायामशाला में बालकों का कबड्डी मैच आयोजित किया गया। रोमांचक मुकाबले में मधुबनी टीम ने जयनगर को 20झ13 के अंतर से पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।मधुबनी टीम के खिलाड़ियों में रमन कुमार यादव, सूरजभान सिंह, प्रिंस झा, आशीष कुमार, साकेत कुमार, मेराजुद्दीन, गंगेश कुमार, सरोज कुमार, विजय कुमार, सुधांशु कुमार तथा राजन सिंह शामिल रहे। वहीं जयनगर टीम से आदित्य कुमार, दुष्यंत कुमार, मोनू कुमार, मोहम्मद रेहान, प्रेमसागर, रंजन कुमार, अंकुश कुमार, चंद्रभूषण, आयुष कुमार तथा भोलू कुमार ने भाग लिया। स्कोरर की भूमिका मुस्कान कुमारी और भारती कुमारी ने निभाई।

कार्यक्रम का उद्घाटन एवं समापन जिला खेल पदाधिकारी श्री नीतीश कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। मौके पर संबोधित करते हुए श्री कुमार ने कहा कि स्थापना दिवस खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है, जिससे वे भविष्य में खेल क्षेत्र में नई ऊचाइया प्राप्त कर सकेंगे।इस अवसर पर खेल शिक्षक सुनील कुमार ठाकुर, राकेश कुमार गुड्डु, कैलाश कुमार, नवनीत कुमार, सचिनद्र कुमार, मधुबनी खेल कार्यालय के अभिषेक कुमार, हरेराम सिंह, राकेश रोशन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मधुबनी पुलिस का विशेष अभियान 43 अभियुक्त गिरफ्तार 18 वारंट व 120 सम्मन का निष्पादन

■ अपराध नियंत्रण में बड़ी कार्रवाई, शराब बरामदगी और वाहनों से 1.27 लाख जुमार्ना वसूला

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जिला पुलिस ने 30 नवम्बर 2025 को चलाए गए विशेष अभियान में बड़ी उपलब्धि दर्ज करते हुए कुल 43 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस महानिदेशक, बिहार, पटना के आदेश तथा पुलिस अधीक्षक, मधुबनी के निर्देशन में इस अभियान को गंभीर आपराधिक मामलों जैसे हत्या, लूट, डकैती, बलात्कार एवं पुलिस पर हमले–में कुर्की-जब्ती और लंबित प्रक्रियाओं के निष्पादन पर केंद्रित किया गया था। अभियान के दौरान 18 वारंट 10 इश्तेहार तथा 120 सम्मन का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। गिरफ्तार किए गए 43 अभियुक्तों में 06 शराब व्यवसाय से जुड़े आरोपी 17 वारंटी हत्या के प्रयास के 03 आरोपी महिला उत्पीड़न मामलों के 02 आरोपी हत्या के मामलों में 02 गिरफ्तारी तथा अन्य कांडों में 13 अभियुक्त शामिल हैं।अपराध नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस ने जिले में सघन वाहन जांच अभियान भी चलाया। इस दौरान कुल 71 वाहनों से 1,27,000 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। इसके अतिरिक्त जिले में 1257 लीटर देशी व विदेशी शराब, 01 चारपहिया वाहन, 05 मोटरसाइकिल और 01 स्कूटी भी बरामद की गई।मधुबनी पुलिस का यह अभियान जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने और लंबित मामलों के निपटारे की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अवैध हथियार मामले में जनक महतो को तीन वर्ष की सजा

■ सकरी थाना कांड 46/22 में मधुबनी पुलिस को मिली बड़ी सफलता

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी । अवैध हथियार बरामदगी के एक महत्वपूर्ण प्रकरण में मधुबनी पुलिस की तत्परता और सशक्त अनुसंधान को न्यायालय ने स्वीकार किया है। प्रस्तुत साक्ष्यों एवं समय पर दाखिल की गई चार्जशीट के आधार पर अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी, मधुबनी ने सकरी थाना कांड संख्याझ46/22, धारा (1-बि) ए/26 आर्म्स एक्ट के आरोपित जनक महतो, पिताझबेचन महतो, निवासीझकोतवाली चौक, थानाझ नगर, जिलाझमधुबनी को तीन वर्ष का सश्रम कारावास एवं 2,000 रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है।अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक आकाश राठी एवं राजीव कुमार सहनी ने प्रभावी पैरवी करते हुए न्यायालय के समक्ष मामले के सभी पहलुओं को मजबूती से रखा। पुलिस द्वारा जुटाए गए साक्ष्य, जब्ती सूची, फॉरेंसिक रिपोर्ट तथा गवाहों के बयान मामले की पुष्टि में महत्वपूर्ण साबित हुए। न्यायालय ने माना कि अभियुक्त के विरुद्ध प्रस्तुत प्रमाण आरोप सिद्ध करने के लिए पर्याप्त हैं।मधुबनी पुलिस ने इस निर्णय को कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई और प्रभावी अभियोजन से अपराध पर नकेल कसने में मदद मिलेगी।

सकरी में हुई हत्या का उद्भेदन: सात दिनों में दो आरोपी गिरफ्तार

➤ जमीन विवाद और अवैध संबंध बना हत्या का कारण, एसआईटी की त्वरित कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। सकरी थाना क्षेत्र में 24 नवंबर को हुई अजीत मंडल उर्फ गुड्डू की हत्या मामले में मधुबनी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने घटना के सात दिनों के भीतर इस कांड में संलिप्त दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों में मो० चांद (निवासी–नारायणपुर, थाना मनीगाछी, दरभंगा) तथा आनंद कुमार मंडल (निवासी–सागरपुर, थाना सकरी, मधुबनी) शामिल हैं।घटनास्थल भवानीपुर पछियारी बधार में खेत से 24 नवंबर को मृतक का शव बरामद किया गया था। सूचना पर सकरी थाना पुलिस तत्क्षण मौके पर पहुँची और पहचान के बाद मृतक के परिजन के आवेदन पर सकरी थाना कांड संख्या 224/25 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मधुबनी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदरझ 01 के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया।एसआईटी ने तकनीकी निगरानी और मानवीय आसूचना के आधार पर त्वरित पड़ताल शुरू की। जांच के क्रम में दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया गया और उनकी निशानदेही पर दो मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल तथा घटना के समय पहना गया खून लगा कपड़ा बरामद किया गया है।

पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि जमीन की खरीदझ बिक्री से जुड़े पैसों के लेनझदेन और मृतक के आरोपित आनंद मंडल की मां के साथ अवैध संबंध को लेकर चल रहे विवाद में इस हत्या को अंजाम दिया गया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को विधिवत गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

आयुक्त मिथिला क्षेत्र को मधुबनी पुलिस ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। मिथिला क्षेत्र, दरभंगा के आयुक्त महोदय के मधुबनी आगमन पर सोमवार को मधुबनी पुलिस द्वारा राजकीय सम्मान के तहत भव्य गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इस दौरान पुलिस बल के जवान निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप परेड में शामिल हुए और आयुक्त को औपचारिक सलामी दी।आयुक्त महोदय के आगमन को लेकर जिला पुलिस प्रशासन पूर्णतः सतर्क एवं सक्रिय रहा। अधिकारियों ने पूरे कार्यक्रम का सूक्ष्म निरीक्षण किया तथा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए। मौके पर मौजूद वरीय पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह सम्मान प्रशासनिक गरिमा और पुलिस-प्रशासन के बीच समन्वय का प्रतीक है।कार्यक्रम के बाद आयुक्त महोदय ने जिला पुलिस की तत्परता, अनुशासन और उत्कृष्ट व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा लोकहित से जुड़े कार्यों में समन्वित प्रयास जारी रखने की अपील की। मधुबनी पुलिस के अधिकारियों एवं जवानों की उपस्थिति में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

त्रिलोक कुमार ने स्वर्ण पदक जीत रचा इतिहास, 5000 मीटर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में रहे अव्वल

■ जर्मनी के वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज गेम्स में भी भारत का किया प्रतिनिधित्व

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर क्रीड़ा परिषद् के स्विफ्ट धावक त्रिलोक कुमार ने रविवार को खेल जगत में इतिहास रच दिया। कुमार ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 2025 में 5000 मीटर एथलेटिक्स इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय एवं मिथिलांचल की ख्याति राष्ट्रीय पटल पर दर्ज कर दी। ध्यातव्य हो, यह पहला मौका है जब इस विश्वविद्यालय ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि से समूचे विश्वविद्यालय परिवार में गौरव और प्रसन्नता की लहर है। यूनिवर्सिटी कंटिजेंट मैनेजर मनीष राज ने इस संबंध में बताया कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का आयोजन राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के सात शहरों (जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और भरतपुर) में 24 नवंबर से 5 दिसंबर, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की कुल तीन टीमें क्रमशः जोधपुर में टेबल- टेनिस महिला टीम, बीकानेर में कबड्डी महिला टीम तथा जयपुर में एथलेटिक्स पुरुष टीम अपने-अपने मुकाबलों में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। इसी कड़ी में स्वर्ण पदक अपने नाम करने वाले धावक त्रिलोक कुमार इससे पूर्व जर्मनी में आयोजित वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। निसंदेह उनका अनुभव भी इस प्रतियोगिता में पदक जीतने हेतु सहायक सिद्ध हुआ।इस ऐतिहासिक जीत पर कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी ने अपनी प्रसन्नता अभिव्यक्त करते हुए कहा कि त्रिलोक कुमार की उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। कुलपति ने कुमार को टेलीफोनिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अन्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने का आशीर्वचन प्रेषित किया। उन्होंने स्वर्ण पदक को खेल जगत के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का परिणाम माना। इस मांगलिक अवसर पर विश्वविद्यालय अधिकारियों ने भी त्रिलोक कुमार को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए जीत की श्रृंखला को लगातार जारी रखते हुए सामूहिक समर्पण, अनुशासन और मेहनत से आगे बढ़ने की सलाह दी। विश्वविद्यालय खेल पदाधिकारी अमृत कुमार झा ने प्रसन्नता व्यक्त करते त्रिलोक कुमार की कड़ी मेहनत, अनुशासन और मानसिक मजबूती को इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि का कारक बताया। त्रिलोक की उपलब्धि विश्वविद्यालय के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में सदैव याद किया जाएगा। श्री झा ने इस उपलब्धि से जुड़े सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, अधिकारियों और सहयोगियों को हृदय से साधुवाद दिया।

मधुबनी जिला स्थापना दिवस पर अयाची नगर युवा फाउंडेशन द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

■ मधुबनी जिला का इतिहास एवं वर्तमान परिस्थिति विषय पर छात्रों ने दिखाया उत्साह

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी । मधुबनी जिला स्थापना दिवस के अवसर पर अयाची नगर युवा फाउंडेशन द्वारा मधुबनी जिला का इतिहास और इनके वर्तमान परिस्थिति विषय पर निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था के रंजन राय ने किया। प्रतियोगिता में वर्ग 9वीं से 12वीं तक के दर्जनों छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने जिले के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक धरोहर तथा वर्तमान परिस्थितियों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर अयाची नगर युवा संगठन के संस्थापक विक्की मंडल ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपने जिले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और सामाजिक परिवेश को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी यदि इतिहास और वर्तमान चुनौतियों से अवगत होगी, तो वह भविष्य में समाज और जिले के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगी।निबंध प्रतियोगिता में परी, मनीसा, स्वस्तिक, काजल, खुशबू, नीलम, लाला, कुणाल सहित कई प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों में उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ आगे भी जारी रहेंगी, जिससे बच्चों में रचनात्मकता, जागरूकता और सामाजिक जुड़ाव को प्रोत्साहन मिलता रहेगा।

मधुबनी जिला अपनी अनोखी सांस्कृतिक पहचान, मिथिला चित्रकला, लोक परंपराओं और ऐतिहासिक महत्व के कारण बिहार का प्रमुख जिला माना जाता है। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों ने इस समृद्ध विरासत को शब्दों में व्यक्त करने का सराहनीय प्रयास किया।

दीक्षारंभ कार्यक्रम में अभिनेत्री सोनल झा ने किया छात्रों से संवाद

मुजफ्फरपुर। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ के दौरान छात्रों में अभिनय कौशल, एवं अन्य साफ्ट स्किल के विकास को लेकर भी प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में बिहार की अभिनेत्री सुश्री सोनल झा ने ड्रामा तथा सिनेमा से संबंधित अभिनय के बारे में छात्रों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि अभिनय में शिक्षा बहुत मदद करती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य की भावनाये अभिनय के मूल है। थियेटर से जुड़े अभिनेता जावेद अख्तर ने भी थियेटर की बारीकियों को लेकर विद्यार्थियों के साथ चर्चा की। थिएटर आर्टिस्ट एवं नृत्यांगना मोना झा ने छात्र एवं छात्राओं को नृत्य की बारिकियों एवं भाव भंगिमाओं की जानकारी दी। कुलपति डॉ पी एस पांडेय ने भी रवि-वार को दीक्षारंभ के दौरान क्लास लिया। उन्होंने छात्रों को दीक्षारंभ के महत्व के बारे में बताया और कहा कि दीक्षारम्भ एक ऐसा प्रशिक्षण है जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का असर वे जीवन भर महसूस कर सकेंगे।दीक्षारंभ में सभी नवांगतुक छात्र छात्राओं को उनकी पसंद के मुताबिक विभिन्न क्लबों से भी जोड़ा गया है। सोमवार को स्पोर्ट्स क्लब, लिटरेरी क्लब, कल्चरल क्लब, आर्ट्स एंड क्राफ्ट क्लब एवं अन्य क्लब से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें छात्र छात्राओं ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। स्पोर्ट्स क्लब में शामिल विद्यार्थियों के लिए तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में फुटबॉल, वालीबाल, एथलेटिक्स एवं अन्य प्रतियोगितायें आयोजित की गई। दीक्षारंभ कार्यक्रम 13 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा जिसका समापन एक वृहत समारोह प्रदक्षिणा से होगा, जिसमें सभी विद्यार्थियों को राष्ट्र सेवा और देशभक्ति से संबंधित शपथ भी दिलाई जाएगी। दीक्षारंभ कार्यक्रम के बाद छात्रों का रेगुलर क्लास शुरू होगा, जिसका एकेडमिक कैलेंडर छात्रों को दीक्षारंभ कार्यक्रम के दौरान ही उपलब्ध करवा दिया गया है।

विभिन्न कॉलेजों में विश्व एड्स दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा।लनामिवि के विभिन्न कॉलेजो में विश्व एड्स दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस के तहद सीएम साइंस कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विश्व एड्स दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो संजीव कुमार मिश्र ने कहा कि एड्स का समाधान मात्र बचाव में निहित है। इसी बचाव के प्रति आमलोगों में जागरूकता फैलाने के लिए एनएसएस सहित विभिन्न स्वयंसेवी इकाई द्वारा एक दिसंबर को विश्व स्तर पर एड्स दिवस आयोजित किया जाता है। नुक्कड़ नाटक के दौरान राहगीरों के साथ प्रधानाचार्य प्रो संजीव कुमार मिश्र, एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी डा युगेश्वर साह सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने दर्शक दीर्घा में खड़े होकर स्वयंसेवकों का उत्साह वर्धन किया। इसके बाद सभी स्वयंसेवकों ने अपने घर से बनाकर लाए विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने की दिशा में काम किया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ युगेश्वर साह के निर्देशन में संपन्न हुआ। मौके पर नुक्कड़ नाटक में भाग लेने वाले स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं काम्या, जोहा, अम्बे, सोनू, शिवम, अंकित, अविनाश, राखी, श्यामा, इकरा एवं मशिरा को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

वही मारवाड़ी महाविद्यालय, दरभंगा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य प्रो लक्ष्मण प्रसाद जायसवाल ने कहा कि आज के युवा वर्ग को एचआईवी,एड्स के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। विश्वविद्यालय के एनएसएस समन्वयक डॉ आर एन चौरसिया के द्वारा एड्स के कारण, लक्षण और बचाव के बारे विस्तार से बताते हुए कहा गया कि एड्स रोगी के प्रति घृणा की भावना नहीं रखनी चाहिए। यदि एड्स रोगी भी परहेज एवं अच्छी

दिनचर्या के साथ रहे तो सामान्य व्यक्ति की तरह जीवन जी सकते हैं। बर्सर डॉ अवधेश प्रसाद यादव ने कहा कि एड्स का पूर्ण इलाज संभव नहीं है, परंतु इसकी जानकारी ही हमें इससे बचा सकती है। स्वागत भाषण डॉ हेना गौहर व धन्यवाद ज्ञापन डॉ प्रिया नंदन ने किया। इस अवसर पर डॉ अरविन्द झा, डॉ संजय कुमार, डॉ गजेन्द्र भारद्वाज, डॉ शकील अख़्तर, डॉ सोनी सिंह, डॉ बीडी मोची, गुरुदेव शिल्पी, डॉ सुषमा भारती, डॉ आशुतोष कुमार, डॉ अमृता सिन्हा, डॉ उजमा नाज तथा आनंद शंकर, एनएसएस के नीलेश, अनिल फैजल, स्मिता, स्मृति, सलोनी, विवेकानंद, आनंद एवं अन्य छात्र-छात्राएँ मौजूद थे।

एल्विश यादव की डेब्यू सीरीज 'औकात के बाहर' का ट्रेलर रिलीज, दिखी कॉलेज की राजनीति और रोमांस

एल्विश यादव ने अपने करियर की शुरुआत बतौर कंटेंट क्रिएटर की थी। वह इंस्टाग्राम, यूट्यूब पर फनी वीडियो बनाते थे। इसके बाद टीवी रियलिटी शो 'बिग बॉस 2' (ओटीटी) का वह हिस्सा बने। इसके बाद 'लाफ्टर शेफ 2' में भी नजर आए। अब एल्विश एक्टिंग में डेब्यू कर चुके हैं। हाल ही में उनकी डेब्यू सीरीज 'औकात के बाहर' का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें वह किसी मंझे हुए एक्टर की तरह एक्टिंग करते दिखे। सीरीज 'औकात के बाहर' के ट्रेलर की शुरुआत में एल्विश यादव का किरदार नजर आता है। जिसका सपना बॉक्सर बनने का है। वह कॉलेज पहुंचता है। यहां उसकी मुलाकात एक सीनियर से होती है। इनके बीच अलग कनेक्शन बनता है। लेकिन आगे कॉलेज की पॉलिटिक्स के चक्कर में एल्विश यादव के किरदारों को काफी कुछ फेस करना पड़ता है।

सीरीज में नजर आए ये एक्टर्स

एल्विश यादव के अलावा सीरीज 'औकात से बाहर' में मल्हार राठौर, निखिल विजय, हेतल गड़ा, रोहन खुराना, केशव साधना जैसे एक्टर्स भी नजर आए। सभी कॉलेज स्टूडेंट्स के रोल में दिखाई दिए। इस सीरीज को तन्मय रस्तोगी ने निर्देशित किया है। यह सीरीज 3 दिसंबर को अमेजन एमएक्सप्लेयर पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज के ट्रेलर को देखकर एल्विश यादव के फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने एल्विश की एक्टिंग और ट्रेलर की तारीफ की है।

निहारिका कोनिडेला ने अपने फिल्मी करियर और परिवार के समर्थन के बारे में बातें की

अभिनेत्री और निर्माता निहारिका कोनिडेला ने अपने दमदार अभिनय और प्रोडक्शन से लोगों के बीच एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने इंटरव्यू में अपने फिल्मी करियर और परिवार से मिलने वाले समर्थन के बारे में खुलकर बातें की हैं। अभिनेत्री ने बताया कि परिवार हमेशा उनके साथ खड़ा रहा है। खासतौर से उनके चाचा पवन कल्याण और भाई राम चरण ने उनके सफर को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इंटरव्यू में जब उनसे पूछा कि उनके परिवार, खासकर पवन कल्याण और राम चरण, उनके करियर में कितने महत्वपूर्ण हैं, तो इसके जवाब में निहारिका ने कहा, ''उनके समर्थन से मुझे असाधारण सी ताकत मिलती है। मुझे पता है कि वे दोनों बिना ज्यादा कुछ बोले भी मेरे लिए हमेशा मौजूद रहेंगे।'' निहारिका ने साझा किया कि वह पवन कल्याण और राम चरण से अपने जीवन में काफी कुछ सीख हासिल करती हैं। उन्होंने कहा, ''उनके अनुभव, उनके काम करने का तरीका, और पेशेवर अनुशासन मेरे लिए हमेशा एक उदाहरण बनकर सामने आते हैं। उनका मार्गदर्शन मेरे लिए अमूल्य है और इसे मैं अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में अपनाती हूं। बात करते हुए निहारिका ने बताया कि उनका परिवार फिल्म इंडस्ट्री में बहुत सम्मानित है और इस कारण कभी-कभी उन्हें महसूस होता है कि उन्हें हर कदम पर दूसरों की उम्मीदों पर खरा उतरना है। उन्होंने कहा, ''मैं इस दबाव को नकारात्मक रूप में नहीं देखती। मैं इसे अपनी मेहनत और करियर में आगे बढ़ने के लिए एक प्रेरणा की तरह महसूस करती हूं।

इक्कीस में धर्मेंद्र के साथ काम करना इतिहास में दर्ज होने जैसा

दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' सिनेमाघरों में 25 दिसंबर को रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड अभिनेता जयदीप अहलावत ने भी स्क्रीन शेयर की है। जयदीप ने धर्मेंद्र के साथ काम करने का अनुभव बताया है। जयदीप अहलावत ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'धर्मेंद्र के साथ पर्दे पर एक ही फ्रेम में खड़े होना इतिहास में दर्ज होने लायक है। यह मेरे जीवन का एक ऐतिहासिक क्षण है कि मुझे धर्मेंद्र जैसे दिग्गज कलाकार के साथ फिल्म करने का मौका मिला, भले ही मैं उनके दौर का नहीं हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।' उन्होंने आगे कहा, 'काश मैंने उनके साथ पांच या दस फिल्में और की होती, लेकिन अब वह इस दुनिया में नहीं हैं।' जयदीप ने कहा कि धर्मेंद्र के साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा। उनके बारे में मुझे कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है, क्योंकि पूरा देश उन्हें प्यार करता है और वे हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगे। जयदीप अहलावत ने सोशल मीडिया पर फिल्म 'इक्कीस' से धर्मेंद्र का वीडियो भी शेयर किया है। प्रोमो में अभिनेता पिंड की मिट्टी और मां के प्यार को कविता में बयां कर रहे हैं। वीडियो को शेयर कर जयदीप ने लिखा, 'आज भी जी करदा है, पिंड अपने नू जानवां।' धरम जी सच्चे मिट्टी के सपूत थे और उनके शब्दों में उस मिट्टी का सार है, उनकी यह कविता एक तड़प है। हमें यह कालजयी कविता देने के लिए आपका दिल से धन्यवाद।' ये कविता खुद धर्मेंद्र ने लिखी थी और उन्हीं की आवाज में कविता को रिकॉर्ड भी किया गया। फिल्म 'इक्कीस' धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है, जिसमें उन्होंने लेफ्टिनेंट एम.एल. खेत्रपाल का रोल प्ले किया है। फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं, जिन्होंने सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल का किरदार निभाया है। फिल्म अरुण खेत्रपाल की बहादुरी की कहानी को दिखाती है।

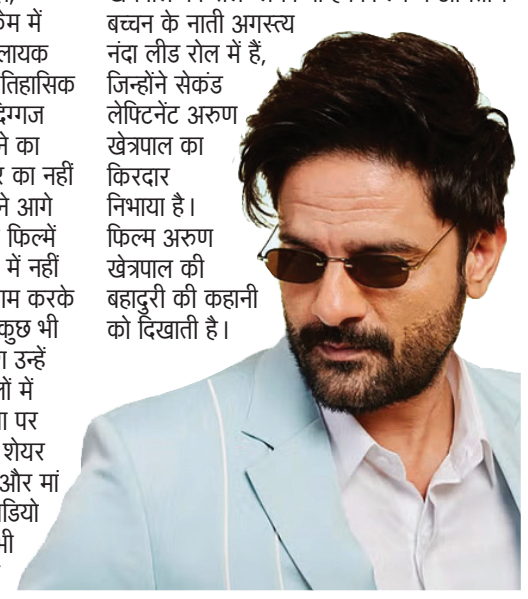

मीरा का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत शानदार अनुभव रहा

ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर जब भी कोई नया सीजन रिलीज होता है, तो दर्शक सबसे पहले यह देखना चाहते हैं कि उनके पसंदीदा किरदारों के साथ क्या नया हुआ है और कौन से नए किरदार कहानी में जुड़ रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में रिलीज हुई 'द फैमिली मैन सीजन 3' ने एक बार फिर दर्शकों का ध्यान खींचा है। तीसरे सीजन में एक नया किरदार 'मीरा' दर्शकों के लिए खासा दिलचस्प साबित हुआ। इस किरदार को अभिनेत्री निमरत कौर ने निभाया। इस किरदार को लेकर उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। निमरत कौर ने कहा, ''मीरा का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत शानदार अनुभव रहा। इस रोल ने मुझे महिला सशक्तीकरण की भावना महसूस करने का मौका दिया। यह किरदार न केवल कहानी में अहम है, बल्कि यह दर्शाता है कि एक महिला अपने तरीके से किसी भी चुनौती का सामना कर सकती है, चाहे वह पुरुषों की दुनिया में काम कर रही हो या फिर नेतृत्व की भूमिका में हो। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसके सभी लेखक पुरुष ही थे, जिन्होंने महिला सशक्तीकरण के अलग पहलुओं को दिखाया। जब महिला का ऐसा किरदार पुरुष लेखकों द्वारा लिखा जाता है, तो उसे निभाना बहुत रोचक अनुभव होता है। इस किरदार ने मुझे खुद पर भरोसा करने और आत्म-विश्वासी बनने की प्रेरणा दी। कई बार मैं खुद को देखती थीं और सोचती कि यह किरदार जिस तरह आत्म-विश्वासी है, मैं असल जिंदगी में उसकी तरह शायद ही बन पाऊं। निमरत ने कहा, ''अभिनय की दुनिया में मुझे जो आजादी मिलती है, वह असल जिंदगी में शायद संभव नहीं है।

अब ओटीटी की वो मासूमियत थोड़ी करप्ट हो गई है

आरजे अभिलाष थपलियाल ने रेडियो पर खूब नाम कमाया, लेकिन फिर उन्होंने ऐक्टिंग की तरफ रुख किया और एस्पिरेंट से लेकर फाडू तक में उनकी ऐक्टिंग को काफी पसंद किया गया। एस के सर के नाम से हर युवा उनका जानता है। अब अभिलाष ने रेडियो से हटकर पूरी तरफ से ऐक्टिंग पर फोकस करने का फैसला किया है।

देखा जाए तो ओटीटी के साथ ही आपका ऐक्टिंग करियर शुरू हुआ है। ओटीटी में हो रहे बदलाव को आप किस तरह अपने करियर के लिए देखते हैं?

एस्पिरेंट ओटीटी शो ही था। उसके बाद मैंने फाडू शो किया। एस के सर की क्लास मैंने की, जो एस्पिरेंट्स से ही निकला एक किरदार था। तो ओटीटी के आने से नए लोगों को मौके तो बहुत मिले हैं, लेकिन अब लोग ओटीटी को भी फिल्मों की तरह ट्रीट कर रहे हैं, जिसमें उन्हें बड़े ऐक्टर्स चाहिए। ओटीटी की जो पहले मासूमियत थी, वो कम हो गई है। पहले ओटीटी एक जरिया बन गया था, जहां अच्छे ऐक्टर को स्पेस मिल रहा था। अब ओटीटी की वो मासूमियत थोड़ी करप्ट हो गई है। जहां कास्टिंग को लेकर ईमानदारी थी, जहां अच्छे ऐक्टर लिए जाते थे, अब वो थोड़ा सा धूमिल हो रहा है। अब आप देखेंगे कि सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर ओटीटी पर दिखेंगे, ऐक्टर अच्छा हो या बुरा उससे फर्क नहीं पड़ता, बस उसके नंबर्स होने चाहिए। (हंसते हुए) हालांकि मैं भी रेडियो से आया हूं, लेकिन मैं ऐक्टर तो अच्छा हूं। मुझे इस बात से समस्या नहीं है कि कोई किस प्लैटफॉर्म से आ रहा है, लेकिन अगर आपका क्राफ्ट अच्छा नहीं है तो वो खलता है।

रेडियो के बाद अब आप पूरा ऐक्टिंग पर ही फोकस कर रहे हैं। रेडियो से दूर जाने की क्या वजह है?

रेडियो पर मैं जो कर रहा था वो बहुत ही रेग्युलर चीज हो गई थी। मतलब हर रोज वहां पर कुछ वक्त देना पड़ता था। मुझे लगता है कि अब वो समय आ गया है कि जहां पर ऐक्टिंग थोड़ा ज्यादा फोकस मांग रही है। वो होता है ना कि जब आप 10 चीजें कर रहे होते हैं तो आपके पास एक भी चीज नहीं बचती। तो मैं वो नहीं चाहता हूं। इसलिए अभी पूरा फोकस ऐक्टिंग पर रखना चाहता हूं। ऐसा नहीं है कि मैंने रेडियो छोड़ा है लेकिन रेडियो से जितना सीखना था वो सीख लिया है। अब एक नया प्लैटफॉर्म है, तो आप कह सकते हैं कि मैं फ्रीक्वेंसी बदल दी है।

आपके करियर की शुरुआत रेडियो से हुई तो ऐक्टिंग के क्षेत्र में आने के बारे में आपने पहले से ही सोचा हुआ था या फिर बाद में प्लान बदला?

अभिलाष ने कहा- मतलब कभी ऐसा फोकस नहीं था की ऐक्टिंग करनी है क्योंकि ट्रेंड ऐक्टर तो हूं नहीं। हमेशा से रेडियो ही किया, उसके बाद बीच में कुछ पॉलिटिकल सटायर किए थे। सोशल मीडिया पर मैंने मफलरमैन नाम का कैरेक्टर किया था, जो बहुत फेमस हुआ। उससे लोगों ने कहना शुरू किया ये तो पॉलिटिकल सटायरिस्ट (किसी खास शख्सियत की नकल करना)। उसके बाद फिर मैंने कुछ वक्त टीवी पर कुछ शोज किए तो लोगों ने कहा कि टीवी होस्ट है। फिर जब एस्पिरेंट सीरीज़ आई और लोगों ने मुझे एस के सर के किरदार में पसंद किया, तब लोगों ने मुझे ऐक्टर कहना शुरू कर दिया। चीजें तो बदलती ही रहती हैं। मुझे लगता है कि आज के समय में फेम पाना आसान है लेकिन क्रिएटिविटी मुश्किल है।

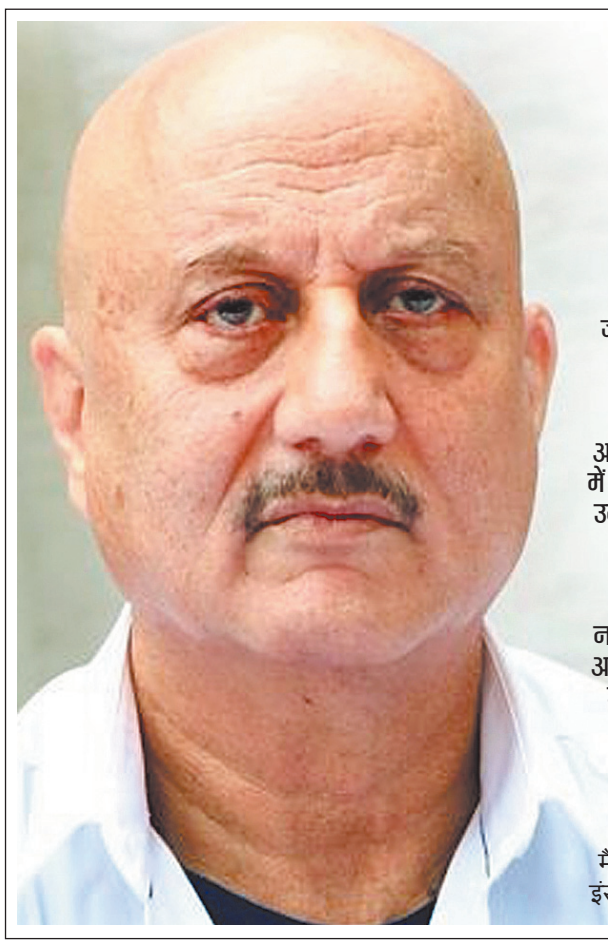

मैंने महेश भट्ट साहब से कहा- मैं आपको श्राप देता हूं, फिर उन्होंने रोल दिया

जाने माने फिल्म एक्टर अनुपम खेर की फिल्म तन्वी द ग्रेट के अलावा तीन और फिल्मों की स्क्रीनिंग गोवा में चल रहे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में हुई। इस मौके पर अनुपम खेर ने अपने फैंस के साथ मास्टरक्लास में अपने दिल की बातें साझा की। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वह लोगों से क्या बात करेंगे। इसलिए उन्होंने टॉकिंग प्वाइंट के लिए चैट जीपीटी की मदद ली। अनुपम खेर ने कहा, जाहिर है कि मेरे पीछे कोई सुदर्शन चक्र नहीं घूम रहा है। मैं इसी दुनिया का इंसान हूं, जो अपने चाहने वालों से अपने दिल की बात कर रहा है। मैं अपने बारे में बताने के साथ साथ आपको भी खुद पर भरोसा करना सिखाना चाहता हूं।

बोलते थे गंजे हो, एक्टिंग में काम नहीं मिलेगा

मैं एक छोटे शहर और गरीब परिवार से था। फिल्म इंस्टीट्यूट से पढ़कर जब 1981 में मुंबई आया, तब लोग बोलते थे कि क्योंकि तुम्हारे सिर पर बाल नहीं हैं। इसलिए चाहे डायरेक्टर बन जाओ या कुछ भी कर लो, पर ऐक्टर नहीं बन पाओगे। फिर किस्मत से मुझे गंजे होने की वजह से सारांश मिली। भट्ट साहब ने कहा कि तुम्हारे बाल नहीं हैं इसलिए मैंने तुम्हें ये रोल दिया है। दरअसल उन्हें बूढ़े आदमी का रोल कराना था। मैंने भरी जवानी में उस रोल को करने का रिस्क लिया। मैं अभी भी खुद को बूढ़ा नहीं मानता। मुझमें अभी काफी कुछ बाकी है। मैं अभी 70 साल का हूं और मैं अगले 20 सालों तक लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड नहीं लूंगा।

हमेशा आगे बढ़ने के बारे में सोचो

जब मैं मुम्बई आया तो किसी ने बताया कि बांद्रा में एक पम्पोश रेस्टोरेंट होता था। सब स्ट्रगलर वहां रहते हैं। मैं भी वहां पहुंचा। वहां एक आदमी ने पूछा कि कॉफी पियोगे ? मैंने हां बोला तो मुझे एक गिलास में देसी शराब दे दी। मैंने देखा वहां सब देसी शराब पीते और फ्रस्ट्रेट रहते थे। सब बोलते कि मैं आठ साल से स्ट्रगल कर रहा हूं, कोई बोलता मैं नौ साल से संघर्ष कर रहा हूं। उन लोगों की स्थिति देख कर मैं समझ गया कि अगर यहां रहा तो कुछ सालों बाद मैं भी इनके जैसा हो जाऊंगा। इसके बाद मैं उन लोगों से अलग हो गया। मैं बांद्रा में एक चॉल में चार लोगों के साथ रहता था। आपको मेरा मुम्बई का पहला पता जानकार हैरानी होगी। मेरा मुम्बई में पहला पता अनुपम खेर, 2/15 खेरवाडी, खेर रोड, खेर नगर मुंबई थी।

जब दिया भट्ट साहब को श्राप

सारांश में अपने रोल के लिए मैंने छह महीने बीबी प्रधान के रोल की ट्रेनिंग की। मैंने अक्सर बस्तियों में जाकर बूढ़े लोगों से मिलता और उनके हाव भाव समझता था। लेकिन छह महीने बाद एक दिन भट्ट साहब ने मुझे कहा कि अब यह रोल संजीव कुमार करेंगे। मैं बेहद गुस्से में उनके ऑफिस पहुंचा और उनसे कहा कि नीचे टैक्सी में मैं अपना सामान लेकर जा रहा हूं इस शहर से। आप यह ध्यान रखना कि संजीव कुमार मेरे से बेहतर यह रोल नहीं करेंगे। आखिर में मैंने उनको कहा कि मैं ब्राह्मण हूं और आपको श्राप देता हूं। इतना बोलकर मैं नीचे आ गया, लेकिन फिर उन्होंने मुझे खिड़की से आवाज लगाई और वापस बुला कर वह रोल दे दिया। फिर मैंने उस रोल के लिए जान लगा दी। पहले दिन शूटिंग के टाइम मैं धोती कुर्ते मैं बाकायदा बाल शेव करके सिर पर विग लगा कर पहुंच गया, तो भट्ट साहब मेरा अंदाज बहुत खुश हुए। उसके बाद जो हुआ वह इतिहास है। उसी की बदौलत आज चार दशक बाद भी मैं आपसे सारांश के बारे में बात कर रहा हूं।

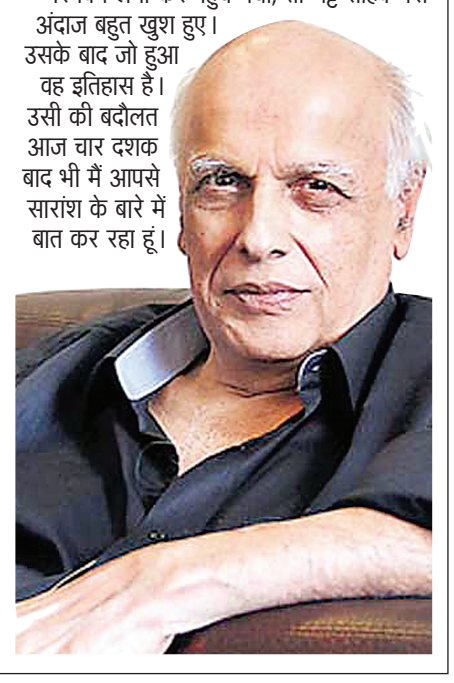

100 करोड़ रुपये से ज्यादा के मुनाफे के बाद तूफानी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल में बाजार में लिस्ट हुई कंपनी लेंसकार्ट के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। बाजार की नई-नवेली कंपनी लेंसकार्ट के शेयर सोमवार को बीएसई में 5 पर्सेंट से ज्यादा उछलकर 432.25 रुपये पर पहुंच गए हैं। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही के शानदार नतीजों के बाद लेंसकार्ट के शेयरों में यह तेजी देखने को मिली है। लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के शेयर 10 नवंबर 2025 को बाजार में लिस्ट हुए हैं। लेंसकार्ट को हुआ है 102 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा लेंसकार्ट का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 20 पर्सेंट बढ़ा है। शेयर बाजार की इस नई-नवेली कंपनी को सितंबर 2025 तिमाही में टैक्स भुगतान के बाद 102.22 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में लेंसकार्ट को 85.47 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। लेंसकार्ट ने अपनी लिस्टिंग के बाद शनिवार को अपने पहले तिमाही नतीजे जारी किए हैं। लेंसकार्ट का मुनाफा तिमाही आधार पर 67 पर्सेंट बढ़ा है। कंपनी को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 61.17 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कंपनी को 164.62 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 75.35 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 20.8 पर्सेंट बढ़कर 2096.14 करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 1735.68 करोड़ रुपये था। आईपीओ में लेंसकार्ट के शेयर का दाम 402 रुपये था। कंपनी के शेयर बीएसई में डिस्काउंट के साथ 390 रुपये पर और एनएसईमें 395 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयर बीएसई में 403.30 रुपये पर बंद हुए। वहीं, एनएसईपर कंपनी के शेयर 403.10 रुपये पर बंद हुए। लेंसकार्ट का आईपीओ टोटल 28.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों की कैटेगरी में 7.56 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

एमटीएनएल पर 5.42 लाख रुपये का जुर्माना फिर भी चढ़े शेयर के भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार एनएसई और बीएसई ने निदेशक मंडल में नियुक्ति से संबंधित नियमों का पालन नहीं करने के लिए कर्ज में डूबी सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी एमटीएनएल पर 5.42 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके बावजूद इसके शेयर आज बढ़त पर हैं। शुरुआती कारोबार में स्टॉक में काफी उतार-चढ़ाव दिख रहा है। आज यह स्टॉक 38.32 रुपये पर खुला और 38.60 रुपये के हाई पर पहुंचा। वहीं, 38.19 रुपये के लो को भी टच किया। सुबह साढ़े 10 बजे के करीब यह मामूली बढ़त के साथ 38.39 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसका 52 हफ्ते का हाई 61.87 रुपये और लो 37.42 रुपये है। इस साल शेयर ने 23.89 प्रतिशत का नुकसान पहुंचाया है और पिछले 5 दिनों में 1.82 प्रतिशत का नुकसान हुआ है। कंपनी ने अपने आखिरी तिमाही में 943.15 करोड़ रुपये का नुकसान (नेट प्रॉफिट - 943.15 करोड़) दर्ज किया है। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पास इस शेयर में 30 सितंबर 2025 तक 0.04 प्रतिशत की होल्डिंग है, जो पिछली तिमाही के मुकाबले कम हुई है। एमटीएनएल ने शनिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसे नियमों के अनुसार चार और स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने हैं, लेकिन वह ऐसा करने में असमर्थ रही है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, एनएसई और बीएसई दोनों ने सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 की धारा 17(1) के उल्लंघन के लिए कंपनी पर 5,42,800 रुपये का जुर्माना लगाया है। इसमें 4.6 लाख रुपये मूल जुर्माना तथा 82,800 रुपये 18 प्रतिशत जीएसटी शामिल है। कंपनी ने कहा कि वह सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है और निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों सहित सभी नियुक्तियां प्रशासनिक मंत्रालय यानी दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा की जाती हैं।

गडकरी की स्कीम पर टूटे लोग, साढ़े तीन महीने में 36.3 लाख यूजर्स जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में फास्टैगएनुअल पास की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। टोल वाले नेशनल हाइवेज पर सफर करने वाला हर पांच में से एक कार यूजर अब फास्टैग एनुअल पास का यूज कर रहा है। यह स्कीम लॉन्च होने के सिर्फ साढ़े तीन महीने में ही बहुत पॉपुलर हो गई है। अभी तक 36.3 लाख लोग इस पास का इस्तेमाल कर रहे हैं और हर दिन करीब 20,000 नए लोग इसे खरीद रहे हैं। फास्टैग एनुअल पास की कीमत 3,000 रुपये है। इस पास से कार मालिक साल भर में 200 टोल प्लाजा पार कर सकते हैं। प्लाजा पर सिर्फ 15 रुपये का खर्च आता है। शहरों के बीच सफर करने वालों के लिए यह सबसे आसान और सस्ता तरीका साबित हुआ है। 12 से ज्यादा टोल प्लाजा से मिले आंकड़ों के मुताबिक, 40 प्रतिशत से ज्यादा कार यूजर इसी एनुअल पास से टोल चुका रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि पूरे देश में, कारों के लिए होने वाले कुल टोल पेमेंट में से करीब 22 प्रतिशत एनुअल पास से हो रहे हैं। दिल्ली के द्वारका एक्सप्रेसवे पर नया शुरू हुआ बिजवासन टोल प्लाजा सबसे आगे है, जहां 50 प्रतिशत से ज्यादा पेमेंट इसी पास से हो रहे हैं। इसके बाद दिल्ली का मुंडका टोल प्लाजा (48.2 प्रतिशत) और हरियाणा के सोनीपत का जिंझोली प्लाजा (47 प्रतिशत से ज्यादा) हैं। आंकड़े यह भी बताते हैं कि हर दिन औसतन करीब 13 लाख टोल पेमेंट एनुअल पास के जरिए हो रहे हैं।

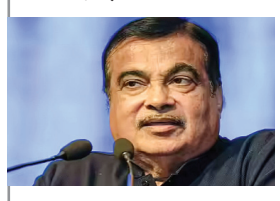

ब्याज दरों में कटौती की आस में उछला सोना

● केंद्रीय बैंकों की बैठकों पर निगाहें ● दरों में बदलाव की संभावना ● विशेषज्ञों ने बताए ये अहम स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी।
सोने की कीमतों में सोमवार, 1 दिसंबर को भारी तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर सोने के फरवरी वायदा में करीब 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ भाव 1,30,425 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गए। वहीं, चांदी के मार्च वायदा 1.9 प्रतिशत चढ़कर 1,78,289 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। यह उछाल अमेरिकी फेडरल रिजर्व और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इसी महीने ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों के कारण आया है।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति 3 से 5 दिसंबर तक बैठक करेगी। इस दौरान बेंचमार्क ब्याज दरों और नीतिगत रुख पर फैसला लिया जाएगा। वर्तमान में देश में मुद्रास्फीति रिकॉर्ड निचले स्तर पर है और आर्थिक विकास दर मजबूत है। वहीं, अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी 9-10 दिसंबर को बैठक कर अमेरिकी ब्याज दर पर निर्णय लेगी। बाजार अमेरिकी फेड से दर में कटौती की उम्मीद कर रहा है। ष्टस्ब्ध के फेडवॉच टूल के मुताबिक, व्यापारी अगले हफ्ते फेड की दर कटौती की 87 प्रतिशत संभावना आंक रहे हैं। हालांकि, भारत में अनुकूल विकास-मुद्रास्फीति के माहौल को देखते हुए आरबीआई ब्याज दरों में कोई बदलाव न करने का फैसला कर सकता है।

सोने में सालभर रही तेजी का दौर

भारत की दूसरी तिमाही की सकल घरेलू उत्पाद विकास दर 8.2 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जबकि अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 0.25 प्रतिशत के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई है। इस साल भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी टैरिफ के आर्थिक असर की चिंताओं, केंद्रीय बैंकों की जोरदार खरीदारी और मजबूत खुदरा मांग के चलते सोने की कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। घरेलू स्पॉट सोने के भाव में इस साल अब तक 66 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई है। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने बताया कि सोने ने इस साल लगभग हर महीने लाभ दर्ज किया है और 1979 के बाद से इसका सबसे अच्छा वार्षिक प्रदर्शन होने जा रहा है। पृथ्वीफिनमार्ट कमोडिटी रिसर्च के मनोज कुमार जैन के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का समर्थन 4,234 और 4,200 प्रति ट्रॉय औंस पर है।

दिल्ली-मुंबई एयरपोर्ट से यात्रा करना होगा महंगा!

● 22 गुना बढ़ सकती है फीस, 50,000 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट्स से सफर करना अब यात्रियों के लिए महंगा पड़ सकता है। इन एयरपोर्ट्स पर यूजर चार्जेस में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। यह बढ़ोतरी 22 गुना तक हो सकती है। टेलीकॉम डिस्प्यूट्स सेटलमेंट एंड अपीलेट ट्रिब्यूनल के एक आदेश के बाद यह नौबत आई है। इस आदेश ने 2009 से 2014 तक के पांच साल के लिए टैरिफ यानी यात्रियों से वसूले जाने वाले शुल्कों की गणना का तरीका बदल दिया है।

इस नए तरीके से पता चला है कि इस दौरान एयरपोर्ट्स को 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। इस नुकसान की भरपाई यात्रियों से ली जाने वाली फीस, लैंडिंग और पार्किंग चार्जेस के जरिए की जाएगी। इससे हवाई टिकटों के दाम बढ़ जाएंगे, जो यात्रियों की संख्या पर असर डाल सकता है। इस फैसले के खिलाफ एयरपोर्ट्स इकनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी, घरेलू एयरलाइंस और लुफ्थांसा, एयर फ्रांस और गल्फ एयर जैसी विदेशी एयरलाइंस ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इसकी सुनवाई बुधवार को होगी।

कितनी बढ़ सकती है फीस?= सूत्रों का कहना है कि अगर यह आदेश लागू हुआ तो दिल्ली एयरपोर्ट पर घरेलू यात्रियों से लिया जाने वाला यूजर डेवलपमेंट फीस 129 रुपये से बढ़कर 1,261 रुपये हो सकता है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए यह 650 रुपये से बढ़कर 6,356 रुपये हो सकता है। मुंबई एयरपोर्ट पर भी घरेलू यात्रियों के लिए यह फीस 175 रुपये से बढ़कर 3,856 रुपये हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को मुंबई में यह 615 रुपये के बजाय 13,495 रुपये तक देने पड़ सकते हैं।

क्या है मामला?

उन्होंने कहा कि यह यात्रियों के लिए एक बड़ा झटका होगा क्योंकि रातोंरात टिकट की कीमतों में भारी बढ़ोतरी होगी। एयरलाइंस के पास इन चार्जेज को यात्रियों पर डालने के अलावा कोई और विकल्प नहीं होगा। यह विवाद लगभग दो दशक पहले शुरू हुआ था, जब 2006 में एयरपोर्ट्स के निजीकरण का पहला दौर चला था। एईआरए हर पांच साल के लिए एयरपोर्ट्स के चार्जेज तय करता है। यह तय करते समय ऑपरेटरों के निवेश और कमाई को ध्यान में रखा जाता है।

किस बात की है लड़ाई?

इससे 1 अप्रैल 2008 से 31 मार्च 2009 तक की अवधि के लिए संपत्ति का मूल्य तय किया गया। एचआरएबी , संपत्ति का एक काल्पनिक मूल्य है जिसका उपयोग रेगुलेटर टैरिफ या शुल्क तय करने के लिए करता है, जब वास्तविक राशि उपलब्ध नहीं होती है। एफवाय09-14 के लिए टैरिफ तय करते समय, एईआरएने केवल एरोनॉटिकल एसेट्स के मूल्य को ही ध्यान में रखा था। एरोनॉटिकल एसेट्स वे इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं हैं जो सीधे उड़ान संचालन और यात्रियों के प्रबंधन के लिए जरूरी होती हैं।

यूपीआई से नवंबर में 24.58 लाख करोड़ रुपये के 19 अरब से अधिक हुए लेनदेन

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपीआई से लेनदेन की रफ्तार जारी है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के मुताबिक, 28 नवंबर तक यूपीआई से 24.58 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 19 अरब से अधिक लेनदेन हुए। पिछले वर्ष की इसी अवधि में 21.55 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 15.48 अरब लेनदेन दर्ज किए गए थे। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल नवंबर में यूपीआई लेनदेन की संख्या 2024 के समान माह की तुलना में लगभग 23 प्रतिशत बढ़ी। इस दौरान लेनदेन मूल्य में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नवंबर 2023 की तुलना में यह वृद्धि 70 प्रतिशत और 41 प्रतिशत से भी अधिक रही। एनपीसीआई के आंकड़े पिछले पांच वर्षों में लगातार वृद्धि दर्शाते हैं।

नवंबर 2021 में, यूपीआई से 7.68 लाख करोड़ के केवल 4.18 अरब लेनदेन हुए। नवंबर, 2022 तक यह संख्या लगभग दोगुनी हो गई। पांच वर्षों का रुझान इस परिवर्तन की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है। 2021 से 2025 तक यूपीआई के लेनदेन की संख्या चार गुना से अधिक बढ़ गई है। कुल मूल्य तीन गुना से अधिक बढ़ गया है।

यह उल्लेखनीय वृद्धि डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ के रूप में इस प्लेटफॉर्म की भूमिका को रेखांकित करती है। 2025-26 में अब तक यूपीआई ने 12.41 अरब लेनदेन पूरे किए हैं।

कब खुलेगा आईपीओ

अगले सप्ताह खुल रहा है वेकफिट का आईपीओ

मुंबई, एजेंसी। बेड के गद्दे और घर के फर्नीचर बनाने वाली कंपनी है वेकफिट इनोवेशन्स । इस कंपनी ने अपना इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए करीब 1400 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इस कंपनी का आईपीओ आगामी 8 दिसंबर को खुलेगा। इसमें निवेशक 10 दिसंबर तक आवेदन कर सकेंगे। उम्मीद है कि यह 15 दिसंबर को शेयर बाजार में लिस्ट हो जाएंगे। इसमें ऑफर फॉर सेल का हिस्सा भी होगा, जिसके तहत कंपनी के मौजूदा शेयरधारक 4.67 करोड़ शेयर बेचेंगे। इस ओ एफ एस के तहत वेकफिट के संस्थापक अंकित गर्ग और चैतन्य रामलिंगेगौड़ा, पीक एक्स वी पार्टनर्स और वेरलिंवेस्ट जैसे निवेशक अपने कुछ शेयर बेचेंगे। इससे पहले, 27 जून को कंपनी ने जो ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया था, उसमें उसने नए शेयर बेचकर 468 करोड़ रुपये जुटाने का प्रस्ताव रखा था। कंपनी की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार आईपीओ से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल कंपनी के खुद के 117 रिटेल आउटलेट खोलने (जिसके लिए 31 करोड़ रुपये), लीज के खर्चों (161 करोड़ रुपये), नए उपकरण और मशीनरी खरीदने (15 करोड़ रुपये) और मार्केटिंग व विज्ञापन (108 करोड़ रुपये) के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने 2022 में ऑफलाइन रिटेल में कदम रखा था और सितंबर 2025 तक उसके 125 स्टोर हो चुके थे। बीते 30 सितंबर को खत्म हुई छह महीनों की अवधि के दौरान कंपनी ने 724 करोड़ रुपये के रेवेन्यू पर 35.5 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया। वहीं, वित्त वर्ष 2025 में वेकफिट ने 1,274 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया, लेकिन उसे 35 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। साल 2016 में स्थापित हुई यह पीक एक्स वी -समर्थित कंपनी शुरुआत में गद्दे, तकिए और बेड फ्रेम जैसे बेडरूम प्रोडक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करती थी। समय के साथ, इसने अपने उत्पादों की रेंज को बढ़ाकर सोफे, डाइनिंग सेट, अलमारी, स्टडी टेबल और बुकशेल्फ़ जैसे घर के कई अन्य सामानों को भी शामिल कर लिया है। 30 सितंबर को खत्म हुई छह महीनों की अवधि में, कंपनी के कुल ऑपरेटिंग रेवेन्यू में उसके अपने चैनलों का योगदान लगभग 65 प्रतिशत था।

आरबीआई ने एफडी, जमा खातों पर ब्याज दरों को लेकर जारी किए निर्देश

नियम भी बदले, न्यूनतम अवधि से पहले एफडी तोड़ने पर ब्याज नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देशभर के व्यावसायिक बैंकों के लिए जमा खाता की ब्याज दर से जुड़े नए नियम जारी किए हैं। इसके तहत बचत खाते में एक लाख रुपये तक की धनराशि पर सभी बैंक एक समान दर से ब्याज देंगे। एक लाख रुपये से अधिक की धनराशि खाते में होने पर अलग-अलग ब्याज दर लागू कर सकते हैं।

मौजूदा नियमों के हिसाब से बैंक बचत खाते में जमा धनराशि पर अलग-अलग दर से ब्याज देते हैं, लेकिन अब आरबीआई ने उसे दो हिस्सों में बांट कर ब्याज निर्धारित करने का निर्देश दिया है। ब्याज हर दिन के अंत के खाते में जमा रकम के हिसाब से लगेगा। बैंकों को ब्याज तीन महीने में एक बार खाते में जमा कराना होगा।

आरबीआई ने कहा कि इन नियमों का उद्देश्य ग्राहक हितों की सुरक्षा, पारदर्शिता और बैंकिंग व्यवस्था में एकरूपता लाना है।

आरबीआई ने बचत, चालू बैंक खाते समेत सावधि जमा (एफडी) और ओवरड्यू एफडी समेत अन्य नियमों में कई अहम बदलाव किए हैं। इसके मुताबिक, बैंक द्वारा तय न्यूनतम अवधि से पहले एफडी तोड़ने पर कोई ब्याज नहीं मिलेगा। आरबीआई ने एफडी की न्यूनतम मानक अवधि सात दिन की है, लेकिन बैंक अपने मुताबिक इसे अधिक न्यूनतम अवधि तय कर सकते हैं। नए नियमों में न्यूनतम अ?वधि पूरी होने पर एफडी तोड़ी जाती है तो बैंक आपको वही ब्याज देगा, जो उस अवधि के लिए लागू है। यानी जितने समय तक पैसा बैंक में रहा, इस अ?वधि का ही ब्याज मिलेगा। पहले से तय तय की गई ऊंची ब्याज दर लागू नहीं होगी। यही नहीं, नए नियमों में यह भी जोड़ा गया है कि अगर किसी एफडी की मेच्योरिटी पीरियड गैर-कारोबारी दिन पर पड़ती है, तो ग्राहक को उस दिन का भी ब्याज मिलेगा और बैंक अगले कार्यदिवस को भुगतान करेगा। नए नियमों के अनुसार, अब बैंकों को एफडी से जुड़े सभी नियम ग्राहकों को पहले से स्पष्ट रूप से बताने होंगे। मसलन, एफडी की न्यूनतम अ?वधि की सीमा कितनी है।

गलती से सबक लेकर मियां-बीवी ने किया कमाल, ऐसा पकड़ा रास्ता कि अब 15 करोड़ का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूनम शर्मा और नवीन पटवाल उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल के रहने वाले हैं। दोनों का बैकग्राउंड इंजीनियरिंग का रहा है। कपल ने कोरोना महामारी के दौरान 2 करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेलने के बाद मशरूम फार्मिंग की पूरी रणनीति बदल दी। 24 मार्च 2020 को लॉकडाउन की घोषणा के वक?त उनके फार्म से दिल्ली की आजादपुर मंडी के लिए गए तीन टन (3,000 किलो) बटन मशरूम बर्बाद हो गए थे। इस घटना ने उन्हें दो महत्वपूर्ण सबक सिखाए। सिर्फ एक बायर और एक ही उत्पाद (बटन मशरूम, जिसकी शेल्फ लाइफ तीन दिन होती है) पर निर्भर न रहना। इस संकट से सीखकर उन्होंने एग्जॉटिक मशरूम जैसे शिटाके, लायन्स मेन और गुच्छी की खेती शुरू की और प्लेनेट मशरूम ब्रांड लॉन्च किया। आज इसका सालाना टर्नओवर 15 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। आइए, यहां पूनम शर्मा और नवीन पटवाल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में नवीन पटवाल ने

2007 में बैंक लोन से हाई-टेक बटन मशरूम फार्म शुरू किया था। 2016 तक उन?होंने दैनिक उत्पादन क्षमता को 3 टन तक बढ़ा दिया था। उनकी पूरी उपज दिल्ली की आजादपुर मंडी को सप्लाई होती थी। 24 मार्च 2020 की शाम को राष्ट्रीय लॉकडाउन की घोषणा ने उनके कारोबार को अचानक रोक दिया। कोल्ड स्टोरेज की सुविधा न होने और कोई अन्य खरीदार न मिलने के कारण 3,000 किलो बटन मशरूम खेतों में फेंकने पड़े। इससे कपल को लगभग 2 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ। आईआईटी खड़गपुर से इंजीनियर पूनम शर्मा और उनके पति नवीन, जिन्होंने कंप्यूटर साइंस में बी.टेक किया है, को इस आपदा ने दो महत्वपूर्ण सबक सिखाए। पहला, उन्हें एक खरीदार या कमीशन एजेंटों पर निर्भर नहीं रहना। दूसरा, केवल एक ऐसे उत्पाद (बटन मशरूम) पर निर्भरता सही नहीं है जिसकी शेल्फ लाइफ बहुत कम है। कड़वे अनुभव के बाद पूनम और नवीन ने डायवर्सिफिकेशन का फैसला किया। 2020 में अपना ब्रांड प्लेनेट मशरूम लॉन्च किया। इसमें शिटाके, किंग ऑयस्टर, लायन्स मेन, रेशी और कॉर्डिसेप्स जैसे एग्जॉटिक मशरूम को शामिल किया गया। ये विदेशी मशरूम अधिक स्वादिष्ट होते हैं। साथ ही उनमें अनूठी बनावट और पोषक गुण होते हैं। बाजार में एग्जॉटिक मशरूम 1000 रुपये से 1200 रुपये प्रति किलो बिकते हैं, जबकि सूखे मशरूम थोक में 8,000 रुपये और खुदरा में 12,000 रुपये तक पहुंच जाते हैं। 2022 में उन्होंने एक अनुसंधान संस्थान से मदर कल्चर प्राप्त करके शिटाके मशरूम की खेती शुरू की। उनकी इकाई में पहले से ही मशरूम लैब और बुनियादी ढांचा मौजूद होने के कारण अन्य एग्जॉटिक किस्मों जैसे कॉर्डिसेप्स, किंग ऑयस्टर और रेशी की खेती को शुरू करना आसान हो गया।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में शुभमन गिल के खेलने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। कप्तान शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हुए थे, जिसके बाद वह अगला टेस्ट नहीं खेल सके। गिल मेहमान टीम के खिलाफ वनडे सीरीज का भी हिस्सा नहीं हैं, लेकिन अब उनके टी20 सीरीज में खेलने की उम्मीद है। शुभमन गिल के सोमवार से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होने की उम्मीद है। गिल अपनी गर्दन की चोट की रिकवरी के लिए तुरंत रिहैब शुरू करेंगे। उम्मीद है कि सीओई टी20 फॉर्मेट के उपकप्तान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट फिर से शुरू करने की इजाजत दे सकता है। शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में चौका लगाने के दौरान चोटिल हुए थे। इसके बाद गिल दोबारा इस सीरीज में नहीं खेल सके। इसके बाद गिल अपनी गर्दन की चोट को लेकर सलाह लेने के लिए मुंबई में स्पेशलिस्ट के पास गए। उन्होंने अपने घर लौटने से पहले तीन दिन वहीं बिताए। उस बीच गिल ने अपना पर्सनल रिहैब जारी रखा। सोमवार को वह बेंगलुरु के लिए निकले।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी। अगले कुछ दिनों में इसके लिए भारतीय टीम के चुने जाने की उम्मीद है। शुभमन गिल ने अपनी रिकवरी पर कड़ी मेहनत की है। वह जल्द से जल्द मैदान पर लौटने के लिए बहुत उत्सुक हैं। सूत्रों ने क्रिकबज से कहा, 'गिल ने रिहैब प्रोसेस के दौरान बहुत मेहनत की है। अब वह सीओई में है। अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक रहा, तो गिल 6-7 दिसंबर तक कटक में होंगे, जब टी20 टीम के इकट्ठा होने की उम्मीद है। ' ऐसी उम्मीद की जा रही है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में खेलते नजर आ सकते हैं। बुमराह को वनडे सीरीज से आराम दिया गया है।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 9 दिसंबर को कटक में पहला टी20 मुकाबला खेला जाएगा, जिसके बाद 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में अगले मैच का आयोजन होगा। दोनों देश धर्मशाला में 14 दिसंबर को सीरीज का तीसरा मैच खेलेंगे। लखनऊ में 17 दिसंबर को सीरीज का चौथा मैच खेला जाएगा, जबकि 19 दिसंबर को अहमदाबाद में सीरीज के पांचवें मैच का आयोजन होगा।

मेरा करियर एक फॉर्मेट तक सीमित है : विराट कोहली

रांची, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद विराट कोहली की टेस्ट फॉर्मेट में फिर से वापसी की चर्चा शुरू हो गई थी। रांची वनडे में विराट के शतक के बाद उनकी टेस्ट वापसी की चर्चा और जोर-शोर से शुरू हुई, लेकिन विराट ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। विराट कोहली ने रांची वनडे के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान यह स्पष्ट कर दिया कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर अब सिर्फ एक फॉर्मेट, वनडे, तक सीमित है, उससे आगे कुछ नहीं। विराट से पूछा गया कि क्या उनका इरादा सिर्फ वनडे में ही खेलना है, तो उन्होंने कहा, 'हां, और हमेशा ऐसा ही रहेगा। मैं सिर्फ एक तरह का गेम खेल रहा हूं। कोहली ने समझाया, 'अगर आपने 300 के आस-पास गेम खेले हैं, तो आपको पता होता है कि लंबे समय तक बैटिंग करने की फिजिकल क्षमता कब होती है। जब तक आप बॉल को अच्छी तरह से हिट कर रहे हैं, यह फिजिकली फिट, मेंटली तैयार और एक्साइटेड होने के बारे में है। कोहली के इस बयान से स्पष्ट हो गया कि उनका ध्यान वनडे विश्व कप 2027 पर है।

कोहली-रोहित के बिना 2027 वर्ल्ड कप नहीं जीत सकते...

इस भारतीय दिग्गज ने चयनकर्ताओं को दी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तानों विराट कोहली और रोहित शर्मा के ओडीआई फ्यचूर को लेकर हालिया समय में काफी अटकलें लगी हैं. दोनों टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में कई क्रिकेट विशेषज्ञ यह सवाल उठा रहे थे कि क्या कोहली और रोहित 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक खेल पाएंगे. तब तक कोहली की उम्र करीब 39 साल जाएगी. वहीं रोहित शर्मा तब तक 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे. अब रांची वनडे में दोनों की शानदार बल्लेबाजी ने यह बहस खत्म कर दी है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ रांची वनडे में विराट कोहली ने शानदार 135 रन बनाए. वहीं रोहित शर्मा के बल्ले से 57 रन निकले. रोहित-कोहली ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 136 रनों की पार्टनरशिप की, जिसके दम पर भारत ने 349 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया. भारत ने इस मैच को 17 रनों से जीता और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली. इस एक साझेदारी ने दिखा दिया कि रोहित-कोहली अभी भी पहले जैसे ही खतरनाक हैं. अब टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और पूर्व चीफ सेलेक्टर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने इन दोनों स्टार बल्लेबाजों की जमक तारीफ की है. श्रीकांत का कहना है कि 2027 का वनडे वर्ल्ड कप रोहित और कोहली के बिना भारतीय टीम जीत ही नहीं सकती ।

दोनों के बिना प्लान बनाना बेकार...

कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'रोहित और कोहली अलग ही लेवल पर खेल रहे हैं. क्रिकेट के इस दौर में इतने कठिन मैच खेलना आसान नहीं है. लेकिन वे दोनों सिर्फ एक फॉर्मेट खेलकर भी अपनी फिटनेस और मानसिकता बेहतरीन बनाए हुए हैं. इन दोनों के बिना प्लान बनाना बेकार है. 2027 वर्ल्ड कप जीतना है तो रोहित और विराट टीम में होने ही चाहिए ।

जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम, अब स्विट्जरलैंड से होगा सामना

मदुरै, एजेंसी। भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी और अब उसका सामना एफआईएच जूनियर विश्व कप में अपने अंतिम ग्रुप मैच में मंगलवार को स्विट्जरलैंड से होगा। भारतीय टीम अच्छी फॉर्म में चल रही है, लेकिन उसे अब तक असली चुनौती नहीं मिली है। भारत की कोशिश रहेगी कि नॉकआउट चरण से पहले टीम अपने कमजोर पक्ष को दूर करे।

भारत-स्विट्जरलैंड की टीमें चल रही हैं अजेय - भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की। भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। लेकिन नॉकआउट चरण से पहले भारत के लिए कुछ चिंताएं बनी हुई हैं।

भारत के सामने कुछ चिंताएं - पहले दो मैचों में भारतीय रक्षापंक्ति की ज्यादा परीक्षा नहीं हुई क्योंकि गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह को किसी तरह की खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। कप्तान रोहित की अगुआई में रक्षापंक्ति भी टूर्नामेंट के अंतिम चरण में अधिक सक्रिय रहना चाहेगी। भारत के लिए चिंता का एक अन्य क्षेत्र पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना है। टीम के मुख्य ड्रैगफ्लिकर कप्तान रोहित को अपने खेल में सुधार करना होगा। ऐसा नहीं है कि भारत ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल नहीं किए, लेकिन अधिकतर गोल वैरिएशन और रिबाउंड से किए गए। स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच मदुरै में भारत का एकमात्र मैच है। इसके बाद वह अपने बाकी मैच खेलने के लिए चेन्नई लौटेगा। यह देखना अभी बाकी है कि भारतीय खिलाड़ी यहां की परिस्थितियों के साथ किस तरह तालमेल बिठा पाते हैं। मंगलवार को अन्य मैचों में स्पेन का मुकाबला नामीबिया से (मदुरै में), बेल्जियम का मिस्र से (मदुरै में), चिली का ओमान से (चेन्नई में), नीदरलैंड का ऑस्ट्रिया से (मदुरै में), फ्रांस का बांग्लादेश से (चेन्नई में), इंग्लैंड का मलेशिया से (मदुरै में) और ऑस्ट्रेलिया का कोरिया से (चेन्नई में) होगा।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 की वजह से स्थगित हुई ये बड़ी क्रिकेट लीग

नई तारीखों के साथ शेड्यूल का हुआ एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन 7 फरवरी से 8 मार्च तक होगा, जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका करेंगे. इसकी तैयारियों के चलते एक बड़ी क्रिकेट लीग के आयोजन को रीशेड्यूल किया गया है. आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का फुल शेड्यूल जारी हो चुका है. भारत और श्रीलंका के कुल 8 वेन्यू पर 20 टीमों के बीच 55 मैच खेले जाएंगे. टूर्नामेंट 7 फरवरी को शुरू होगा, पहले ही दिन भारत और पाकिस्तान जैसी टीमें मैदान में होंगी. ग्रुप स्टेज में प्रत्येक दिन 3 मुकाबले होंगे. वर्ल्ड कप का फाइनल 8 मार्च को होगा, जिसके एक हफ्ते बाद इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन शुरू हो सकता है. लेकिन वर्ल्ड कप से पहले होने वाली लंका प्रीमियर लीग को स्थगित कर दिया गया है, जो अब अगले साल जुलाई-अगस्त में होगा. लंका प्रीमियर लीग श्रीलंका क्रिकेट द्वारा आयोजित किया जाता है. एलपीएल का आयोजन इसी महीने (दिसंबर, 2025) में होना था, लेकिन श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड अभी वर्ल्ड कप की तैयारियों में व्यस्त है. टी20 वर्ल्ड कप 2026 को भारत और श्रीलंका मिलकर होस्ट कर रहे हैं, पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा. अगर पाक टीम फाइनल में पहुंची तो खिताबी मुकाबला भी कोलंबो में होगा.

कब होगा लंका प्रीमियर लीग - टी20 वर्ल्ड कप 2026 के कारण लंका प्रीमियर लीग के आयोजन को 8 महीने आगे बढ़ा दिया गया है. श्रीलंका क्रिकेट ने आधिकारिक रूप से पोस्ट करते हुए बताया कि एलपीएल के छठे संस्करण का आयोजन 8 जुलाई से 8 अगस्त 2026 के बीच होगा. श्रीलंका क्रिकेट ने अपने पोस्ट में लिखा, 'आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए 'होस्ट वेन्यू' को काफी पहले से तैयार करने की बड़ी ज़रूरत को देखते हुए लंका प्रीमियर लीग को स्थगित किया गया. वर्ल्ड कप फरवरी-मार्च 2026 के दौरान श्रीलंका और भारत मिलकर होस्ट करेंगे. इस फैसले के साथ, पांच टीमों का यह टूर्नामेंट, श्रीलंका का सबसे बड़ा घरेलू ञ्20 कॉम्पिटिशन, पिछले कई एडिशन की तरह, साल के बीच में वापस आएगा।

श्रीलंका के 3 वेन्यू पर होंगे टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मुकाबले कुल 8 वेन्यू पर होंगे. भारत के 5 (अहमदाबाद, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता और मुंबई) शहरों में इसके मैच होंगे. श्रीलंका के 3 वेन्यू के तौर पर आर प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो), एसएससी क्रिकेट ग्राउंड (कोलंबो) और पल्लेकेले क्रिकेट स्टेडियम (कैंडी) को चुना गया है. भारत बनाम पाकिस्तान मैच 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा.

हैदराबाद में लियोनल मेसी का जादू! तेलंगाना के मुख्यमंत्री करेंगे फ्रेंडली फुटबॉल मैच की शुरुआत

हैदराबाद, एजेंसी। 28 नवंबर को मुख्यमंत्री ने पुष्टि की थी कि वह भारत में होने वाले GOAT Tour to India 2025 के तहत मेसी का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। हैदराबाद उनका दूसरा पड़ाव होगा, इससे पहले वह कोलकाता पहुंचेंगे। दुनिया के महानतम फुटबॉलरों में शुमार लियोनेल मेसी जल्द ही भारत आने वाले हैं, और उनके इस दौरे को लेकर उत्साह चरम पर है। खबर है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मेसी की मौजूदगी में होने वाले एक फ्रेंडली फुटबॉल मैच की शुरुआत करेंगे। यह मैच 13 दिसंबर को हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

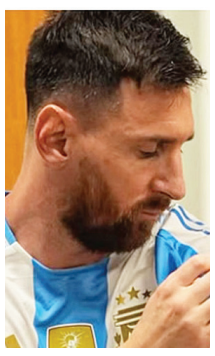

सरकारी जश्न का हिस्सा होगा फुटबॉल मुकाबला - यह फ्रेंडली मैच तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले बड़े समारोह का हिस्सा है। हालांकि मैच के अन्य विवरणों की आधिकारिक घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी, लेकिन मेसी की मौजूदगी को लेकर पहले ही बड़ा उत्साह देखने को मिल रहा है।

क्या आईपीएल के मैच बेंगलुरु में नहीं होंगे

कमेटी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम पर सवाल उठाए थे; पास करना होगा फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होंगे या नहीं, यह अभी तय नहीं है। स्टेडियम में दोबारा मैच कराने से पहले विशेषज्ञों से सुरक्षा मंजूरी और फिटनेस टेस्ट दोनों पास करना जरूरी होगा। विमेंस वर्ल्ड कप के समय जस्टिस डी'कुन्हा कमेटी ने भी इस ग्राउंड को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित बताया था। इस साल आरसीबी की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत के बाद स्टेडियम में विक्ट्री परेड हुई थी। लेकिन उसके बाहर भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

- **कमेटी ने स्टेडियम में खामियां बताई** - स्टेडियम में 4 जून को हुई भगदड़ के बाद इस घटना की जांच के लिए जस्टिस जॉन माइकल डी'कुन्हा की अगुआई में एक कमेटी बनाई गई थी। जिसकी रिपोर्ट में स्टेडियम से जुड़ी कई कमियां सामने आईं। इस रिपोर्ट के बाद आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के मैच भी बेंगलुरु से हटाकर नवी मुंबई में कराए गए।

लंदन चेस क्लासिक में चमके प्रज्ञानंद, बने को-लीडर; विश्व रैंकिंग में भी बनाए रखा दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रज्ञानंद ने दिन की शुरुआत हंगरी के ग्रैंडमास्टर टामस फोडोस जूनियर के खिलाफ सिर्फ 21 चालों में ड्रॉ खेलकर की, लेकिन दूसरे मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए इस्राइल के इंटरनेशनल मास्टर एटन रोजेन को हराया। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने लंदन चेस क्लासिक ओपन 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए टूर्नामेंट के को-लीडर बन गए हैं। उन्होंने छठे राउंड तक 5/6 अंक हासिल किए हैं और इस समय सर्बिया के ग्रैंडमास्टर वेलिमिर इविक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। प्रज्ञानंद ने दिन की शुरुआत हंगरी के ग्रैंडमास्टर टामस फोडोस जूनियर के खिलाफ सिर्फ 21 चालों में ड्रॉ खेलकर की, लेकिन दूसरे मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए इस्राइल के इंटरनेशनल मास्टर एटन रोजेन को हराया। उनका अगला मुकाबला अब वेलिमिर इविक से होगा, जो टूर्नामेंट का निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

विश्व रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों की स्थिति - ताजा फीडे दिसंबर 2025 रेटिंग सूची में प्रज्ञानानंदा ने कुछ रेटिंग अंक गंवाने के बावजूद अपनी विश्व नंबर 7 रैंकिंग बरकरार रखी है। वहीं, भारत के एक और युवा सितारे अरुण एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6.4 श्वद्यश अंक जोड़े और वह फिर से विश्व नंबर 5 पर पहुंच गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

ठाणे में भाजपा-शिवसेना कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

मुंबई, एजेंसी। भाजपा और शिवसेना के बीच लंबे समय से चला आ रहा तनाव रविवार को खुलकर सड़कों पर उतर आया, जब डोंबिवली में महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की उपस्थिति में दोनों सहयोगी दलों के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। माना जा रहा है कि यह झड़प 2 दिसंबर को होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों से ठीक पहले कुछ पदाधिकारियों को अपनी-अपनी पार्टी में शामिल करने को लेकर चले आ रहे विवाद का परिणाम है। पुलिस के अनुसार, यह घटना कुंभारखानपाड़ा क्षेत्र में गणेश घाट सौंदर्यीकरण कार्य के उद्घाटन के दौरान हुई। सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में भाजपा छोड़कर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए पूर्व पार्षद विकास म्हात्रे के समर्थकों ने स्थानीय विधायक रवींद्र चव्हाण के वहां पहुंचते ही शक्ति प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें कड़ी चुनौती दी। दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की और हाथापाई की कोशिश की। हालांकि, पहले से तैनात पुलिस बल ने तुरंत हस्तक्षेप कर स्थिति को काबू में कर लिया। दरअसल, भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच काफी समय से खटास चल रही है और दोनों पक्ष एक-दूसरे पर नेताओं व कार्यकर्ताओं की खरीद-फरोख्त के आरोप लगा रहे हैं। इसी मतभेद के चलते इस महीने की शुरुआत में मुंबई में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में शिवसेना के मंत्री शामिल नहीं हुए थे। दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं ने एक-दूसरे की पार्टी में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को न लाने पर सहमति जताई थी, जिसके बाद कुछ समय के लिए नाजुक शांति कायम हुई थी, लेकिन अब वह भी टूटती दिख रही है।

बीएलओ की दिक्कतों और आत्महत्या जैसी घटनाओं पर गंभीर संवाद की दरकार

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान बीएलओ की ओर से आत्महत्या करने की घटनाओं पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने चिंता जताई है। उन्होंने मांग उठाई कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान बीएलओ समेत प्रमुख मुद्दों पर सही से चर्चा होनी चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो रहा है, जिसके हर सत्र की तरह इस बार भी काफी हंगामेदार होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। उन्होंने लिखा, 'हमारी पार्टी चाहती है कि संसद के दोनों सत्र सुव्यवस्थित व शांतिपूर्ण तरीके से संचालित हों। देश व जनहित के जरूरी मुद्दों पर, खासकर राजधानी दिल्ली आदि में वायु प्रदूषण के कारण आ रही भारी परेशानी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर व्यावहारिक तौर पर हो रही परेशानियों, आपत्तियों व इस कार्य के मुख्य कर्ताधर्ता बीएलओ की दिक्कतों, उनकी ओर से की जा रही खुदकुशी की दुखद घटनाओं पर सही से चर्चा हो सके। साथ ही साथ, इन समस्याओं का उचित समाधान निकलने की दिशा में सार्थक प्रयास हो सके।

पत्नी को मारकर लाश के साथ ली सेल्फी और लगा दिया व्हाट्सएप स्टेटस

कोयंबटूर , एजेंसी। तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित तिरुनेलवेली में एक सनसनीखेज वारदात ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। एक दरिंदे ने बेरहमी से अपनी पत्नी का खून किया और फिर उसकी लाश के साथ सेल्फी लेकर व्हाट्सएप पर स्टेटस लगा दिया। आरोपी पति की पहचान बालामुरुगन के रूप में हुई है। उसने पत्नी के हॉस्टल में घुसकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया। घटना की वजह पारिवारिक कलह बताया जा रह है। तमिलनाडु पुलिस के अनुसार, पीड़िता का नाम श्रीप्रिया था और वो कोयंबटूर की प्राइवेट कंपनी में काम करती थी। श्रीप्रिया और बालामुरुगन काफी समय से अलग रह रहे थे। रविवार की दोपहर बालामुरुगन पत्नी से मिलने उसके हॉस्टल पहुंचा। बालामुरुगन ने अपने कपड़ों में दरांती छिपा रखी थी। जांच में पता चला है कि दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ी कि बालामुरुगन ने श्रीप्रिया पर वार कर दिया। यह प्रहार इतना भयानक था कि श्रीप्रिया तुरंत लहूलुहान हो गई और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इतना ही नहीं, वारदात को अंजाम देने के बाद बालामुरुगन ने श्रीप्रिया की लाश के साथ सेल्फी लेकर व्हाएट्सएप स्टेटस लगा दिया और कैप्शन में लिखा, ÷श्रीप्रिया ने मुझे धोखा दिया था।÷ श्रीप्रिया की चीख सुनकर जब हॉस्टल के लोग मौके पर पहुंचे, तो बालामुरुगन वहीं मौजूद था। पुलिस के आने तक वो लाश के पास ही बैठा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके दरांती भी बरामद कर ली है।

4 साल की मासूम को फर्श पर फेंककर कुचला, हैदराबाद के स्कूल में स्टाफ की हैवानियत

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद में 4 साल की मासूम के साथ हुई दरिंदगी ने स्कूल में बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नर्सरी कक्षा में पढ़ने वाली एक बच्ची को स्कूल की महिला स्टाफ ने बेरहमी से पीटा। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है ।यह मामला शाहपुर नगर के एक प्राइवेट स्कूल का है। आरोपी महिला बच्ची को स्कूल के वॉशरूम में लेकर गई। वहां महिला ने बच्ची को फर्श पर फेंक दिया और फिर उसे बुरी तरह से पीटा, महिला ने बच्ची को पैरों से कुचला और यहां तक की उसका गला दबाने की भी कोशिश की। यह पूरी घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। हैदराबाद पुलिस के अनुसार, महिला की पहचान लक्ष्मी के रूप में हुई है, जो स्कूल में सफाई कर्मचारी थी। बच्ची की मां स्कूल में ही बस कंडक्टर की नौकरी करती है। रविवार को स्कूल खत्म होने के बाद जब वो बच्चों को घर छोड़ने चली गई, तो उसकी बेटी स्कूल में ही मां के वापस आने का इंतजार कर रही थी पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि लक्ष्मी को डर था कि बच्ची की मां उसकी नौकरी छीन लेगी। ऐसे में दोनों के बीच कुछ समय से मनमुटाव चल रहा था, जिसके कारण लक्ष्मी ने बच्ची को निशाना बनाया। वहीं, एक पड़ोसी ने इस पूरी घटना को कैमरे में कैद कर लिया।

यूपी में हड़ताल-तालाबंदी पर रोक

● 14 दिन पहले अनुमति जरूरी, नए श्रम कानून में बदली व्यवस्था

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में अब हड़ताल करने के नियमों को कड़ा किया गया है। 14 दिनों की पूर्व सूचना के बिना किसी भी हड़ताल या तालाबंदी पर रोक लगा दी गई है। सामूहिक अवकाश भी हड़ताल में शामिल किया गया है। नई श्रम संहिता के मुताबिक अब 300 से ज्यादा श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों में छंटनी से पहले प्रदेश सरकार की अनुमति लेनी होगी। न केवल छंटनी बल्कि प्रतिष्ठानों को बंद करने के लिए भी यही व्यवस्था लागू होगी। प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि नई संहिताएं 21 नवंबर से प्रदेश में प्रभावी हो चुकी हैं। उनका दावा है कि श्रम कानूनों का पालन आसान बनाया गया है। श्रमिकों के हित भी संरक्षित किए गए हैं और प्रतिष्ठानों के लिए भी यह राहत भरा है। उद्योगों और श्रमिकों के बीच समन्वय

बढ़ाने के लिए शिकायत परितोष समिति, वार्ताकारी परिषद और दो सदस्यीय औद्योगिक अधिकरण का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि न्यूनतम वेतन अब सभी संगठित और असंगठित क्षेत्रों पर लागू होगा। सेवा समाप्ति या त्यागपत्र की स्थिति में दो दिनों के भीतर सभी देयक का भुगतान करना अनिवार्य होगा। नए श्रम कानूनों के तहत सभी क्षेत्रों में महिलाओं को पुरुष कर्मचारियों के बराबर अवसर और सुरक्षा मिलेगी। इससे महिलाओं की आय और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। अब महिलाएं अपनी सहमति से रात में भी काम कर सकेंगी। नए कानून के मुख्य प्रावधान में समान कार्य के लिए समान वेतन, महिलाओं के लिए रात की शिफ्ट में काम की अनुमति, 26 सप्ताह का सवेतन मातृत्व अवकाश, शिशुगृह सुविधाओं तक अनिवार्य पहुंच, घर से काम करने के कुछ विकल्प भी शामिल किए गए हैं।

कानूनी पहचान

पहली बार गिग वर्क यानी अस्थाई कर्मी, प्लेटफॉर्म वर्क और एग्रीगेटर कंपनियों को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर काम करने वालों को अब कल्याणकारी योजनाओं में शामिल किया जाएगा। एग्रीगेटर्स को अपने सालाना कारोबार का 1-2 फीसदी एक विशेष कल्याण कोष में जमा करना होगा। यह राशि अधिकतम कुल भुगतान के 5 फीसदी तक सीमित होगी। यह कोष गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को मजबूती देगा।

क्या हो सकता है नतीजा?

पहले ये सभी भत्ते गिनती में शामिल होते थे, इसलिए वेतन का आधार बड़ा होता था और पैसा ज्यादा मिलता था। अब भत्ते कम हो गए हैं, जिससे वेतन का आधार छोटा हो गया है। जब छोटे आधार पर गिनती होगी तो मातृत्व लाभ की कुल राशि कम हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार का मुख्य उद्देश्य माताओं को मिलने वाली सुरक्षा और लाभ को कम करना नहीं है।

अब मुंबई की हवा भी खराब

● पलूशन के चलते लगीं जीआरएपी 4 की पाबंदियां

मुंबई, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में पलूशन की समस्या सालों से चली आ रही है, लेकिन मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नै जैसे अन्य महानगरों में कमोबेश राहत रही है। अब यह राहत मुंबई भी खत्म होती दिख रही है। आर्थिक राजधानी में पलूशन का लेवल बढ़ने और हवा खराब होने के चलते पाबंदियां लगाई गई हैं। मुंबई में जीआरएपी 4 की पाबंदियां लागू की गई हैं ताकि पलूशन पर कंट्रोल पाया जा सके। इस तरह मुंबई भी अब पलूशन के मामले में दिल्ली की कतार में आकर खड़ा हो गया है। मुंबई के कई इलाकों की हवा खराब और अत्यंत खराब की श्रेणी में आ गई है। इन इलाकों में मडगांव, देवनार, मलाड, बोरिवली ईस्ट, चकाला-अंधेरी ईस्ट, नेवी नगर, पोवई और मुलुंड शामिल हैं। इसके चलते बीएमसी ने तमाम निर्माण कार्यों और ऐसी गतिविधियों पर रोक लगा दी है, जिनसे धूल उड़ती है। इसके अलावा दर्जनों साइट्स की मॉनिटरिंग की जा रही है। करीब 50 निर्माण स्थलों को नोटिस जारी किया है। इन पर अब काम रोकने या फिर पूरी तरह स्थगित करने के नोटिस लगे हैं। इसके अलावा लघु उद्योगों, बेकरीज और

मार्बल कटिंग यूनिट्स को आदेश दिया गया है कि वे अपने कामकाज में इस बात का ध्यान रखें कि धूल कम उड़े। ऐसा ना होने पर उनके खिलाफ ऐक्शन लिया जा सकता है। यही नहीं बीएमसी ने हर वार्ड में फ्लाइंग स्क्वॉड की भी नियुक्ति की है ताकि धूल पर नियंत्रण किया जाए और पलूशन पर पूरी निगरानी रहे। समुद्र के किनारे होने और हवा की रफ्तार अमूमन दिल्ली जैसे शहरों के मुकाबले तेज होने के चलते मुंबई में पलूशन कम रहा है, लेकिन वहां भी समस्या बढ़ने से चिंताएं पैदा हुई हैं। इन पाबंदियों को लागू करने के बाद भी मुंबई का एक्यूआई 187 है, जो अनहेल्डी कैटिगरी में आता है। वहीं बेंगलुरु का एक्यूआई 118 है और कोलकाता में तो यह काफी ज्यादा बढ़कर 236 हो गया है। बता दें कि दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषण वाले 10 शहरों में तीन शहर भारत के ही हैं।

भाजपा क्यों नहीं बना पा रही पंजाब में सरकार

साथी कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बताया

जालंधर, एजेंसी।
पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भारतीय जनता पार्टी को राज्य में सरकार बनाने का फॉर्मूला दिया है। हाल ही में एक चैनल से बातचीत में उन्होंने भाजपा के साथ जाने और पार्टी की राज्य में चुनावी तैयारियों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने साफ किया है कि मौजूदा स्थिति में भाजपा अकेले चुनाव नहीं जीत सकती। कांग्रेस से अलग होने के बाद साल 2022 में सिंह बीजेपी का हिस्सा बन गए थे।

सिंह से सवाल किया गया कि भाजपा चुनावी तौर पर पंजाब को नहीं समझ पाई है। इस पर कैप्टन ने जवाब दिया, '...भाजपा के शुरुआती नेताओं ने जो किया वो गलत हो गया। आपको हर चुनाव लड़ना चाहिए था। आप जंग से नहीं भाग सकते। पहला चुनाव 1950 में हुआ। बीजेपी को जितनी भी सीट थीं, उनपर लड़ना चाहिए था। हर सीट पर आपको लड़ना चाहिए था, तब आपका कैडर बनता।' उन्होंने कहा, 'वो क्या कर रहे थे कि 10 लोगों या 15 लोगों को अकाली दल के

साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा रहे थे। अकाली को उनका फायदा मिल रहा था, लेकिन उन्हें किसी से फायदा नहीं हो रहा था। अगर आप आज इस संकट का सामना कर रहे हैं, तो इसकी वजह यह है कि आपने अपना कैडर ही नहीं बनाया।'

उन्होंने कहा, 'अगर वो इस बार जीतना चाहते हैं तो...। देखिए इसे दो तरीके से देखा जा सकता है। या तो आप अपना कैडर बनाएं या गठबंधन कर सरकार बनाएं। अगर आप सरकार बनाना चाहते हैं, तो आपको अकाली दल के साथ बनानी होगी।

दित्वाह से श्रीलंका में अब तक 334 लोगों की मौत

कोलंबो , एजेंसी।
श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह से मची तबाही में अब तक कम से कम 334 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलंबिया के स्थानीय मीडिया ने डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर (डीएमसी) के हवाले से बताया कि 370 लोगों की अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इस बीच ऑपरेशन सागरबंधु के तहत भारतीय वायु सेना श्रीलंका के आपदाग्रस्त क्षेत्रों फंसे लोगों को रेस्क्यू कर रही है। भारतीय वायुसेना ने 40 श्रीलंकाई सैनिकों और 104 भारतीयों को रेस्क्यू किया। इस तूफान से कैंडी शहर में सबसे ज्यादा तबाही मची है। कैंडी में अब तक 88 मौतें हुई हैं, जबकि 150 लोग लापता बताए गए हैं। बादुल्ला में 71, नुवारा एलिया में 68 और मटाले में 23 लोगों की मौत हुई है। डेली मिरर ने डीएमसी के हवाले से बताया कि इस आपदा से देशभर के 309,607 परिवारों के 1,118,929 लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जहां संपर्क पूरी तरह से बाधित हो गया है। इसकी वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में भी दिक्कतें आ रही हैं। भारतीय रेस्क्यू टीमें बाढ़ से प्रभावित समुदायों की मदद के लिए श्रीलंका एयर फोर्स, नेवी, आर्मी, और पुलिस के साथ तालमेल

बैठाकर काम कर रही हैं। वहीं फर्स्ट रिस्पांडर (जो आपदा या इमरजेंसी के समय में सबसे पहले पहुंचकर प्रभावित लोगों को मदद पहुंचाते हैं) भी रेस्क्यू ऑपरेशन में अन्य टीमों के साथ कोऑर्डिनेशन कर लोगों को बचाने का काम कर रहे हैं।

कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त ने जानकारी दी है कि श्रीलंका में फंसे 104 भारतीय नागरिकों के आखिरी बैच को सोमवार को निकालकर घर वापस लाया गया। भारतीय हाई कमीशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कोलंबो के बंदरनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे भारतीय यात्रियों का आखिरी बैच घर पहुंच गया है। 104 फंसे हुए भारतीय आज सुबह करीब 6.30 बजे भारतीय वायु सेना के विमान से तिरुवनंतपुरम पहुंचे।'

जब पाकिस्तान के मंत्री खो बैठे आपा, दिया विवादित बयान

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत को लेकर उठ रहे सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे पा रही है। इसी बीच, शहबाज सरकार में सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने रविवार को एक बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी, जो एक मंत्री के पद पर बैठे व्यक्ति के लिए बिल्कुल अनुचित मानी जा रही है। उन्होंने इमरान खान की बहनों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें शर्म से मर जाना चाहिए।

अपने ऊपर उठ रहे सवालों को टालने के लिए पाकिस्तानी मंत्री ने सीधे भारतीय और अफगानी मीडिया पर ठीकरा फोड़ दिया। तरार ने कहा कि इमरान खान की बहनें पाकिस्तान में बात करने की बजाय

भारत और अफगानिस्तान के चैनलों पर जाकर बयान दे रही हैं, जो कि पाकिस्तान की छवि खराब करता है। पाकिस्तान के अखबार डॉन के अनुसार, तरार ने इमरान खान की तीनों बहनों को निशाने पर लेते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी पीटीआई सरकार की नीतियों का सामना नहीं कर पा रही है, इसलिए अनर्गल तरीके अपना रही है।

विदेशी मीडिया पर दिए गए इमरान की बहनों के बयानों को लेकर तरार ने आरोप लगाया÷ ये बहनें भारतीय और अफगान चैनलों पर जाकर अपने भाई के लिए रो रही हैं, लेकिन पाकिस्तान के शहीदों के बारे में बात नहीं करतीं। एक कैदी के लिए रो रही हैं, जो भ्रष्टाचार के मामलों में शामिल है।

उन्होंने कहा कि दूसरे देश के चैनलों पर जाकर बात करना गैरजिम्मेदाराना है और उसे राष्ट्रीय स्वाभिमान के खिलाफ बताया। तरार ने आगे कहा÷ जो लोग दूसरे देशों के चैनलों पर जाकर पाकिस्तान को बदनाम करते हैं, उन्हें शर्म से मर जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय और अफगानी मीडिया ने इमरान की बहनों को प्लेटफॉर्म इसलिए दिया क्योंकि इस परिवार की सोच पाकिस्तान के खिलाफ है।

फ्लोरिडा में यूएस-यूक्रेन की मीटिंग, ट्रंप टीम जल्द मॉस्को जाकर पुतिन से करेगी वार्ता

तल्हासी, एजेंसी।
रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिशें एक बार फिर तेज हो गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारी रविवार को फ्लोरिडा में यूक्रेनी अधिकारियों से मिले, जहां प्रस्तावित शांति फ्रेमवर्क के अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस बीच ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे अपने प्रतिनिधिमंडल को इस सप्ताह मॉस्को भेज रहे हैं, जहां रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण वार्ता तय है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर ने यूक्रेनी शांति दल से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब यूक्रेन एक ओर रूसी सेना से जूझ रहा है और दूसरी ओर बड़े घरेलू भ्रष्टाचार विवाद से घिरा है।

शांति समझौते के लिए अभी और काम जरूरी: रूबियोत्न अमेरिका और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बैठक की। इस वार्ता का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए एक

रास्ता तलाशना था। बैठक के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि बातचीत उपयोगी रही, लेकिन अभी शांति समझौते तक पहुंचने के लिए काफी काम बाकी है। रूबियो ने कहा मुद्दा सिर्फ लड़ाई खत्म करने का नहीं है, बल्कि ऐसा समाधान ढूंढना है जिससे यूक्रेन की संप्रभुता और उसका भविष्य सुरक्षित रहे। आज हमने कुछ प्रगति की है, लेकिन यह प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। यूक्रेन की तरफ से सुरक्षा परिषद प्रमुख रुस्तेम उमेरोव ने हिस्सा लिया। उन्होंने अमेरिका के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा अमेरिका हमारी बात सुन रहा है, हमें समर्थन दे रहा है और हमारे साथ काम कर रहा है। उमेरोव ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि बातचीत में कितनी प्रगति हुई, लेकिन उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित और समृद्ध यूक्रेन है, और इस दिशा में अमेरिका पूरी तरह सहयोग कर रहा है।

भ्रष्टाचार विवाद के बीच बदला यूक्रेन का वार्ताकार

कुछ दिन पहले राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अपने शक्तिशाली चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रिय येर्माक का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। ऊर्जा सेक्टर में 100 मिलियन डॉलर की गबन घोटाले की जांच के बाद यह बड़ा कदम उठाया गया। रूबियो की येर्माक से पिछली मुलाकात केवल एक हफ्ता पहले जिनेवा में हुई थी, जहां दोनों पक्षों ने शांति योजना के संशोधित ड्राफ्ट पर सहमति जताई थी। ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्ता के लिए अपने दूत स्टीव विटकॉफ और संभवतः जेरेड कुश्नर को भेजेंगे। इस बीच, रूसी राष्ट्रपति भवन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भी पुष्टि की है कि पुतिन गुरुवार से पहले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेंगे।

वॉशिंगटन में हमले का शिकार नेशनल गार्ड्स के जवानों का सम्मान करेंगे ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गोलीबारी के शिकार नेशनल गार्ड्स के जवानों को परिजनों से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। नेशनल गार्ड्स के जवानों साराह बेकस्ट्रोम और एंड्रयू वोल्फ को बीते बुधवार को वॉशिंगटन डीसी में एक अफगान मूल के व्यक्ति ने गोली मार दी थी। हमले में गंभीर रूप से घायल साराह बेकस्ट्रोम की इलाज के दौरान मौत हो गई थी और एंड्रयू वोल्फ अभी भी जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। ट्रंप ने पीड़ित परिवारों को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिए जाने की जानकारी देते हुए कहा, 'मैंने साराह बेकस्ट्रोम के परिजनों से बात की थी और वे बेहद दुखी थे'। ट्रंप ने बताया कि वे साराह और एंड्रयू का व्हाइट हाउस में सम्मान करना चाहते हैं। साराह बेकस्ट्रोम और एंड्रयू वोल्फ वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गार्ड्स का हिस्सा थे और वॉशिंगटन डीसी में अपराध के खिलाफ अभियान के तहत राजधानी में तैनात थे। 29 साल के अफगानिस्तान मूल के युवक रहमानुल्ला ने दोनों को गोली मार दी थी। हमले के बाद रहमानुल्ला को गिरफ्तार कर लिया गया था। ट्रंप ने इसे आतंकी हमला करार दिया और अफगानिस्तान के सभी नागरिकों को वीजा जारी करने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग की प्रमुख क्रिस्टी नोएम ने वॉशिंगटन डीसी में हुए हमले के लिए पूर्व के बाइडन प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। क्रिस्टी नोएम ने कहा कि आरोपी के अमेरिका में रहने की आवेदन प्रक्रिया बाइडन सरकार में शुरू हुई थी। ऐसे में वॉशिंगटन डीसी में हुई गोलीबारी और साराह बेकस्ट्रोम की मौत की जिम्मेदारी भी सीधे तौर पर जो बाइडन और उनके प्रशासन की है। क्रिस्टी नोएम ने बताया कि वॉशिंगटन में गोलीबारी के आरोपी रहमानुल्ला लकनवाल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। लकनवाल साल 2021 में बाइडन सरकार के ऑपरेशन एलाइज वेलकम के तहत अमेरिका आया था। नोएम ने आरोप लगाया कि बाइडन सरकार ने अफगानिस्तान से अमेरिका आने वाले लोगों की ठीक तरीके से जांच नहीं कराई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129